रजिस्ट्री सं० डी(डी)-73

REGISTERED No. D(D)-73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 41] नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 9, 1976/आश्विन 17, 1898
No. 41] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 9, 1976/ASVINA 17, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1976

का० आ० 3523.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 239 के खण्ड (1) के अनुसरण में निदेश देते हैं कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना एस० ओ० 2123, तारीख 29 अप्रैल, 1976 में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे, नामतः

उक्त अधिसूचना में "राज्य सरकार" शब्दों के स्थान पर "राज्य सरकार, दिल्ली अथवा चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र, जैसा भी मामला हो, कन्टोनमेंट क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के अन्तर्गत, कोई भी हो उन क्षेत्रों को छोड़कर जो केन्टोनमेंट्स अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 3 में ऐसे ही घोषित किए गए हैं" शब्द, आंकड़े तथा कोष्ठक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[सं० यू० 11030/4/76-यू० टी० एल०]

हरीश चन्द्र बख्शी, अवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 25th September, 1976

S.O. 3523.—In pursuance of clause(1) of article 239 of the Constitution, the President hereby directs that the following amendment shall be made in the Notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. S.O. 2123, dated the 29th April, 1976, namely :—

In the said notification, for the words "State Government", the words, figures and brackets "State Government, in the Union Territory of Delhi or Chandigarh, as the case may be, except in relation to areas within the local limits of cantonments, if any, declared as such under section 3 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924)," shall be substituted.

[No. U-11030/4/76-UTL]

H. C. BAKSHI, Under Secy.

वित्त मंत्रालय
(राजस्व और बीमा विभाग)

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1976

(आय-कर)

का० आ० 3524.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा 2(ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री भवनारायण स्वामी और श्री सोमेश्वर स्वामी मन्दिर बापाटला को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए आन्ध्र प्रदेश राज्य में सर्वत्र विख्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[सं० 1411—फा०सं० 176/19/76 आई० टी० (ए०आई०)]

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue and Banking)

New Delhi, the 29th July, 1976

Income-Tax

S.O. 3524.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Sri-Bhavanarayana Swamy and Sree Somesware Swamy Temples, Bapatla, Andhra Pradesh to be places of public worship of renown throughout the State of Andhra Pradesh for the purposes of the said section.

[No. 1411—F. No. 176/19/76-IT(AI)]

(राजस्व पक्ष)

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1976

आय-कर

का० आ० 3525.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा 2(ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री पार्थसारथी क्षेत्र अरण संगमगुरुवयूर पर को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए केरल राज्य में सर्वत्र विख्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[सं० 1435—फा०सं० 176/38/76-आई०टी० (ए०आई०)]

एम० शास्त्री, अवर सचिव

Revenue Wing

New Delhi, the 11th August, 1976

Income-Tax

S.O. 3525.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies Shri Parthasarathy Kshethra Bharana Sangam, Guruvayur to be a place of public worship of renown throughout the State of Kerala for the purposes of the said section.

[No. 1435—F. No. 176/38/76-IT(AI)]

M. SHASTRI, Under Secy.

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 30 जुलाई 1976

का० आ० 3526:—अधिसूचना सं० 34, तारीख 23 नवम्बर, 1946 में, जिसमें यह अधिसूचित किया गया था कि हिन्दु विश्वविद्यालय बनारस को आय-कर अधिनियम, 1922 की धारा 10(2)(XIII) के प्रयोजनों के लिए अनुमोदित किया गया है, निम्नलिखित परिवर्तन किया जाता है, अर्थात् :—

"हिन्दु विश्वविद्यालय, बनारस" के स्थान पर
"बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी" पढ़ें।

[सं० 1415—फा०सं० 203/46/74-आई०टी०(ए० I)]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 30th July, 1976

S.O. 3526.—The following change is made in the notification No. 34, dated 23rd November, 1946 notifying that Hindu University Banaras was approved for the purposes of section 10(2)(XIII) of the Income-tax Act, 1922.

for—Hindu University Banaras read Banaras Hindu University, Varanasi.

[No. 1435—F. No. 176/38/76-IA(AI)]

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 1976

का० आ० 3527.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2क) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम, नीचे विनिर्दिष्ट अवधि तक के लिए, विहित प्राधिकारी, सचिव विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित किए गए हैं—

परियोजना का नाम	परियोजना की लागत	कार्यक्रम की कालावधि 15-6-1976 से
1	2*	3
(i) इलेक्ट्रान त्वरक उपयोजन में अंतर विषयक अनुसंधान के लिए केन्द्र	7,80,000	3 वर्ष
(ii) सौर ऊर्जा के कुछ उपयोग	1,35,400	3 वर्ष
(iii) गन्ने के रस की सफाई में आयन विनिमय रेजिनों की खोज संबंधी अध्ययन	60,000	3 वर्ष
(iv) ग्लास और सिरेमिक्स के संश्लेषण और गुण	1,23,000	3 वर्ष
(v) औद्योगिक रूप से प्रदूषित जल का क्रमबद्ध सर्वेक्षण, उसका विश्लेषण और कृषि फसलों की उपज पर उसका प्रभाव	63,000	3 वर्ष
(vi) खाद्य स्रोत के रूप में छत्रक (मशरूम) और अन्य कवक (फंजाई)	63,000	3 वर्ष
(vii) पुणे के संदर्भ में औद्योगिक प्रदूषण का ताजे पानी के जन्तुओं की जनसंख्या पर पड़ने वाला प्रभाव	85,000	3 वर्ष
(viii) पुणे के इर्दगिर्द और उसके प्रस्थापित औद्योगिक काम्प्लेक्स के क्षेत्रों में भूमिगत जल का अध्ययन	1,03,500	2 वर्ष
योग :	15,18,400	

प्रायोजित—मैसर्स खोसला मेटल पाउडर्स लिमिटेड, 43, औंध रोड, किरकी, पुणे 411003 द्वारा

प्रायोजन स्थान—पुणे विश्वविद्यालय, पुणे,

पुणे विश्वविद्यालय, जहां पूर्वोक्त अनुसंधान कार्यक्रम प्रयोजित किए गए हैं, आयकर अधिनियम, 1963 की धारा 35(i)(ii) के प्रयोजनों के लिए, अधिसूचना सं० 510 (फा० सं० 203/40/73/आई टी ए II), तारीख 4 दिसम्बर, 1973 द्वारा पहले से ही अनुमोदित है।

[सं० 1425—फा० सं० 203/185/75 आई टी (ए-II)]

टी० पी० झुनझुनवाला, उप-सचिव

New Delhi, the 6th August, 1976

S.O. 3527.—It is hereby notified for general information that the following scientific research programmes have been approved for the period specified below for the purposes of sub-section (2A) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 by the prescribed authority, the Secretary Department of Science & Technology, New Delhi :

Name of the Project	Cost of the project (Rs.)	Duration the programme w.e.f. 15-6-76
1	2	3
(i) Centre for inter-disciplinary research in Electron Accelerator Utilisation . .	7,80,000	3 years
(ii) Some applications of solar energy	1,35,400	3 years
(iii) Studies in the exploration of Ion-Exchange resins in cane-juice clarification . .	60,000	3 years
(iv) Synthesis and properties of Glass and Ceramics . .	1,23,000	3 years
(v) A Systematic survey of industrially polluted water, its analysis and effect on the growth of agricultural crops	63,000	3 years
(vi) Mushrooms and other Fungi as a source of food . .	63,000	3 years
(vii) Effects of Industrial Pollution on population of Fresh Water animals with reference to Poona . .	85,000	3 years
(viii) Study of ground water in Poona and in areas of proposed industrial complexes around Poona . . .	1,03,500	2 years
TOTAL	15,18,400	

Sponsored by : M/s. Khosla Metal Powders Limited, 43, Aundh Road, Kirkee, Poona-411003.

Sponsored at : University of Poona, Poona.

The University of Poona where the above research programmes have been sponsored is already approved for the purpose of section 35(1)(ii) of the Income-tax Act, 1961 vide Notification No. 510 (F. No. 203/40/73-ITA.II) dated 4th December, 1973.

[No. 1425-F. No. 203/185/75-ITA (II)]

T. P. JHUNJHUNWALA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1976

का० आ० 3528.—केन्द्रीय सरकार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 194क की उपधारा (3) के खण्ड (vi) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अतिरिक्त उपलब्धियों (अनिवार्य निक्षेप) अधिनियम, 1974 को उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 1463-फा० सं० 275/113/76-आई टी जे)]

टी० पी० झुनझुनवाला, निदेशक

New Delhi, the 1st September, 1976

S.O. 3528.—In exercise of the powers conferred by clause (vi) of sub-section 3 of Section 194A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the Additional Emoluments (Compulsory Deposit) Act, 1974 for the purpose of the said clause.

[No. 1463—F. No. 275/113/76-ITJ]

T. P. JHUNJHUNWALA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1976

स्टाम्प

का०आ० 3529.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उस शुल्क से जो हरियाणा वित्तीय निगम, चण्डीगढ़ द्वारा जारी किये गये एक सौ लाख रुपये मूल्य के वचनपत्रों के रूप में बन्ध-पत्रों पर, उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है, एतद द्वारा छूट देती है।

[सं० 50/76-स्टाम्प-फा०सं० 471/69/76-सी०शु०-VII]

ORDER

New Delhi, the 29th September, 1976

STAMPS

S.O. 3529.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of one hundred lakhs of rupees, floated by the Haryana Financial Corporation, Chandigarh are chargeable under the said act.

[No. 50/76-Stamps/F. No. 471/69/76-Cus. VII]

आदेश

का० आ० 3530.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उस शुल्क से, जो हरियाणा वित्तीय निगम, चण्डीगढ़ द्वारा जारी किये गये पचास लाख रुपये मूल्य के वचन-पत्रों के रूप में बन्ध-पत्रों पर, उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है, एतद्द्वारा छूट देती है।

[सं० 51/76-स्टाम्प फा०सं० 471/69/76-सी०शु०-II]

ORDER

S.O. 3530.—In exercise of he powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of fifty lakhs of rupees, floated by the Haryana Financial Corporation, Chandigarh are chargeable under the said Act.

[No. 50/76-Stamps/F. No. 471/69/76-Cus. VII]

आदेश

का० आ० 3531.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप धारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उस शुल्क से, जो तमिलनाडु आवास द्वारा जून, 1975 में जारी किये गये एक सौ दस लाख रुपये मूल्य के स्टाक-प्रमाणपत्रों और वचन-पत्रों के रूप में डिबेंचरों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है, छूट देती है।

[सं० 52/76-स्टाम्प फा० सं० 471/63/76-सी०शु० VII]

डी०के० आचार्य, अवर सचिव

ORDER

S.O. 3531.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 or 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the debentures in the form of stock certificates and promissory notes to the value of one hundred and ten lakhs of rupees, floated by the Tamil Nadu Housing Board, during June, 1975, are chargeable under the said Act.

[No. 52/76-Stamps/F. No. 471/63/76-Cus. VII]

D. K. ACHARYYA, Under Secy.

(बैंकिंग पक्ष)

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1976

का० आ० 3532.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से, एतद्द्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (2) के उपबंध 25 अक्तूबर, 1978 तक यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया, कलकत्ता पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जिस सीमा तक उनका संबंध इसके द्वारा यूनाइटेड इंडस्ट्रियल बैंक लिमिटेड, कलकत्ता की शेयर धारिता से है।

[संख्या 15(30)/बी० ओ० III/76)]

मे० भा० उसगांवकर, अवर सचिव

(Banking Wing)

New Delhi, the 22nd September, 1976

S.O. 3532.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (2) of section 19 of the said Act shall not apply till the 25th October, 1978, to the United Bank of India, Calcutta, in so far as they relate to its holdings in the shares of the United Industrial Bank Ltd., Calcutta.

[No. 15(30)-B.O. III/76]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

भारतीय रिजर्व बैंक

RESERVE BANK OF INDIA

का० आ० 3533.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में सितम्बर 1976 के दिनांक 10 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए, लेखा

S.O. 3533.—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934 for the week ended the 10th day of Sept., 1976

इश्यू विभाग

ISSUE DEPARTMENT

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तियां ASSETS	रुपये Rs.	रुपये Rs.
1	2	3	4	5	6
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट			सोने का सिक्का और बुलियन :—		
Notes held in the Banking Department	11,77,72,000		Gold Coin and Bullion :—		
संचलन में नोट			(क) भारत में रखा हुआ		
Notes in circulation	7074,65,51,000		(a) Held in India . .	182,52,45,000	
			(ख) भारत के बाहर रखा हुआ		
			(b) Held outside India .	..	
जारी किये गये कुल नोट					
Total notes issued . .		7086,43,23,000			
			विदेशी प्रतिभूतियां		
			Foreign Securities . .	746,73,97,000	
			जोड़		
			Total . .		929,26,42,000
			रुपये का सिक्का		
			Rupee Coin . . .		21,72,90,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां		
			Government of India Rupee Securities		6135,43,91,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र		
			Internal Bills of Exchange and and other commercial paper		
कुल देयताएं			कुल आस्तियां		
Total Liabilities . .		7086,43,23,000	Total Assets . . .		7086,43,23,000

के० आर० पुरी, गवर्नर

दिनांक :

K.R.PURI, Governor

Dated the 15th day of September, 1976.

New Delhi, the 21st September, 1976

1976 को भारतीय रिज़र्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 10th September, 1976.

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	आस्तियाँ ASSETS	रुपये Rs.
1	2	3	4
चुकता पूंजी Capital Paid up	5,00,00,000	नोट Notes	11,77,72,000
आरक्षित निधि Reserve Fund	150,00,00,000	रुपये का सिक्का Rupee Coin	4,97,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण		छोटा सिक्का Small Coin	4,03,000
(दीर्घकालीन प्रचर्तन) निधि National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	400,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल Bills Purchased and Discounted :—	
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि		(क) देशी (a) Internal	147,82,83,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	145,00,00,000	(ख) विदेशी (b) External	...
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रचर्तन) निधि		(ग) सरकारी खजाना बिल (c) Government Treasury Bills	429,09,55,000
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	540,00,00,000	विदेशों में रखा हुआ बकाया Balances Held Abroad	1282,83,12,000
जमा राशियाँ :— Deposits :—		निवेश Investments	199,10,73,000
(क) सरकार (a) Government		ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :—	
(i) केन्द्रीय सरकार Central Government	59,27,56,000	(i) केन्द्रीय सरकार को Central Government	..
(ii) राज्य सरकारें State Governments	12,49,20,000	(ii) राज्य सरकारों को State Governments	136,38,98,000
(ख) बैंक (b) Banks		ऋण और अग्रिम Loans and Advances to :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक Scheduled Commercial Banks	718,41,81,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को Scheduled Commercial Banks	660,84,74,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक Scheduled State Co-operative Banks	23,56,94,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को State Co-operative Banks	227,23,44,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,86,08,000	(iii) दूसरों को Others	4,98,93,000

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	आस्तियां ASSETS	रुपये Rs.
1	2	3	4
(IV) अन्य बैंक Other Banks	85,49,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) ऋण और अग्रिम :— (a) Loans and Advances to :—	
		(i) राज्य सरकारों को State Governments	75,63,57,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को State Co-operative Banks	11,58,73,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों को Central Land Mortgage Banks	..
		(iv) कृषि पुनर्वित्त और विकास निगम को Agricultural Refinance & Development Corporation	137,40,00,000
		(ख) केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	9,43,09,000
(ग) अन्य (c) Others	2043,12,41,000		
देय बिल Bills Payable	100,25,18,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
अन्य देयताएं Other Liabilities	562,65,49,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम Loans and Advances to State Co-operative Banks	87,41,37,000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम (a) Loans and Advances to the Development Bank	464,15,05,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	..
		अन्य आस्तियां Other Assets	776,69,31,000
रुपये Rupees	4762,50,16,000	रुपये Rupees	4762,50,16,000

दिनांक :
Dated

के० आर० पुरी, गवर्नर
K.R. PURI, Governor

[No. F. 10/1/76-B.O.I.]
C.W. MIRCHANDANI, Under Secy.

(Department of Accounts and Expenditure)

CORRIGENDUM

Bombay, the 23rd September, 1976

S.O. 3534.—In the statement of Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department for the week ended 30th July 1976, published in the Part II Section 3(ii) of the Gazette of India dated 28th August 1976, the following corrigendum may be noted on page 2858 : the figures 1044 under the column Rs may be deleted.

[No. 228/4-76/77]

(बैंकिंग परिचालन और विकास विभाग)

बम्बई, 8 सितम्बर, 1976

का० आ० 3535.—बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 36अ की उपधारा (2) के अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक एतद्द्वारा यह अधिसूचित करता है कि विजयराज बैंक (प्राइवेट) लि०, अलंदूर, मद्रास 16 उक्त अधिनियम के अर्थ के अंतर्गत बैंकिंग कंपनी नहीं रह गया है।

[सं० डीबीओडी 123/सी० 404-76]

(Department of Banking Operations and Development)

Bombay, the 8th September, 1976

S.O. 3535.—In pursuance of sub-section (2) of section 36A of the Banking Regulation Act, 1949, the Reserve Bank of India hereby notifies that the Bijairaj Bank (P) Ltd., Alandur, Madras-16, has ceased to be a banking company within the meaning of the said Act.

[No. DBOD. Ret. 123/C. 404-76]

का० आ० 3536.—बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 36अ की उपधारा (2) के अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक एतद्द्वारा यह अधिसूचित करता है कि साहूकार बैंक लि०, लुधियाना उक्त अधिनियम के अर्थ के अंतर्गत बैंकिंग कंपनी नहीं रह गया है।

[सं० डीबीओडी 124/सी० 404-76]

एस० आर० अवधानी, अपर मुख्य अधिकारी

S.O. 3536.—In pursuance of sub-section (2) of section 36A of the Banking Regulation Act, 1949, the Reserve Bank of India hereby notifies that the Sahukara Bank Ltd., Ludhiana has ceased to be banking company within the meaning of the said Act.

[No. DBOD. Ret. 124/C. 404-76]

S. R. AVDHANI, Additional Chief Officer

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1976

का० आ० 3537.—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 की 2) की धारा 202 की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने, एतद्द्वारा नीचे दी गई सारणी के कालम (1) में उल्लिखित मिंट (टकसाल) या इंडिया सिक्यूरिटी प्रेस के उस पदों पर नियुक्त अधिकारियों को, जिनका उल्लेख नीचे दी गई सारणी के कालम (2) में किया गया है, राजपत्रित अधिकारी होने के नाते उपर्युक्त धारा के प्रयोजनों के लिए, नाम-निर्दिष्ट कर दिया है।

सारणी

1	2
1. इंडिया सिक्यूरिटी प्रेस, नासिक रोड	डिप्टी मास्टर।
2. करेंसी नोट प्रेस, नासिक रोड	,,
3. भारत सरकार मिंट (टकसाल) बम्बई	1. मुख्य धातु विश्लेषक (एसेयर)। 2. उप-मुख्य धातु विश्लेषक (एसेयर)। 3. एस्से (धातु विश्लेषण) अधीक्षक 4. बुलियन रजिस्ट्रार
4. भारत सरकार मिंट (टकसाल) अलीपुर, कलकत्ता	बुलियन रजिस्ट्रार
5 भारत सरकार मिंट (टकसाल), हैदराबाद।	,,

[संख्या एफ० 3(47)/76-करेंसी]

एल० के० मल्होत्रा, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 6th September, 1976

S.O. 3537.—In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of section 292 of the Code of Criminal Procedure 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies for the purposes of the said section the Officers mentioned in column (2) of the Table below, being gazetted officers of the Mint or of the India Security Press, as the case may be, mentioned in the corresponding entry in column (1) thereof.

TABLE

(1)	(2)
1. India Security Press, Nasik Road	Deputy Master
2. Currency Note Press, Nasik Road	Deputy Master
3. India Govt. Mint, Bombay	1. Chief Assayer 2. Dy. Chief Assayer 3. Assay Superintendent 4. Bullion Registrar
4. India Govt. Mint, Alipore, Calcutta.	Bullion Registrar
5. India Govt. Mint, Hyderabad	Bullion Registrar

[No. F. 3(47)/76-CY]

L. K. MALHOTRA, Under Secy.

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1976

का० आ० 3538.—भारत के राजपत्र, असाधारण भाग 2, खण्ड 3(ii) तारीख 29 अप्रैल, 1976 में, पृष्ठ 1042–1056/4 में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग की अधिसूचना सं० का० आ० 327(अ) तारीख 29 अप्रैल, 1976 में निम्नलिखित शुद्धियां की जाती हैं, अर्थात् :—

1. पृष्ठ 1043 पर, "परिभाषाएं" शीर्षक के अधीन, पैरा (5) में,—"इन्श्योरेंस", "एसोरेंस", "इंशयोरेन्स" के स्थान पर, "इंश्योरेंस" पढ़ें;

2. (क) पृष्ठ 1047 पर, "विकास कर्मचारिवृन्द का प्रवर्गीकरण" शीर्षक के अधीन "पये" के स्थान पर "रुपये" पढ़ें;

(ख) इसी पृष्ठ पर "फील्ड कार्यकर्ता" शीर्षक के अन्तर्गत पैरा में, "विकास अधीक्षक या" के पश्चात् और "निरीक्षण श्रेणी 2" से पूर्व, "निरीक्षक श्रेणी 1 या" पढ़ें;

3. पृष्ठ 1048 पर, "5. फील्ड कार्य कर्ताओं का प्रवर्गीकरण" के स्थान पर "5. फील्ड कार्यकर्ताओं का प्रवर्गीकरण" पढ़ें;

4. पृष्ठ 1049 पर, नीचे से चौथी पंक्ति में, "1976" के स्थान पर, "1975" पढ़ें;

5. पृष्ठ 1050 पर, "(5)(क)" में, "वर्ष 1973-1974 और 1975" के स्थान पर, "वर्ष 1973, 1974 और 1975" पढ़ें;

6. पृष्ठ 1051 पर, पैरा 9 के उप-पैरा (2) और (3) के बीच में तथा उप-पैरा (3) के पश्चात् :—

"यदि पुनरीक्षित उपलब्धियों के आधार पर संगणित उसका प्रारम्भिक खर्च अनुपात और वर्ष 1975 के लिए उसकी अनुसूचित प्रीमियम आय पैरा 3 के खण्ड (17) के उप-खण्ड (क) में अनुबद्ध सीमाओं के भीतर रहती है" के स्थान पर,

"यदि उसकी पुनरीक्षित उपलब्धियों और वर्ष 1975 के लिए उसकी अनुसूचित प्रीमियम आय के आधार पर संगणित उसका प्रारम्भिक खर्च अनुपात पैरा 3 के खण्ड (17) के उप-खण्ड (क) में बताई गई सीमाओं के भीतर रहता है" पढ़ें;

7. पृष्ठ 1052 पर, पैरा 12 के उप-पैरा (2) में,

"सिवाय वर्ष 1975 के लिए" के पश्चात् और "विकास कर्मचारि-वृन्द से पूर्व, विकास अधीक्षक के संगठन से भिन्न, विकास अधीक्षक के किसी संगठन या" के स्थान पर, "विकास अधीक्षक के किसी संगठन या विकास अधीक्षक के संगठन से भिन्न" पढ़ें;

8. पैरा 12 (2) में, "उप-पैरा (1) में निर्दिष्ट कारबार से न्यून-तम प्रीमियम आय" स्तम्भ के अधीन "पूर्ववर्ती वर्ष में, पांच हजार रुपये के न्यूनतम के अधीन रहते हुए" के स्थान पर, "पांच हजार रुपये के न्यूनतम के अधीन रहते हुए, पूर्ववर्ती वर्ष में" पढ़ें;

9. पृष्ठ 1053 पर, पैरा 14 से पूर्व निम्नलिखित पैरा जोड़ें, अर्थात्:—

"13. वेतन वृद्धियां—(1) कोई भी विकास अधीक्षक, निरीक्षक श्रेणी 1 या निरीक्षक श्रेणी 2 जिसका, खर्च अनुपात पैरा 3 के खण्ड (17) के उप-खण्ड (ख) में बताई गई सीमा से अधिक नहीं है, वर्ष 1977 से आरम्भ होने वाले वर्ष की जनवरी के प्रथम दिन को समुचित वेतनमान में वेतनवृद्धि उपार्जित करेगा, यदि ठीक पूर्वगामी वर्ष में उसने पूर्ववर्ती वर्ष की अनुसूचित प्रीमियम आय की अपेक्षा अपनी अनुसूचित प्रीमियम आय में नीचे उपदर्शित के अनुसार न्यूनतम वृद्धि की है;—

प्रवर्ग	न्यूनतम वृद्धि
विकास अधीक्षक	एक लाख रुपये।
निरीक्षक श्रेणी 1 और निरीक्षक श्रेणी 2	दस प्रतिशत, या पच्चीस हजार रुपये, जो भी कम हो।

परन्तु अनुसूचित प्रीमियम आय में न्यूनतम वृद्धि की संगणना करने में अनुसूचित प्रीमियम आय में, पैरा 12 के उप-पैरा (4) में यथा उप-बन्धित परिकल्पित वृद्धि या कमी को भी हिसाब में लिया जाएगा।

(2) 1 जनवरी, 1979 से, और आगे जहां उप-पैरा (1) में वर्णित न्यूनतम वृद्धि उसमें निर्दिष्ट किसी व्यक्ति की बाबत विचाराधीन वर्ष के लिए कम रहती है, विचाराधीन वर्ष से ठीक पूर्वगामी तीन वर्षों के लिए ऐसे व्यक्ति की बाबत औसत को वेतन वृद्धि की मंजूरी के लिए हिसाब में लिया जाएगा।";

10. पृष्ठ 1053 पर, (क) पैरा 14 में "अनुबद्ध सीमा" शब्दों के स्थान पर "बताई गई सीमा" शब्द पढ़ें;

(ख) पैरा 14 के उप-पैरा (2) में, "जाएगी" के पश्चात् और "यदि" से पूर्व "।" के स्थान पर "," पढ़ें;

(ग) पैरा 15(1) में, "निरीक्षक श्रेणी 2 को" के पश्चात् और "खर्चा" से पूर्व, "जिसने" के स्थान पर "जिसका" पढ़ें;

और इसी पैरा "और जिसने" के पश्चात् और "1 वर्ष" से पूर्व "उस" शब्द जोड़ें;

11. पृष्ठ 1054 पर (क) "16. भविष्य निधि-प्रत्येक अधीक्षक, निरीक्षक श्रेणी 1 और निरीक्षक श्रेणी 2 भविष्य निधि यदि अपने मूल वेतन के 10 प्रतिशत की है प्रतिदाय जिसमें यथास्थिति निगम या कम्पनी द्वारा साम अभिदाय किया जाएगा" के स्थान पर निम्नलिखित पढ़ें :—

"16. प्रत्येक विकास अधीक्षक, निरीक्षण श्रेणी 1, और निरीक्षक श्रेणी 2 अपने मूल वेतन के दस प्रतिशत की दर पर भविष्य निधि में अभिदाय करेगा तथा, यथास्थिति, निगम या कम्पनी द्वारा भी उतना ही अभिदाय किया जाएगा"।

(ख) इसी पृष्ठ पर, पैरा 17 के उप-पैरा (ख) में, "प्रत्येक" के पश्चात् और "वर्ष" से पूर्व "पूरा" के स्थान पर "पूर्ण" पढ़ें;

12. पृष्ठ 1055 पर, "18. उद्भूत पशन का संरक्षण" के स्थान पर "18. प्रोद्भूत पेंशन का संरक्षण" पढ़ें;

13. पृष्ठ 1056 पर, पैरा 19. (क) में, "विकाश" के स्थान पर "विकास" पढ़ें;

14. पृष्ठ 1056/1 पर, "II. महंगाई भत्ता" शीर्षक के अन्तर्गत "सारणी" के पश्चात् और "दिया" से पूर्व, ";" के स्थान पर "में" पढ़ें;

15. पृष्ठ 1056/2 पर, नीचे से सातवीं पंक्ति में, स्तम्भ 6 में "560" के स्थान पर "550" पढ़ें;

16. पृष्ठ 1056/3 पर (क) "III. मकान किराया भत्ता" शीर्षक के अन्तर्गत "(क)" में "750 रुपए" के पश्चात् और "ले रहे हैं" से पूर्व "तक" शब्द जोड़े, और "175 से 190" से ऊपर की पंक्ति में, "0" के स्थान पर "रु०" पढ़ें;

(ख) "III (ख)" में, "अधिक" के पश्चात् और "ले रहे हैं" से पूर्व "वेतन" के स्थान पर "मूल वेतन" पढ़ें; तथा "प्रथम 750" के पश्चात् और "का 15 प्रतिशत" से पूर्व "पए" के स्थान पर "रुपए" पढ़ें;

(ग) "IV. नगर प्रतिकर भत्ता" शीर्षक के अधीन, सबसे नीचे की पंक्ति में "750 रु०" के स्थान पर "740 रु०" पढ़ें;

17. पृष्ठ 1056/4 पर, (क) सारणी में, स्तम्भ (2) के अन्तर्गत "पटना" के पश्चात् और "शोलापुर" से पूर्व "पुणे" अन्तःस्थापित किया जाएगा;

(ख) "V. पहाड़ी स्टेशन भत्ता" शीर्षक के अन्तर्गत "शिलांग" के पश्चात् और "श्रीनगर" से पूर्व "शमिला" के स्थान पर "शिमला" पढ़ें।

[सं० 65(5) बीमा-III/8/75]

आर० डी० खानवलकर, अवर सचिव

New Delhi, the 25th September, 1976

ERRATA

S.O. 3538.—In the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Notification published in Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India Extraordinary dated 29th April, 1976, vide S.O. No. 327(E) appearing on pages 1029—1042—

1. On page 1031, in Explanation 2 under sub-para (14) (b) (i) of para 3, the word "excluding" may be read as "excluded".

2. On page 1034, (i) in Proviso to, sub-para (2) of para 5, the word "national" may be read as "notional"

(ii) in sub-para (1) of para 7, the letter 'A' appearing after the words, "as the case may be, sub-paragraph (4) of paragraph", may be, read as '4'.

3. On page 1035, in the title of para 8, letter 'A' appearing after the words, "sub-paragraph (6) of paragraph", may be read as '4'.

4. On page 1040, in the Table, in column 5, figure "160" may be read as "180".

5. On page 1041, in the same Table, in column 9, figure "605" may be read as "705".

[No. 65(5)Ins. III/8/75]

R. D. KHANWALKAR, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 9 अक्तूबर, 1976

का० आ० 3539.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है कि अल्ट्रामैरीन नीला लाजवर्क का निर्यात से पूर्व निरीक्षण किया जाए;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए हैं तथा उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) विनियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उप-नियम के अनुसरण में उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है ।

2 सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव देने की वांछा रखने वाला कोई व्यक्ति उन्हें इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद, 'वर्ल्ड ट्रेड सेंटर' 1411-बी, एजरा स्ट्रीट (आठवीं मंजिल), कलकत्ता-1 को भेज सकेगा ।

प्रस्ताव

(1) यह अधिसूचित करने के लिए कि इससे उपबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट अल्ट्रामैरीन नील के प्रकारों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण किया जाएगा ;

(2) (क) इस आदेश के उपाबन्ध-1 में दिए गए अल्ट्रामैरीन नील के लिए विनिदेशों को, अल्ट्रामैरीन नील के लिए मानक विनिदेशों के रूप में मान्यता देना ; या

(ख) अल्ट्रामैरीन नील के लिए विनिदेशों को जो संबंधित निर्यात संविदा में निर्यातकर्ता और क्रेता द्वारा अनुबंधित किए जाएं, मान्यता देना परन्तु यह तब जब कि ऐसे विनिदेश उक्त उपाबंध-1 में दिए गए विनिदेशों से निम्न स्तर के नहीं हों ;

(3) इस आदेश के उपाबंध-2 में दिए गए अल्ट्रामैरीन नील निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1976 के प्रारूप के अनुसार, निरीक्षण के प्रकार को निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करना जो ऐसे अल्ट्रामैरीन नील उनके निर्यात से पूर्व लागू होगा;

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान, उपरोक्त किसी भी अल्ट्रामरीन नील के निर्यात को तब तक प्रतिसिद्ध करना जब तक कि उनके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन, केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित या मान्यताप्राप्त किसी निरीक्षण अभिकरण द्वारा जारी किया गया इस आशय का प्रमाण-पत्र न हो कि अल्ट्रामैरीन नील निर्यात योग्य है।

3. इस आदेश की कोई भी बात भावी क्रेताओं, भूमि, जल या वायु-मार्ग द्वारा अल्ट्रामैरीन नील के उन नमूनों के निर्यात को लागू नहीं होगी जिनका भार 500 ग्राम से अधिक नहीं है ।

4. इस आदेश में "अल्ट्रामैरीन नील" से इस आदेश से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट किसी भी प्रकार का अल्ट्रामैरीन नील अभिप्रेत है ।

अनुसूची

अल्ट्रामैरीन नील के प्रकार

(क) अल्ट्रामरीन नील—(तकनीकी श्रेणी)

(ख) अल्ट्रामरीन नील—(लाउन्ड्री श्रेणी)

उपाबंध-1

(क) अल्ट्रामैरीन नील के लिए—विनिदेश

1. अनुसूची में विनिर्दिष्ट अल्ट्रामैरीन नील (तकनीकी श्रेणी) सूखे चूर्ण के रूप में या ऐसी दशा में होगा कि पीसने की क्रिया किए बिना ही मिश्रण चाकू से दबाने से चूर्ण बन जाए ।

2. सामग्री दृश्य अशुद्धताओं, कार्बनिक रंजकों या किसी प्रकार की अधोस्तरी सामग्री से रहित होगी ।

3. सामग्री एक समान विशेषता की होगी एवं पूर्ण रूप से सोडियम, एल्यूमीनियम, सिलिकोन, सल्फर तथा आक्सीजन के सम्मिश्रण से बनी होगी ।

4. **अल्ट्रामैरीन नील**—(तकनीकी श्रेणी) का रंग, हल्का पक्कापन, अभिरंजन क्षमता तथा टोन निर्यातकर्ता एवं विदेशी क्रेता के मध्य तय हुए विनिदेशों से निम्न स्तर के नहीं होंगे ।

5. **पहचान परख**—लगभग 0.1 ग्राम सामग्री को 1.1 (वी 1 वी) हाइड्रोक्लोरिक अम्ल के साथ एक परख नली में हल्काया गर्म करें । सामग्री को अल्ट्रामैरीन नील—(तकनीकी वर्ग) के रूप में पहचाना जाएगा यदि हाइड्रोजन सल्फाइड गैस के विकसन के साथ-साथ ही रंग पूर्णतः नष्ट हो जता है, इसे भिगोए हुए सीसा ऐसी टेट कागज की पट्टी को परख नली के ऊपर पकड़ कर उस पर उभार आए इस के विशिष्ट पूरे रंजन से जाना जाएगा । इस उपचार के पश्चात् कोई रंग शेष रह जाता है, तो यह कहा जा सकता है कि कोई बाह्यवर्णक विद्यमान है ।

6. सामग्री नीचे की सारणी में दी गई अपेक्षाओं के भी अनुरूप होगी:—

सारणी

क्रम संख्या	विशेषताएं	तकनीकी वर्ग
1	2	3
(1)	वाष्पशील पदार्थ के भार का अधिकतम प्रतिशत	1.0

1	2	3
(2) छानने पर अवशेष (63-पाइक्रोन मा० मा० जाली)		0.5
(3) तेल अवशोषण		40 से 50% (तथापि, इस विनिदेश के लिए यह अनुमोदित नमूने के 5 प्रतिशत के भीतर होगा।)
(4) पानी में धुलनशील पदार्थ के भार का अधिकतम प्रतिशत		2.0
(5) भारता (यथा एन० ए$_2$ सीओ$_3$) के भार का अधिकतम प्रतिशत		0.15
(6) धुल नशील कार्बनिक रंजक पदार्थ		शून्य

(ख) अल्ट्रामैरीन नील ब्लू लाउन्ड्री वर्ग के लिये विनिर्दिष्ट :—

1. अनुसूची में विनिर्दिष्ट अल्ट्रामैरीन नील लाउन्ड्री श्रेणी सूखे चूर्ण के रूप में या ऐसी दशा में होगा कि पीसने की क्रिया किये बिना ही मिश्रण चाकू से दबाने से उसका चूर्ण बन जाए।

2. सामग्री एक समान विशेषता की होगी तथा उनमें या तो केवल अल्ट्रामैरीन (सोडियम, एल्युमीनियम, सिलिकोन, सल्फर और आक्सीजन का संमिश्रण) होगा या विदेशी क्रेता द्वारा यथा अपेक्षित क्वालिटी के अनुकूल बनाने के लिए वह ट्रिलर युक्त होगी।

3. सामग्री की रंग-आभा अनुमोदित नमूने के निकटतम मेल की होगी।

4. सामग्री की पानी में घुलनशीलता अनुमोदित नमूने के निकटतम मेल की होगी।

5. सामग्री के घोल में सालित कपड़े पर आई सफेदी अनुमोदित नमूने से उसी विधि से उपचारित कपड़े की सफेदी के निकटस्थ मेल की होगी।

उपबंध-II

[निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अधीन बनाए नियमों का प्रारूप]

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अल्ट्रामैरीन नील निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1976 है।

(2) ये इनके सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं—इन नियमों में, जब तक कि अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) 'अधिनियम' से निर्यात (क्वालिटी (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है;

(ख) 'अभिकरण' से अधिनियम की धारा 7 के अधीन कोचीन, मद्रास, कलकत्ता, बम्बई तथा दिल्ली में स्थापित या मान्यताप्राप्त कोई अभिकरण अभिप्रेत है;

(ग) 'अल्ट्रामैरीन नील' निम्नलिखित प्रकार अभिप्रेत है, अर्थात्:—

(1) अल्ट्रामैरीन नील (तकनीकी श्रेणी)

(2) अल्ट्रामैरीन नील (लाउण्ड्री श्रेणी)

(घ) 'अनुसूची' से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।

3. क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण—अल्ट्रामैरीन नील की क्वालिटी नियंत्रण उत्पाद के उत्पादन, परिरक्षण तथा पैकिंग के विभिन्न स्तरों पर विनिर्माण-कर्ता द्वारा निम्नलिखित नियंत्रणों का प्रयोग कर सुनिश्चित किया जाएगा।

(i) **क्रय तथा कच्चे माल का नियंत्रण**

(क) प्रयोग की जाने वाली सामग्री के गुण-धर्मों को सम्मिलित करते हुए विनिर्माता द्वारा क्रय विनिर्देश अधिकथित किए जाएंगे।

(ख) स्वीकृत परेषण के साथ क्रय विनिर्देशों को सम्मिलित करते हुए प्रदाय-कर्ता का परख एवं निरीक्षण प्रमाण-पत्र होगा, इस दशा में किसी प्रदाय-कर्ता की दशा में उपर्युक्त परख या निरीक्षण प्रमाण-पत्र की शुद्धता को सत्यापित करने के लिए क्रेता द्वारा 10 परेषणों में कम से कम एक बार यदा-कदा जांच की जाएगी या क्रय की गई सामग्री की या तो कारखाने की प्रयोगशाला में या बाहरी प्रयोगशाला में या परख-सदन में नियमित जांच एवं निरीक्षण किया जाएगा।

(ग) किए जाने वाले निरीक्षण या परख के लिए नमूने का लेना अभिलेखित अन्वेषण पर आधारित होगा।

(घ) निरीक्षण या परख क्रियान्वित किये जाने के पश्चात् स्वीकृत एवं अस्वीकृत सामग्री को अलग-अलग छांटने के लिये तथा अस्वीकृत सामग्री के व्ययन के लिए व्यवस्थित पद्धति अपनाई जाएगी।

(ङ) उपरोक्त नियंत्रणों के सम्बन्ध में विनिर्माता द्वारा पर्याप्त अभिलेख नियमित एवं व्यवस्थित रूप से रखे जाएंगे।

(ii) **प्रक्रिया नियंत्रण**

(क) विनिर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए विनिर्माता द्वारा विस्तृत प्रक्रिया विनिर्देश अधिकथित किये जायेंगे।

(ख) प्रक्रिया विनिर्देश में अधिकथित प्रक्रियाओं के नियंत्रण के लिए पर्याप्त उपस्कर एवं उपकरण सुविधाएं प्राप्त होंगी।

(ग) उत्पादन की प्रक्रिया के दौरान प्रयुक्त नियंत्रण के संस्थापन की संभावना को सुनिश्चित करने के लिए विनिर्माता द्वारा पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे।

(iii) **उत्पादन-नियंत्रण**

(क) अधिनियम की धारा 6 के अधीन मान्यताप्राप्त विनिर्देशों के अनुसार उत्पाद की परख के लिए विनिर्माता को स्वयं अपनी परख सुविधाएं प्राप्त होंगी या किसी अन्य स्थान पर विद्यमान ऐसी परख सुविधाओं तक उसकी पहुंच होगी।

(ख) किए जाने वाले परख और निरीक्षण के लिए नमूने का लेना किसी अभिलिखित अन्वेषण पर आधारित होगा।

(ग) नमूने लेने और किए गए परख के बारे में पर्याप्त अभिलेख नियमित एवं व्यवस्थित रूप में रखे जाएंगे।

(घ) उत्पाद की जांच करने के लिए नियंत्रण के न्यूनतम स्तर अनुसूची-1 तथा अनुसूची-2 में यथा विनिर्दिष्ट रूप में होंगे।

(iv) **परिरक्षण नियंत्रण**—भंडारकरण और अभिवहन दोनों ही के दौरान उत्पाद भली-भांति परिरक्षित किया जाएगा।

(v) **पैकिंग नियंत्रण**

(क) अनुसूची-I तथा II में दिए गए उत्पाद की पैकिंग के लिए नियंत्रणों का समाधान करने की दृष्टि से पैकिंग विनिर्देश अधिकथित किए जाएंगे।

(ख) निर्यात के लिए आशयित अल्ट्रामैरीन नील ब्लू का निरीक्षण यह सुनिश्चित करने के विचार से किया जाएगा कि इस नियम के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण का संबंधित स्तरों पर संतोषप्रद रूप में प्रयोग किया गया है और अल्ट्रामरीन नील इसके लिए मान्यता-प्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप है।

4. **निरीक्षण की प्रक्रिया**—(1) अल्ट्रामरीन नील के परेषण का निर्यात करने का इच्छुक निर्यात-कर्ता अपने ऐसा करने के आशय की लिखित सूचना देगा और ऐसी सूचना के साथ इस आशय का घोषण की

देगा कि अल्ट्रामैरीन नील का परेषण का विनिर्माण नियम 3 में अधिकथित क्वालिटी नियंत्रण उपायों का प्रयोग करके किया गया है या किया जा रहा है तथा परेषण इस प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुरूप है।

(2) निर्यात-कर्ता परेषण पर लगाए पहचान चिह्न भी अभिकरण को देगा।

(3) उप-नियम (1) के अधीन प्रत्येक सूचना तथा घोषणा विनिर्माता के यहां से परेषण के भेजे जाने से कम से कम 7 दिन पहले अभिकरण के कार्यालय में पहुंचेगी।

(4) उप-नियम (1) के अधीन सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर अभिकरण, अपना समाधान कर लेने पर कि विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान नियम 3 में दिए गए पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग किया गया है, निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार परेषण का निरीक्षण करेगा।

(5) निरीक्षण की समाप्ति के पश्चात् यदि अभिकरण का समाधान हो जाता है कि अल्ट्रामैरीन नील पर निर्यात किए जाने वाला परेषण नियम 3 की अपेक्षाओं के अनुरूप है तो वह उप-नियम (1) के अधीन सूचना तथा घोषणा प्राप्ति होने के सात दिनों के भीतर परेषण को निर्यात-योग्य घोषित करते हुए निर्यात-कर्ता को प्रमाण-पत्र जारी कर देगा।

परन्तु यह तब जब कि जहां अभिकरण का इस प्रकार का समाधान नहीं होता है, वहां वह उक्त सात दिनों की अवधि के भीतर ऐसा प्रमाण-पत्र जारी करने से इंकार कर देगा और ऐसे इंकार की सूचना उसके कारणों सहित निर्यात-कर्ता को दे देगा।

5. निरीक्षण का स्थान :—इन नियमों के अधीन प्रत्येक निरीक्षण या तो—

(क) ऐसे उत्पादों के विनिर्माता के परिसर पर, किया जाएगा या

(ख) उस परिसर पर किया जाएगा जहां कि निर्यात-कर्ता द्वारा माल प्रस्तुत किया जाता है, परन्तु यह तब जब कि वहां पर निरीक्षण करने की पर्याप्त सुविधाएं विद्यमान हों।

6. निरीक्षण फीस.—प्रत्येक परेषण के लिए पचास रुपए की न्यूनतम की सीमा में रहते हुए, ऐसे प्रत्येक परेषण के पोत-पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के प्रत्येक एक सौ रुपए के लिए चालीस पैसे की दर से फीस 'निरीक्षण फीस' के रूप में निर्यात-कर्ता द्वारा अभिकरण को दी जाएगी।

7. अपील.—(1) नियम 4 के उप-नियम (5) के अधीन अभिकरण द्वारा प्रमाण-पत्र देने से इंकार किए जाने से व्यक्ति कोई व्यक्ति, ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के दस दिन के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजनार्थ नियुक्त तीन से अन्यून तथा सात से अनधिक व्यक्तियों के विशेषज्ञों के पैनल को अपील कर सकेगा।

(2) पैनल के कुल सदस्यों में से कम से कम दो-तिहाई गैर-सरकार सदस्य होंगे।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन की होगी।

(4) प्राप्त होने के पन्द्रह दिनों के भीतर अपील का निपटारा किया जाएगा।

अनुसूची I

[नियम 3 के खंड-वाक्य (iii) (घ) को देखें]

(1) अल्ट्रामैरीन नील (तकनीकी वर्ग) के लिए नियंत्रण के स्तर

क्रम सं०	अपेक्षाएं	संदर्भ	आवृत्ति
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	रंग	अनुमोदित	प्रति बैच एक
2.	अभिरंजन क्षमता तथा तेन	यथोक्त	यथोक्त
3.	वाष्पशील पदार्थ	अनुमोदित	प्रति बैच एक
4.	जाली पर अवशेष	यथोक्त	यथोक्त
5.	तेल अवशोषण	यथोक्त	यथोक्त
6.	क्षारता	यथोक्त	प्रत्येक परेषण
7.	पानी में घुलनशील पदार्थ के भार का अधिकतम प्रतिशत	यथोक्त	प्रति बैच एक

(2) पैकिंग के लिए नियंत्रण के स्तर

[नियम 3 के खंड-वाक्य (क) को देखें]

2.1. अभिवहन के दौरान अल्ट्रामैरीन नील के प्रत्येक परेषण की रिसन सहायता आर्द्रता के लिए तथा उठाई-धराई से पर्याप्त संरक्षण के लिए जांच की जाएगी।

2.2. प्रत्येक पैकेज या उस पर लगे लेबल पर निम्नलिखित सूचना दी जायेगी :—

(क) सामग्री का नाम

(ख) विनिर्माता का नाम व्यवसाय चिह्न यदि कोई हो

(ग) उत्पादन का महीना तथा वर्ष

(घ) सामग्री की मात्रा, और

(ङ) संकेत में बैच नम्बर या अन्यथा जिसमें अभिलेख में से विनिर्माण का बैच ढूंढा जा सके।

अनुसूची II

[नियम 3 का खंड-वाक्य (iii) (इ) देखें]

(1) अल्ट्रामैरीन नील (लाउन्ड्री श्रेणी) के लिए नियंत्रण के स्तर

क्रम सं०	अपेक्षाएं	सन्दर्भ	आवृत्ति
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	रंग आभा	अनुमोदित नमूना	प्रति बैच एक
2.	पानी में घुलनशीलता	,,	,,
3.	उपचारित कपड़े की सफेदी	,,	,,

(2) पैकिंग के लिए नियंत्रण के स्तर

[नियम 3 का खंड-वाक्य (क) देखें]

2.1. अल्ट्रामैरीन नील के प्रत्येक परेषण की लोकरोधिता, आर्द्रता के लिए तथा उठाई-धराई के दौरान संरक्षण के लिए जांच की जाएगी।

2.2. प्रत्यक पैकेज या उस पर लगे लेबल पर निम्नलिखित सूचना दी जाएगी :—

(क) सामग्री का नाम

(ख) विनिर्माता का नाम तथा व्यवसाय चिह्न यदि कोई हो

(ग) विनिर्माण का महीना तथा वर्ष

(घ) सामग्री की मात्रा, और

(ङ) संकेत में बैच नम्बर या अन्यथा जिससे अभिलेख में से उत्पादन को बैच को ढूंढा जाये।

[सं० 6(40)/72-नि०नि० तथा नि०उ०]

के० वी० बालासुब्रह्मणियम, उप-निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 9th October, 1976

S.O. 3539.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Cenral Government is of opinion that it is necessary expedient so to do for the development of the export trade of India, that ultramarine blue should be subject to inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within thirty days of the date of publication of this Order in the official Gazette to the Export Inspection Council, 'World Trade Centre', 14/1B, Ezra Street (7th floor), Calcutta-1.

PROPOSALS

(1) To notify that the ultramarine blue of the types specified in the Schedule annexed hereto shall be subject to inspection prior to export;

(2) to recognise—

(a) the specifications for ultramarine blue as set out in the Annexure I to this order as the standard specifications for ultramarine blue; or

(b) the specification for ultramarine blue as may be stipulated by the buyer and the exporter in the export contract concerned provided that such specifications do not fall below the specifications set out in the said Annexure I;

(3) to specify the type of inspection in accordance with the draft Export of Ultramarine Blue (Inspection) Rules, 1976, as set out in Annexure II to this order as the type of inspection which shall be applied to such ultramarine blue prior to their export;

(4) to prohibit the export in the course of international trade of any of the aforesaid ultramarine blue, unless the same are accompanied by a certificate issued by an inspection agency established or recognised by the Central Government under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that the ultramarine blue are export-worthy.

3. Nothing in this order shall apply to the export by land, sea or air of samples of ultramarine blue not exceeding 500 gms. in weight to the prospective buyers.

4. In this order, "ultramarine blue" shall mean the ultramarine blue of any of the types specified in the Schedule annexed to this order.

THE SCHEDULE

Types of Ultramarine blue

(a) Ultramarine blue (Technical grade)

(b) Ultramarine blue (Laundry grade)

ANNEXURE I

(a) Specifications for Ultramarine Blue Technical Grade

1. The ultramarine blue (Technical Grade), specified in the Schedule, shall be in the form of dry powder or in such a condition that it may be reduced to the powder form by crushing without grinding action under a palette knife.

2. The material shall be free from any visible impurities, organic dyestuffs or substrate of any kind.

3. The material shall be of uniform character and shall consist solely of compounds of sodium, aluminium, silicon, sulphur and oxygen.

4. The colour, light fastness, staining power and tone of the ultramarine blue (Technical grade) shall not be inferior to the specifications as agreed to between the exporter and foreign buyer.

5. Identification Tes.—Warm gently approximately 0.1 g of the material with 1 : 1 (v/v) hydrochloric acid in a test-tube. The material shall be identified as ultramarine blue (Technical grade), if the colour is destroyed completely with the evolution of hydrogen sulphide gas, detected by its characteristic brown colouration appearing on a strip of moistened lead acetate paper held above the test tube. Any colour remains after this treatment, it may be interpreted that a foreign pigmen is present.

6. The material shall also comply with the requirements given in the Table below :

THE TABLE

Sl. No.	Characteristics	Technical grade
(i)	Volatile matter, per cent by weight, Max	1.0
(ii)	Residue on sieve (63-micron I.S. Sieve), per cent by weight, Max	0.5
(iii)	Oil absorption	40 to 50 (It shall be, however, within 5 per cent of the sample approved against this specification)
(iv)	Matter soluble in water, per cent by weight, Max	2.0
(v)	Alkalinity (as $Na_2 Co_3$), per cent by weight, Max	0.15
(vi)	Soluble organic colouring matter	absent

(b) Specifications for Ultramarine Blue-Laundry grade

1. The ultramarine blue (Laundry grade), specified in the Schedule, shall be in the form of dry powder or in such a condition that it may be reduced to the powder form by crushing without grinding action under a palette knife.

2. The material shall be uniform, character and shall consist of ultramarine (compound of sodium, aluminium, silicon, sulphur and oxygen) either alone or mixed with a tiller required to match the quality as required by the foreign buyer.

3. The shade of colour of the material shall closely match to those of the approved sample.

4. The dispersibility of the material in water shall closely match to that of the approved sample.

5. The whiteness imparted to washed cloth by rinsing in a suspension of the material shall be a close-match to that of the cloth treated in an identical manner with the approved sample.

ANNEXURE II

[Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963)]

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Ultramarine Blue (Quality Control and Inspection) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in Official Gazette.

2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires—

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

(b) "agency" means any one of the agencies, established or recognised under section 7 of the Act at Cochin, Madras, Calcutta, Bombay and Delhi;

(c) "Ultramarine Blue" means the following types, namely :

(1) Ultramarine Blue (Technical grade)

(2) Ultramarine Blue (Laundry grade);

(d) "Schedule" means the Schedule appended to these rules.

3. Quality Control and Inspection.—The quality control of ultramarine blue shall be ensured by the manufacturer by effecting the following controls at different stages of manufacture, preservation and packing of the product, set out below :

(i) Purchase and raw material control

(a) Purchase specification shall be laid down by the manufacturer incorporating the properties of raw materials to be used.

(b) Either the accepted consignments shall be accompanied by a supplier's test and inspection certificate corroborating the requirements of the purchase specification, in which case occasional checks shall be conducted at least once in 10 consignments by the purchaser for a particular supplier to verify the correctness of the aforesaid test or inspection certificates or the purchased material shall be regularly tested and inspected either in the laboratory within the factory or in a outside laboratory or test house.

(c) The sampling for inspection or test to be carried out shall be based on the recorded investigations.

(d) After the inspection or test is carried out, systematic methods shall be adopted in segregating the accepted and rejected materials and for disposal of the rejected materials.

(e) Adequate records in respect of the aforesaid controls shall be regularly and systematically maintained by the manufacturer.

(ii) Process Control

(a) Detailed process specification shall be laid down by the manufacturer for different processes of manufacture.

(b) Equipment and instrumentation facilities shall be adequate to control the processes as laid down in the process specification.

(c) Adequate records shall be maintained by the manufacturer possibility of verifying the control exercised during the process of manufacture.

(iii) Product Control

(a) The manufacturer shall have either his own testing facilities or shall have access to such testing facilities existing elsewhere to check up whether the product conforms to specifications recognised under section 6 of the Act.

(b) Sampling for test and inspection to be carried out shall be based on the recorded investigation.

(c) Adequate records in respect of sampling and test carried out shall be regularly and systematically maintained.

(d) The minimum levels of control to check products shall be as specified in Schedule I and Schedule II.

(iv) Preservation control

The product shall be well preserved both during the storage and the transit.

(v) Packing Control

(a) Packing specifications shall be laid down with a view to satisfying controls mentioned in Schedule I and II for packing of the products.

(b) The inspection of ultramarine blue intended for export shall be carried out with a view to ensuring that the quality control in accordance with this rule has been exercised at the relevant levels satisfactorily and the ultramarine blue conform to the specifications recognised for the purpose.

4. Procedure of inspection.—(1) The exports intending to export a consignment of ultramarine blue shall give intimation in writing of his intention to do so to the agency and submit along with such intimation a declaration that the consignment of ultramarine blue has been or is being manufactured by exercising quality control measures laid down in rule 3 and that the consignment conforms to the requirements of the specifications recognised for the purpose.

(2) The exporter shall also furnish to the agency, the identification marks applied on the consignment.

(3) Every intimation and declaration under sub-rule (1) shall reach the office of the agency not less than seven days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer.

(4) On receipt of the intimation and declaration under sub-rule (1) the agency, after satisfying itself that during the process of manufacture, adequate quality control as provided in rule 3, has been exercised, shall carry out the inspection of the consignment in accordance with the instructions issued by the Export Inspection Council from time to time.

(5) If after inspection the agency is satisfied that the consignment of ultramarine blue to be exported complies with the requirements of rule 3, it shall within seven days of the receipt of intimation and declaration under sub-rule (4) issue a certificate to the exporter declaring the consignment as exportworthy : provided that where the agency is not so satisfied, it shall within the said period of a seven days refuse to issue certificate and communicate such refusal to the exporter along with the reasons therefor.

5. Place of Inspection.—Every inspection under these rules shall be carried out either—

(a) at the premises of the manufacturer of such products, or

(b) at the premises at which the goods are offered by the exporter provided adequate facilities for inspection exist therein.

6. Inspection fee.—Subject to a minimum of rupees fifty for each consignment, a fee, at the rate of Forty paise for every hundred rupees of f.o.b. value of each such consignment, shall be paid by the exporter to the agency as 'inspection fee'.

7. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule (5) or rule 4, may within ten days of the receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Government.

(2) The panel shall consist of atleast two-thirds of non-officials of the total membership of the panel of experts.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipt.

SCHEDULE

[See clause (iii) (d) of rule 3]

(1) Levels of controls for Ultramarine Blue (Technical grade)

Sl. No.	Requirement	Reference	Frequency
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Colour	Approved sample	One per batch
2.	Staining power and tone	-do-	-do-
3.	Volatile matter	-do-	-do-
4.	Residue on sieve	-do-	-do-
5.	Oil absorption	do--	-do-
6.	Alkalinity	-do-	each consignment
7.	Matter soluble in water percent by weight, Max	-do-	One per batch

(2) Levels of control for packing [See clause V (a) of rule 3]

2.1. Each consignment of ultramarine blue shall be checked for leakproofness, adequate protection against moisture and handling during transit.

2.2. The following information shall be given on each package or the label, applied to it :—

(a) Name of the material ;

(b) Manufacturer's name and trade mark, if any ;

(c) Month and year of manufacture ;

(d) Quantity of the material ; and

(e) Batch number in code or otherwise to enable the batch of manufacture to be traced from records.

SCHEDULE II

[See clause (iii) (d) of rule 3]

(1) Levels of Control for Ultramarine Blue (Laundry grade)

Sl. No.	Requirement	Reference	Frequency
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Shade of colour	Approved sample	One per batch
2.	Dispersibility in water	,,	,,
3.	Whiteness of the treated cloth	,,	,,

(2) Levels of Control for packing

[See clause V (a) of rule 3]

2.1 Each consignment of ultramarine blue shall be checked for leakproofness, adequate protection against moisture and handling during transit.

2.2 The following information shall be given on each package or the label, applied to it :—

(a) Name of the material ;

(b) Manufacturer's name and trade mark, if any ;

(c) Month and year of manufacture ;

(d) Quantity of the material ; and

(e) Batch number in code or otherwise to enable the batch of manufacture to be traced from records.

[No. 6(40)/72/EI&EP.]

K. V. BALASUBRAMANIAM, Dy. Director.

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1976

का० आ० 3540.—चाय बोर्ड, चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 50 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, चाय बोर्ड उप-विधि, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित उपविधि बनाता है जिसकी पुष्टि उक्त धारा की उपधारा (2) द्वारा यथा अपेक्षित केन्द्रीय सरकार द्वारा की जा चुकी है, अर्थात् :—

1. इन उपविधियों का नाम चाय बोर्ड (संशोधन) उपविधि, 1976 है।

2. चाय बोर्ड उपविधि, 1955 में, उपविधि 45 के स्थान पर निम्नलिखित उप-विधि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"45 चेकों पर हस्ताक्षर करने की शक्ति : 5000/- रु० (पांच हजार रुपये) से अधिक रकम के सभी चेकों पर अध्यक्ष या उपाध्यक्ष या वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा-अधिकारी और उनकी अनुपस्थिति में सचिव हस्ताक्षर करेगा और कार्यपालिक समिति का कोई सदस्य उस पर प्रतिहस्ताक्षर करेगा। 5000/- रु० से अनधिक राशि के चेकों पर सचिव या अध्यक्ष द्वारा इस निमित्त सम्यक रूप से प्राधिकृत बोर्ड का कोई अधिकारी हस्ताक्षर करेगा :

परन्तु इस उपविधि के उपबंध, क्षेत्रीय चाय प्रोन्नति लेखाओं या चाय बोर्ड (संयुक्त नियंत्रक) लेखा के प्रवर्तन के सम्बन्ध में लागू नहीं होंगे।"

[सं० के 11012(1)/76-प्लांट(ए)]

एस० महादेव अय्यर, अवर सचिव

New Delhi, the 21st September, 1976

S.O. 3540.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 50 of the Tea Act, 1953 (19 of 1953), the Tea Board hereby makes the following Bye law further to amend the Tea Board By-laws, 1955, the same having been confirmed by the Central Government, as required by sub-section (2) of the said section, namely :—

1. These by-laws may be called the Tea Board (Amendment Bye-laws, 1976.

2. In the Tea Board Bye-laws, 1955, for by-law 45 the following bye-law shall be substituted, namely :—

"45. Power to sign cheques.—All cheques for an amount exceeding Rs. 5,000/- (rupees five thousand only) shall be signed by Chairman or Deputy Chairman or Financial Adviser and Chief Accounts Officer and in their absence by the Secretary and countersigned by a member of the Executive Committee. Cheques for sums not exceeding Rs. 5,000/- shall be signed by Secretary or an officer of the Board duly authorised in this behalf by the Chairman.

Provided that the provisions of this by-law shall not apply in respect of the operation of the Field Tea Promotion Accounts or the Tea Board (Joint Controller) Account."

[No. K. 11012(1)/76-Plant(A)]

S. MAHADEVA IYER, Under Secy.

[उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय]

आदेश

फरीदाबाद 26, जुलाई, 76

का० आ० 3541.—मर्वश्री भारत हैवी प्लेटस एन्ड वैसल्स लि०, विशाखापत्तनम ने बताया है कि अप्रैल 1972-मार्च 1973 अवधि के लिए पंजीकृत पत्तन विशाखापत्तनम के साथ सामान्य मुद्रा क्षेत्र के अन्तर्गत 98,00,000/- रुपए के लिए प्राइम कार्बन एन्ड लो एलाय स्टील प्लेट्स मद के लिए उक्त फर्म के नाम में प्राधिकार पत्र सहित सर्वश्री हिन्दुस्तान स्टील लि०, 2 फेयरली प्लेस, कलकत्ता को जारी किए गए आयात लाइसेंस सं० पी/डी/8567471/सी/एक्स एक्स/51/जे/35-36, दिनांक 24-5-74 की सीमा शुल्क प्रति सीमा शुल्क सदन, विजाग में पंजीकृत कराने के बाद खो गई है और आंशिक रूप से 74,07,538/- रुपए तक उपयोग में लाई गई है। तदनुसार, पार्टी ने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए आवेदन किया है

इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है । मैं सन्तुष्ट हूं कि लाइसेंस सं० 8567471, दिनांक 24-5-74 की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति अस्थानस्थ हो गई है और आदेश देता हूं कि विषयाधीन आयात लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति को रद्द करके आवेदक को अनुलिपि प्रति जारी की जानी चाहिए।

[पी/एल 23/आई एम० 2/ए० एम० 73/ई एक्स/ए यू/एल सी आई/डी सी सी एफ/1660]

एस० बालकृष्ण पिल्लई, उप-मुख्य नियंत्रक

(Office of the Dy. Chief Controler of Imports & Exports)

CANCELLATION ORDER

Faridabad, the 26th July, 1976

S.O. 3541.—M/s. Bharat Heavy Plates & Vessels Ltd., Visakhapatnam have reported that the Customs Purposes Copy of Import licence No. P/D/8567471/C/XX/51/J/35-36 dated 24-5-74 issued in the name of M/s. Hindustan Steel Ltd., 2-Fairlie Place, Calcutta with Letter of Authority in the name of the above-mentioned firm for the item Prime Carbon & Low Alloy Steel Plates for Rs. 98,00,000/- under GCA for April 72—March 73 period with the port of Registration Vishakhapatnam, has been misplaced after having been registered with Vizag Customs House and utilised partly for Rs. 74,01,538/-. Accordingly the party have applied for issue of Duplicate Copy of the said licence.

In support of this contention, the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that the original copy of Custom Purpose copy of licence No. 8567471 dated 24-5-74 has been misplaced and I direct that the duplicate copy should be issued to the applicant in cancellation of the original COP copy of the import licence in question.

[P/L. 23/IM. II/AM. 73/Ex/AU/LCI/DCCF/1660]

S. BALAKRISHNA PILLAI, Dy. Ch. Controller

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली 22 सितम्बर, 1976

का० आ०3542.—मर्व श्री सूरी तथा नायर लि०, व्हाइट फिल्ड रोड, बंगलोर-560048 को रुपया भुगतान क्षेत्र से इसके साथ संलग्न सूची के अनुसार कलपुर्जा माल और संघटकों का आयात करने के लिए 1,63,000/- रुपए के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी/डी 2200823/टी/ओ आर/56/एच/39-40, दिनांक 29-7-75 प्रदान किया गया था ।

2. उन्होंने उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति उनसे खो गई अथवा अस्थानस्थ हो गई है। लाइसेंस धारी ने आगे बताया यह भी बताया है कि लाइसेंस बिल्कुल भी उपयोग में नहीं लाया गया है। लाइसेंस किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं कराया गया था।

3. अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि आयात लाइसेंस संख्या पी/डी/2200823, दिनांक 29-7-75 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई अथवा अस्थानस्थ हो गई है और इसीलिए निदेश देता है कि आवेदक को उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि एतद् द्वारा रद्द की जाती है।

4. उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या : आटो-एस/23 (1-2)/ए एम-75/आर एम-4]

राजिन्दर सिंह, उप मुख्य नियंत्रक

(Office of the Dy. Chief Controller of Import and Exports)

ORDER

New Delhi, the 22nd September, 1976

S.O. 3542.—M/s. Suri and Nayar Ltd., Whitefield Road, Bangalore-560048 were granted import licence No. P/D/2200823/T/OR/56/H/39-40 dated 29-7-75 for import of raw materials and components as per list attached to it valued at Rs. 1,63, 000/- from R.P.A.

2. They have requested for the issue of duplicate E.C. Copy of the above cited licence on the ground that the original E.C. Copy has been lost or misplaced by them. It has been further reported by the licensee that the licence has not been utilised at all. The licence was not registered with any Customs Authorities.

3. In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original E.C. Copy of import licence No. P/D/2200823 dt. 29-7-75 has been lost or misplaced and hence directs that a duplicate E.C. copy of said licence should be issued to the applicant. The original E.C. Copy of licence is hereby cancelled.

4. The duplicate E.C. copy of the said licence is being issued separately.

[File No. Auto-S/23(1-2)/AM-75/RM-4]

RAJINDER SINGH, Dy. Ch. Controller

उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1976

सा० का० नि० 3243.—कयर उद्योग अधिनियम, 1953 (1953 का 45) की धारा 27 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कयर बोर्ड (कारबार का संव्यवहार, कर्मचारियों की सेवा की शर्तें और लेखा अनुरक्षण) उपविधियां, 1955 में और संशोधन करने के लिए, कयर बोर्ड द्वारा बनाई गई और केन्द्रीय सरकार द्वारा पुष्ट की गई निम्नलिखित उपविधियां, उक्त धारा की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार प्रकाशित की जाती हैं, अर्थात् :—

1. इन उपविधियों का नाम कयर बोर्ड (कारबार का संव्यवहार, कर्मचारियों की सेवा की शर्तें और लेखा अनुरक्षण) संशोधन उपविधियां, 1976 है।

2. कयर बोर्ड (कारबार का संव्यवहार, कर्मचारियों की सेवा की शर्तें और लेखा अनुरक्षण) उपविधियां, 1955 में, उपविधि 23 के स्थान पर निम्नलिखित उपविधि रखी जाएगी, अर्थात्

"23 बोर्ड द्वारा या उसकी ओर से संदाय प्राधिकृत करने वाले सभी चैक और, निक्षेप या विनिधान करने के लिए या उन्हें वापस लेने के लिए या बोर्ड की निधियों, के, अन्य किसी रीति में व्ययन के लिए सभी आदेशों पर लेखा अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर और सचिव द्वारा प्रतिहस्ताक्षर किया जायेगा, और लेखा अधिकारी या सचिव या दोनों को अनुपस्थिति में अध्यक्ष द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अन्य किसी अधिकारी या अधिकारियों द्वारा हस्ताक्षर और प्रतिहस्ताक्षर किया जायेगा ।"

[सं 24(2)/76-आई सी सी (कयर)]

वी० आनन्द, उप सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 9th September, 1976

S.O. 3543.—The following bye-law further to amend the Coir Board (Transaction of Business, Conditions of Service of Employees and Maintenance of Accounts) Bye-laws, 1955, made by the Coir Board in exercise of the powers conferred by section 27 of the Central Government are hereby published as required by sub-section (2) of the said section, namely: —

1. These Bye-laws may be called the Coir Board (Transaction of Business, Conditions of Service of Employees and Maintenance of Accounts) Amendment Bye-laws, 1976.
2. In the Coir Board (Transaction of Business, Conditions of Service of Employees and Maintenance of Accounts) Bye-laws, 1955, for Bye-law 23, the following Bye-law shall be substituted, namely :—

"23 All Cheques authorising payment by or on behalf of the Board and all orders for making deposits or investments or for the withdrawal of the same or for the disposal in any other manner of the funds of the Board shall be signed by the Accounts Officer and countersigned by the Secretary, and in the absence of the Accounts Officer or Secretary, or of both, by any other officer or officers authorised by the Chairman in this behalf."

[No. 24(2)/76-ICC(Coir)]

V. ANAND, Dy. Secy.

(भारी उद्योग विभाग)

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1976

का० आ० 3544.—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में वर्णित अधिकारी को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी की पंक्ति के समतुल्य अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है, जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर, उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

सारणी

अधिकारी का पदाभिधान	सरकारी स्थानों के प्रवर्ग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं
(1)	(2)
श्री हीरा सिंह, उप-प्रबन्धक (सिविल) ट्रान्सफार्मर प्रोजेक्ट, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, झांसी, उ० प्र० ।	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, जिसकी एकक झांसी में है, के और उसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन परिसर, कारखाना भवन के क्षेत्र को छोड़कर।

[फा० सं० 14-3/74-एच० ई० एम०]

(Department of Heavy Industry)

New Delhi, the 24th September, 1976

S.O. 3544.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants-Act 1971 (40 of 1971), the Central Govt. hereby appoints the officer mentioned in col. (i) of the table below, being officer equivalent to the rank of gazetted officer of Govt. to be estate officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officer by or under the said Act, within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in the corresponding entry in col. (ii) of the said table :—

Designation of the officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
(i)	(ii)
Shri Hira Singh Dy. Manager (Civil) Transformer Project, Bharat Havy Electricals Ltd. Jhansi (U.P.).	Premises belonging to an under the administrative Control of BHEL having its unit at Jhansi excluding the are a of factory building.

[F. No. 14-3/74-HEM]

का० आ० 3545.—केन्द्रीय सरकार सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 1891, तारीख 22 जून, 1972 का आंशिक उपांतरण करते हुए, श्री जी० पी० दिवान, उप प्रबन्धक (नगर प्रशासन), भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भोपाल को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी की पंक्ति के समतुल्य अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है, जो ऊपर निर्दिष्ट अधिसूचना सं० का० आ० 1891, तारीख 22-6-1976 की अनुसूची में यथा परिभाषित स्थानीय सीमाओं के भीतर, उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

[फा० सं० 2-3/72-एच० ई० एम०]

पी० बी० सक्सेना, अवर सचिव

S.O. 3545.—In partial modification of the erstwhile Ministry of Industrial Development Notification No. S.O. 1891 dated the 22nd June 1972 and in exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of unauthorised occupants) Act, 1971 (40 of 1971) the Central Govt. hereby appoints Shri GP Diwan, Dy. Manager (Town Administration) Bharat Heavy Electricals Limited, Bhopal being officer equivalent to the rank of Gazetted Officer of Govt. to be estate officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed, on estate officer, by or under the said Act, within the local limits as defined in the schedule to Notification No. S.O. 1891 dated 22-6-76 referred to above.

[F. No. 2-3/72-HEM]

P. B. SAXENA, Under Secy.

आदेश

का० आ० 3546.—केन्द्रीय सरकार, विकास परिषद् (प्रक्रिया संबंधी) नियम, 1952 के नियम, 3 और 8 के साथ पठित, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री टी० एन० प्रसाद, संयुक्त सचिव, रक्षा उत्पादन विभाग को, पोत निर्माण, पोत मरम्मत और पोत के

आनुषांगिक पुर्जों के उत्पादन में लगे हुए, अनुसूचित उद्योगों के लिए विकास परिषद् का सदस्य नियुक्त करती है, और भारत सरकार के उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय, भारी उद्योग विभाग के आदेश सं० का० आ० सं० 2702 तारीख 2 जुलाई, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त आदेश में, पैरा 1 क्रम संख्या 3 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"श्री डी० एन० प्रसाद, संयुक्त सचिव,
रक्षा उत्पादन विभाग,
नई दिल्ली।"

[फा० सं० 16-13/75-एच० एम०-II]
ए० एफ० कुटी, संयुक्त सचिव

ORDER

S.O. 3546.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), read with rules 3 and 8 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952, the Central Government hereby appoints Shri D. N. Prasad, Joint Secretary, Department of Defence Production as member of the Development Council for the scheduled Indunstries engaged in ship building, Ship repairs and production of Ship Ancillaries and makes the following amendment in the order of Government of India, Ministry of Industry & Civil Supplies, Department of Heavy Industry S.O. No. 2702 dated 2nd July, 1976 namely :—

In the said order, in paragraph 1, for Serial No. 3 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted namely :

3. "Shri D. N. Prasad, Joint Secretary Department of Defence Production New Delhi."

[File No. 16-13/75-H.M.II]
A. F. COUTO, Jt. Secy.

नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1976

का० आ० 3547.— अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा वायदा बाजार आयोग, बम्बई के सदस्य, श्री ई० के० वासुदेवन को 20 सितम्बर, 1976 के दोपहर के पहले से 19 दिसम्बर, 1976 (दोपहर के बाद) तक की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर उक्त आयोग के अध्यक्ष के रूप में नामित करती है।

[सिविल संख्या पी-1285/75-स्थापना]
बी० एल० गर्ग, अवर सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES & COOPERATION

New Delhi, the 18th September, 1976

S.O. 3547.—In exercise of the powers conferred by Subsection (2) of Section 3 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), the Central Government hereby nominates Shri E. K. Vasudevan, a Member, Forward Markets Commission, Bombay as Chairman of that Commission on an adhoc basis for the period from the forenoon of 20th September, 1976 to 19th December, 1976 (afternoon).

[File No. P-1284/75-Estt.]
B. L. GARG, Under Secy.

उद्योग तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 1976-08-31

का० आ० 3548.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन मुहर) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सीएम/एल-2655 जिसके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिये गए हैं, फर्म का नाम बदल जाने के कारण 1976-08-01 से रद्द कर दिया गया है।

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1.	सीएम/एल-2655 1971-03-31	सर्वश्री सेफ्टी प्रॉडक्ट्स 137 बी, जेसोर रोड कलकत्ता-55	(1) खनिकों के चमड़े के बचाव बूटों और जूतों के लिए इस्पात की टो-टोपियां (साइज 6, 7, 8 और 9)	IS : 5852-1970 जूतों के बचाव के लिए इस्पात की टो-टोपियों की विशिष्टि
			(2) खनिकों के बचाव रबड़ कैनवस बूटों के लिए इस्पात की टो-टोपियां (साइज, 6, 7, 8 और 9)	

[सी० एम० डी०/55 : 2655]

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, 1976-08-31

S. O. 3548.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-2655 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1976-08-01 on account of/due to change in the name of the firm.

Sl. No.	Licence No. and Date	Name & Address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licensees cancelled	Relevant Indian Standards
1	2	3	4	5
1.	CM/L-2655 1971-03-31	M/s Safety products 137-B, Jessore Road, Calcutta-55	(i) Steel Toe-Caps for Miners' safety Leather Boots and Shoes (Sizes 6, 7, 8, and 9) (ii) Steel Toe-caps for Safety Rubber Canvas Boots for Miners (Sizes 6, 7, 8, and 9)	IS : 5852-1970 Specification for Protective Steel Top Caps for Footweer

[CMD/55 : 2655]

नई दिल्ली, 1976-09-14

का० आ० 3549.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन मुहर) विनियम 1955 के विनियम 14 के उप-विनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सी एम/एल-1275 जिसके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं निषिद्ध वस्तु के उत्पादन विषयक होने के कारण 1 जून, 1976 से रद्द कर दिया गया है :

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्संबंधी भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1.	सी एम/एल-1275 1966-05-31	मैसूर इंसेक्टीसाइड्स कम्पनी (आन्ध्र) टाडेपल्ली, गुंटूर, इनका कार्यालय : 18/257 पच्चप्पैया स्ट्रीट, गांधी नगर, विजयवाड़ा-3 (आ०प्र०)	एन्ड्रिन पायसनीय तेजद्रव	IS : 1310-1974 एन्ड्रिन पायसनीय तेजद्रव की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)

[संख्या सी०एम०डी०/55 : 1275 (ए पी)]

New Delhi, 1976-09-14

S. O. 3549.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-1275 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1 June, 1976 due to banned item.

Sl. No.	Licence No. and Date	Name & Address of the Licensee	Article/Process covered by the Licensees Cancelled	Relevant Indian Standards
1	2	3	4	5
1.	CM/L-1275 1966-05-31	Mysore Insecticides Company (Andhra) Tadepalli, Guntur, having their Office at 18/257 Pachava Papaiah Street, Gandhinagar, Vijayawada-3 (A.P.)	Endrin Emulsifiable Concentrates	IS : 1310-1974 Specification for Endrin Emulsifiable Concentrates (First Revision).

[CMD/55 : 1275(AP)]

का० आ० 3550.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन मुहर) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 71 लाइसेंसों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, लाइसेंसधारियों को मानक संबंधी मुहर लगाने का अधिकार देते हुए अप्रैल 1975 में स्वीकृत किए गए हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या (सी एम/एल—)	वैधता की अवधि से	तक	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्संबंधी IS : पदनाम
1	2	3	4	5	6
1.	सी एम/एल—4285 3-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	टाटा केमिकल्स लि० मीठापुर, भोखामंडल गुजरात राज्य	मिथाइल ब्रोमाइड— IS : 1312—1967
2.	सी एम/एल—4286 3-4-1975	1-4-1975	31-3-1976	असम केमिकल इंडस्ट्रीज चापगुड़ी रोड, बोंगई गांव, असम	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव— IS : 2567—1973
3.	सी एम/एल-4287 3-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स (अमृतसर) प्रा०लि० प्रताप इस्टेट, छेहरटा	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में वेल्डन के लिए कार्बन इस्पात के ढलवां बिलेट सिल्लियां— IS : 6914-1973
4.	सी एम/एल-4288 3-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	,,	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में वेल्डन के लिए कार्बन इस्पात के ढलवां बिलेट सिल्लियां— IS : 6915-1973
5.	सी एम/एल—4289 3-4-1975	1-4-1975	31-3-1976	अशोक मेटल इंडस्ट्रीज मोवदी प्लाट राजकोट-2 कार्यालय : दैगोर रोड, भक्ति नगर, राजकोट	18-लिटर के वर्गाकार टिन— IS : 916—1966
6.	सी एम/एल—4290 3-4-1975	1-4-1975	31-3-1975	असम केमिकल इंडस्ट्रीज चापगुड़ी रोड, बोंगई गांव, असम	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1307-1958
7.	सी एम/एल-4291 8-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	उत्कल पेस्टीसाइड्स एण्ड केमिकल्स, किशोर राइस मिल्स जगन्नाथपुर जिला गंजाम (उड़ीसा) (कार्यालय : स्टेशन रोड, बहादुरपुर, जिला गंजाम, उड़ीसा)	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310-1958
8.	सी एम/एल-4292 8-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	उत्कल पेस्टीसाइड्स एण्ड केमिकल्स किशोर राइस मिल जगन्नाथपुर जिला गंजाम (उड़ीसा) (कार्यालय : स्टेशन रोड, बहरामपुर जिला गंजाम, उड़ीसा)	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव— IS : 2567-1973
9.	सी एम/एल—4293 8-4-1975	16-4-1975	15-4-1976		डी डी टी पायसनीय तेज द्रव— IS : 633-1956
10.	सी एम/एल-4294 8-4-1975	16-4-1975	15-4-1976		बी एच सी पायसनीय तेज द्रव— IS : 632-1972
11.	सी एम/एल-4295 8-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	विजय पुल्थराइजर्स पेडकाकानी मंगलगिरी रोड, गंटूर (आ०प्र०)	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310-1958
12.	सी एम/एल-4296 8-4-1975	16-4-1976	15-4-1975	जनरल मेटल्स इंडस्ट्रियल इस्टेट पप्पममोड त्रिवेन्द्रम-695019 (केरल)	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS : 398-1961

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
13.	सी एम/एल-4297 8-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	सुधा इंडस्ट्रीज अहाता नारायणदास फायर ब्रिगेड के पीछे, जी टी रोड निकट मंजु सिनेमा, लुधियाना	रंजकों से बनी फाउंटेन पेन की स्याही और रायल ब्लू स्याहियां-- IS : 1221-1971
14.	सी एम/एल-4298 8-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	सुधा इंडस्ट्रीज अहाता नारायणदास फायर ब्रिगेड के पीछे, जी टी रोड, निकट मंजु सिनेमा, लुधियाना	फेरोगैलो टैनेट फाउंटेन पेन की स्याही (0.1 प्रतिशत लोह युक्त मात्रा वाली)-- IS : 220-1972
15.	सी एम/एल-4299 8-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	मेटल उद्योग प्रा०लि० प्रतापनगर इंडस्ट्रियल इस्टेट, उदयपुर	डी डी टी पायसनीय तेज द्रव-- IS: 633-1956
16.	सी एम/एल-4300 8-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	एजेंट इंडस्ट्रीज 267, ओखला इंडस्ट्रियल इस्टेट, नई दिल्ली।	दरवाजों के लिए एलुमिनियम के हैण्डल, टाइप 4-- IS : 208-1972
17.	सी एम/एल-4301 8-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	(,,)	एलुमिनियम की सिटकिनियां, टाइप 5-- IS : 204-1974
18.	सी एम/एल-4302 8-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	आपहेल्थ प्रॉडक्टस प्रा०लि० डी-31/1 इंडस्ट्रियल एरिया, मेरठ रोड, गाजियाबाद	डी डी टी पायसनीय तेज द्रव-- IS : 633-1956
19.	सी एम/एल-4303 8-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	किर्लोस्कर ब्रदर्स लि० किर्लोस्कर वाड़ी, तालुक तसगांव जिला सांगली (महाराष्ट्र) (कार्यालय : उद्योग भवन, तिलक रोड, पूणे-411002)	जलकल कार्यों के लिए स्लूस वाल्व, श्रेणी 2 600 मिमी तक साइज के-- IS : 2906-1969
20.	सी एम/एल-4304 10-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	हिन्दुस्तान कोकोकू वायर लि० 12/2, मील मथुरा रोड फरीदाबाद (हरियाणा)	केबलों पर कवच चढ़ाने के लिए अस्तीकृत इस्पात की तार-- IS : 3975-1967
21.	सी एम/एल-4305 14-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	वेस्टर्न रोलिंग मिल्स प्रा०लि०, लालबहादुर शास्त्री मार्ग, भांडुप, बम्बई-400078	गढ़ी वस्तुओं के लिए कार्बन इस्पात की सिल्लियां और छड़े-- IS : 1875-1971
22.	सी एम/एल-4306 14-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	आनंद टिम्बर ट्रेडर्स जगाधरी रोड, यमुना नगर, कार्यालय : 935 प्रेमनगर यमुना नगर	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड की पट्टियां- IS : 10-1970
23.	सी एम/एल-4307 14-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	एस० पी० टिम्बर इंडस्ट्रीज सहारनपुर रोड, यमुनानगर	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड की पट्टियां-- IS : 10-1970
24.	सी एम/एल-4308 14-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	निशा इंडस्ट्रीज, बी-234, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया चौमू रोड, जयपुर	नलों से पानी भरने के लिए अनम्य पी वी सी के पाइप, 6 कि०ग्राम/से०मी० 2, 90 मिमी तक व्यास वाले-- IS : 4985-1968
25.	सी एम/एल-4309 14-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	हैदराबाद टिन प्रॉडक्टस लि० 1-4-458 और 459 कवाड़ीगुड़ा रोड, मुर्गीनाबाद हैदराबाद (कार्यालय : 5-9-270 जान्स लेन गन फाउण्ड्री, हैदराबाद-500001)	18-लिटर वाले वर्गाकार टिन-- IS : 916-1966
26.	सी एम/एल-4310 14-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	गंगा टिन बक्सें, 365, हैरिसगंज कानपुर	18-लिटर वाले वर्गाकार टिन, टाइप/साइज- के जी टाइप टिन धारक, 4 गैलन-- IS : 916-1966
27.	सी एम/एल-4311 14-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	दामोदर आयरन वर्क्स, पूणे-बेलगाम रोड बेलगाम-1	जल, गैस और मल निकास के बाह्य पाइपों के ढलवां लोहे के फिटिंग (300 मिमी तक साइज के सभी मध्यम और भारी फिटिंग-- IS : 1538-1969

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
28.	सी एम/एल–4312 14-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	कोयम्बतूर प्रीमियर कारपोरेशन प्रा० लि०, मेट्टूपल्यम, कोयम्बतूर-641030 (कार्यालय : 262 अवनाशी रोड, कोयम्बतूर-641018)	साफ, ठंडे और स्वच्छ पानी की सप्लाई के लिए क्षेतिज अपकेन्द्रीय पम्प साइज 65×50 मिमी (टाइप 2 बी सी 2)— IS : 1520–1972
29.	सी एम/एल-4313 14-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	फोटोफोन प्रा० लि०, साकीनाका, 7 साकी विहार रोड, बम्बई-400072 (महाराष्ट्र)	16 मिमी के ध्वनि और चित्र सिनेमा प्रोजेक्टर 2.30 वोल्ट 50 हर्टज 400 वाट के प्रोजेक्शन लैम्प सहित हैलोजन लैम्प 24 वो० वाले 200 वाट (फर्म का माडल संख्या आई एम आई 35-107 एफ और आई एम आई 35-108 एफ)— IS : 4497–1968
30.	सी एम/एल–4314 14-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	कृष्णा कण्डक्टर्स लि०, राडेपल्ली, गुंटूर जिला (आंध्र प्रदेश) (कार्यालय : अंजानेयपंटुलू स्ट्रीट, लावीपेट, विजयवाड़ा-520010 आन्ध्र प्रदेश	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS : 398–1961
31.	सी एम/एल–4315 14-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	ईस्टर्न इंडस्ट्रीज, 14/22 सिविल लाइन्स, कानपुर	खानों के लिए चमड़े और रबड़ के तल्ले वाले बचाव बूट और जूते टाइप-1— IS : 1989–1973
32.	सी एम/एल–4316 14-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	कामधेनु पेस्टीसाइड्स 50-ए हैडास्पर इंडस्ट्रियल इस्टेट, हेडास्पर, पूर्ण–3 (कार्यालय : कृषि भवन, 1379 भवानी पेठ, पूणे-2)	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव— IS : 2567–1973
33.	सी एम/एल–4317 14-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	एस० टी० सी० डीजल इंजन प्रा० लि० प्लाट संख्या 33, इंडस्ट्रियल इस्टेट कांडीव्ली (पश्चिम) बम्बई-400067 (कार्यालय : बामुन चैम्बर्स 27/33 नगीनदास मास्टर रोड फोर्ट, बम्बई-400001)	निम्नलिखित रेटिंग के खड़ी प्रकार के एक सिलेण्डर वाले जल शीतलित डीजल इंजन : किवा चक्कर प्रति मिनट टाइप मार्का 3.7 (5 हापा) 1500 बी आर एस-5 'एच टी सी' IS : 1606-1960
34.	सी एम/एल–4318 21-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	अदितीय मिनरल ट्रेडर्स, कोंडापुरम रेलवे स्टेशन, कुडप्पा जिला (आ० प्र०)	डीडीटी पायसनीय तेज द्रव— IS : 633–1956
35.	सी एम/एल–4319 21-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	गोकल चंद प्रभुदयाल 2-87 डी, नेहरू मार्किट वेयर हाउस, अमृतसर	बेसन— IS : 2400–1963
36.	सी एम/एल–4320 21-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	प्रशांत इंजीनियरिंग के आर रोड पीछे शांति सिनेमा देवनगिरी-577001	मैनहोलों के लिए ढलवां लोहे की सीढ़ियां— IS : 5455–1969
37.	सी एम/एल–4321 21-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	ट्रॉपिकल ऐग्रो सिस्टम्स (प्रा०) लि० एस आर के नगर ओट्टपलम-3 (केरल राज्य)	डीडीटी धूलन पाउडर— IS : 564–1961
38.	सी एम/एल–4322 21-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	ट्रॉपिकल ऐग्रो सिस्टम्स (प्रा०) लि० एस० आर० के० नगर ओट्टापलम्-3 (केरल राज्य)	डीडीटी पायसीनय तेज द्रव— IS : 633–1956
39.	सी एम/एल-4323 21-4-1975	1-5-1975	30-4-1976		एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310–1958
40.	सी एम/एल–4324 21-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	देवर संस प्रा० लि०, एन-10, म्यूनिसिपल इंडस्ट्रियल इस्टेट, बापूनगर, अहमदाबाद-380023	ऐमरैन्थ— IS : 1696—1974

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
41.	सी एम/एल–4325 21-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	देवर संस प्रा० लि० एन०-10 म्यूनिस्पल इंडस्ट्रियल इस्टेट, बापूनगर, अहमदाबाद-380023	कार्मोसाइन— IS : 2923–1974
42.	सी एम/एल–4326 21-4-1975	1-5-1976	30-4-1976	,,	पमका रेड-ई- IS : 2924–1974
43.	सी एम/एल–4327 21-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	,,	टारट्राजीन— IS : 1964–1974
44.	सी एम/एल–4328 21-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	,,	सूर्यास्त पीला खाद्य रंग— IS : 1965—1974
45.	सी एम/एल–4329 21-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	गुप्ता केमिकल्स प्रा० लि०, बी-144, रोड संख्या 9 विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर (कार्यालय : भुखमरिया बिल्डिंग, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर)	डीडीटी धूलन पाउडर— IS : 561–1961
46.	सी एम/एल–4330 21-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	कृष्णा माइनर्स एण्ड ट्रेडर्स, 12, इंडस्ट्रियल एरिया जयपुर पश्चिम, जयपुर कार्यालय : 1, गेहलोटे भवन, नई कालोनी रोड, जयपुर	डीडीटी धूलन पाउडर— IS : 564–1961
47.	सी एम/एल–4331 21-4-1975	1-3-1975	29-2-1976	यू पी इंस्ट्रूमेंट्स लि० ऐशबाग रोड (उ० प्र०)	अनुमानित प्रकार पानी के मीटर, केवल टाइप ए शुष्क डायल 15 मिमी साइज— IS : 770–1968
48.	सी एम/एल–4332 21-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	जैन लैम्पस एण्ड एलाइड इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 18-ए पोखरनपुर, कानपुर-208010 (उ० प्र०)	आर्गन गैस से भरे हुए खनिकों की टोपियों के बल्ब (लैम्प) 4.5 वो 0.8 अम्पी— IS : 2596–1964
49.	सी एम/एल–4333 25-4-1975	1-1-1975	31-12-1975	यावलकर पेस्टीसाइड्स प्रा० लि० 27 इंडस्ट्रियल इस्टेट केम्पटी रोड, नागपुर-440017 (महाराष्ट्र) कार्यालय : 52, बजाज नगर नागपुर-440010	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310–1958
50.	सी एम/एल–4334 25-4-1975	1-1-1975	31-12-1975	,,	बीएचसी धूलन पाउडर— IS : 561–1972
51.	सी एम/एल–4335 25-4-1975	1-1-1975	31-12-1975	,,	डीडीटी धूलन पाउडर— IS : 564–1961
52.	सी एम/एल–4336 25-4-1976	1-5-1975	30-4-1976	सारा टिन मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी 47 नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-110015	18—लिटर समाई वाले वर्गाकार टिन— IS : 916–1966
53.	सी एम/एल–4337 25-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	ट्रॉपिकल एग्रो सिस्टमस (प्रा०) लि० एस० आर० के० नगर ओट्टापलम्-3 (केरल राज्य)	मालाथियोन धूलन पाउडर— IS : 2568–1973
54.	सी एम/एल–4338 25-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	पटेल मावजी कानजी एण्ड ब्रदर्स जेलगेट रोड, 6, न्यू धनोहीवाड़, राजकोट-1	निम्नलिखित प्रकार के क्षैतिजनुमा एक सिलेण्डर वाले जलशीतित चार स्ट्रोक डीजल इंजन—

किवा	चक्कर प्रतिमिनट	टाइप	मार्का
5.15 (7 हापा)	600	एच2	अजीत

IS : 1601–1960

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
55.	सी एम/एल-4339 25-4-1975	1-4-1975	31-3-1976	अल्फा डायनेमिक प्रॉडक्ट्स प्रा० लि० रोड संख्या 14, प्लाट संख्या 5 और 6 उद्योग नगर-ऊधना जिला सूरत (गुजरात)	एक फेजी छोटी एमी बिजली की मोटर, 0.75 किवा (1 हापा) 'ए' श्रेणी के रोधन लगी-- IS : 996-1964
56.	सी एम/एल-4340 25-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	प्रशांत इंजीनियरिंग, के० आर० रोड, शांति पिक्चर हाउस के पीछे, देवनगर-577001	स्लूस वाल्व के ऊपरी बॉक्स-- IS : 3950-1966
57.	सी एम/एल-4341 25-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	मोती इलेक्ट्रिक इंडस्ट्रीज (प्रा०) लि० 15-ए, नजफगढ़ रोड नई दिल्ली-110015	पीवीसी रोधित और पीवीसी खोल वाले एलुमिनियम चालकों वाले ऋतुसह केबल वोल्टता ग्रेड 250/440 वोल्ट-- IS : 3035 (भाग 1)--1965
58	सी एम/एल-4342 25-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	मधुसूदन इंडस्ट्रीज, 21/4, इलय्या मुदाली स्ट्रीट, मद्रास-81 कार्यालय : 2/40 गाउडान स्ट्रीट, मद्रास-600001	डीडीटी धूलन पाउडर-- IS : 564-1961
59.	सी एम/एल-4343 25-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	हिन्दुस्तान कंडक्टर्स, समीप रेलवे स्टेशन आजमगढ़ (उ० प्र०)	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक-- IS : 398-1961
60.	सी एम/एल-4344 25-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	पेस्टीसाइड्स इंडिया, उदरसागर रोड, उदयपुर	डाइमेथोएट पायसीय तेज द्रव-- IS : 3903-1966
61.	सी एम/एल-4345 25-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	जय किसान ऐग्रो इंडस्ट्रीज 31-33 उद्योग नगर (नौलखा) इन्दौर	पशुओं के लिए आमिश्रित आहार-- IS : 2052-1968
62.	सी एम/एल-4346 25-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	विजय फुल्वराइजर्स पेडाकाकानी, मंगलागिरी रोड, गुंटूर जिला (आ० प्र०)	डीडीटी जलविसर्जनीय चूर्ण-- IS : 565-1961
63.	सी एम/एल-4347 25-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	बारा लक्ष्मी इंजी० वर्क्स, सीटी एम रोड, रोड, मदनपल्ले-517325 चित्तूर-जिला (आ० प्र०)	तीन फेजी प्रेरण मोटर, 2.2 किवा (3 हापा) और 3.7 किवा (5 हा पा); 'ए' श्रेणी के रोधन लगी-- IS : 325--1970
64.	सी एम/एल-4348 25-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	कमर्शियल सर्विसेज एजेन्सी, 6, प्रेमचंद बागड़िया रोड बदामतल्ला, वाले, जिला हावड़ा (प० बंगाल) कार्यालय : 23-ए नेताजी सुभाष रोड, पहली मंजिल कमरा नम्बर 12, कलकत्ता-1	पटसन करघों में प्रयुक्त सूती कंघियां-- IS : 1938-1974
65.	सी एम/एल-4349 30-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स (अमृतसर) प्रा० लि०, प्रताप इस्टेट, छेहरटा	धनुनुमा और कुण्डलीदार स्प्रिंगों के तैयारी के लिए इस्पात (रेल के डिब्बों के लिए)- IS : 3195-1965
66.	सी एम/एल-4350 30-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	अमेरिकन स्प्रिंग एण्ड प्रेसिंग वर्क्स प्रा० लि०, साथ रोड पो० बा० संख्या 7602 मलाड, बम्बई-64	रॉक स्प्रेयर-- IS : 3062-1974
67.	सी एम/एल-4351 30-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	"	हाथ से दबाकर चलने वाला पण्टवाली स्प्रेयर भाग 1 प्रदाब धारक टाइप- IS : 1970 (भाग 1)-1974
68.	सी एम/एल-4352 30-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	अमेरिकन स्प्रिंग एण्ड प्रेसिंग वर्क्स प्रा० लि०, मार्वे रोड, पोस्ट बॉक्स 7602, मालड, बम्बई-64	पांववान वाले स्प्रेयर-- IS : 3562-1974

1	2	3	4	5	6
69.	सी एम/एल—4353 30-4-1975	1-1-1975	31-12-1975	यावलकर पेस्टीसाइड्स प्रा० लि०, 27 इंडस्ट्रियल इस्टेट, कैम्पटी रोड, नागपुर-17 (महाराष्ट्र) कार्यालय : 52, बजाज नगर, नागपुर-440010	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव — IS : 2567—1973
70.	सी एम/एल—4354 30-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	विजया पुल्वराइजर्स, पेडाकाकानी मंगलागिरी रोड गुंटूर जिला (आ०प्र०)	बीएचसी धूलन पाउडर-- IS : 561—1972
71.	सी एम/एल—4355 30-4-1975	1-5-1975	30-4-1976	जिन्नमाणी स्टील ट्यूब्स लि० 16 कि० मी० पत्थर बंगलौर, व्हाइट-फील्ड रोड, हुडेगांव बंगलोर-560018 (कार्यालय : मोहूर मैंशन 48, कस्तूरबा रोड, बंगलोर-560001)	मध्यम, भारी और हल्के साइज की 80 मिमी तक की मृदु इस्पात की काली नलियां टाइप-- IS : 1239 (भाग 1)--1973

[सी एम डी 13 : 11]

S. O. 3550.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that seventyone licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of April 1975 authorizing the licensees to use the Standard Mark :

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L-)	Period of Validity From	To	Name and Address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licence and Relevant IS : Designation
1	2	3	4	5	6
1.	CM/L-4285 3-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	Tata Chemicals Ltd., Mithapur, Okhamandal, Gujarat State.	Methyl bromide— IS : 1312—1967
2.	CM/L-4286 3-4-1975	1-4-1975	31-3-1976	Assam Chemical Industries, Chapaguri Road, Bongaigaon, Assam.	Malathion EC— IS : 2567—1973
3.	CM/L-4287 3-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	Partap Steel Rolling Mills, (Amritsar) Pvt. Ltd., Partap Estate, Chheharta.	Carbon steel cast billets, ingots for rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6914—1973
4.	CM/L-4288 3-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	-do-	Carbon steel cast billets, ingots for rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915—1973
5.	CM/L-4289 3-4-1975	1-4-1975	31-3-1976	Ashok Metal Industries, Movdi Plot, Rajkot-2 (Office : Tagore Road, Bhaktinagar, Rajkot)	18-Litre square tins— IS : 916—1966
6.	CM/L-4290 3-4-1975	1-4-1975	31-3-1976	Assam Chemical Industries, Chapagori Road, Bongaigaon, Assam.	Aldrin EC— IS : 1307—1958
7.	CM/L-4291 8-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	Utkal Pesticides & Chemicals, Kishore Rice Mill, Jagannathpur, Distt. Ganjam, (Orissa) (Office : Staion Road, Behrampur, Distt. Ganjam, Orissa).	Endrin EC— IS : 1310—1958
8.	CM/L-4292 8-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	-do-	Malathion EC— IS : 2567—1973
9.	CM/L-4293 8-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	-do-	DDT EC— IS : 633—1956
10.	CM/L-4294 8-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	-do-	BHC EC— IS : 632—1972
11.	CM/L-4295 8-4-1975	16-4-1975	15-4-1976	Vijaya Pulverisers, Pedakakani, Mangalagiri Road, Guntur, Distt. (A.P.)	Endrin EC— IS : 1310—1958

[CMD/13 : 11]

ग्राम	थाना सं०	प्लाट सं०	क्षेत्रफल एकड़ों में	कब्जे का प्रकार
तेन्तुल डंगा	93	202	2.64	अर्जित भूमि
	,,	203	3.30	,,
	,,	204	0.10	,,
	,,	205	0.84	,,
	,,	206 भाग	0.85	,,
	,,	207 भाग	0.52	,,
	,,	208	0.93	,,
	,,	210	0.85	,,
	,,	212	0.32	,,
	,,	213	0.30	,,
	,,	214	0.66	,,
	,,	215	1.35	,,
	,,	216 भाग	1.82	,,
	,,	217 भाग	0.11	,,
	,,	220 भाग	24.18	,,
	,,	191	10.00	अनुज्ञात्मक कब्जा
	,,	192	0.56	,,
	,,	193	0.46	,,
	,,	196	0.85	,,
	,,	198	0.50	,,
	,,	209	0.16	,,
	,,	211	0.55	,,
	,,	218	0.29	,,
मुर्गाघुट्टू	92	2 भाग	0.72	अर्जित भूमि
उत्तर–प्लाट सं० 1	,,	3	0.63	,,
दक्षिण–माटीगोरा और रोआम ग्राम सीमा	,,	11	0.11	,,
	,,	5	0.09	,,
	,,	6	0.11	,,
पूर्व–सुन्दरमोरी नाला	,,	7	0.16	,,
पश्चिम–तेन्तुलडंगा ग्राम सीमा				
मुर्गाघुट्टू	,,	8	1.25	,,
	,,	9	0.22	,,
	,,	10	0.12	,,
	,,	11	0.37	,,
	,,	16	0.08	,,
	,,	17	0.30	,,
	,,	18	0.31	,,
	,,	19	0.55	,,
	,,	22	0.19	,,
	,,	24	0.07	,,
	,,	25 भाग	0.32	,,
	,,	26	0.14	,,
	,,	29	0.14	,,
	,,	30	0.15	,,
		32	0.06	,,
		33	0.55	,,
	,,	34	0.54	,,
	,,	35	0.37	,,
	,,	38	0.77	,,
	,,	39	0.14	,,

ग्राम	थाना सं०	प्लाट सं०	क्षेत्रफल एकड़ों में	कब्जे का प्रकार
मुर्गाघुट्टू	92	40	0.23	अर्जित भूमि
	,,	41	2.80	,,
	,,	43	0.25	,,
	,,	46	0.22	,,
	,,	47	0.15	,,
	,,	2/152	0.94	,,
	,,	48	0.07	,,
	,,	50	0.47	,,
	,,	51	0.82	,,
	,,	54	0.49	,,
	,,	55	1.34	,,
	,,	56	0.46	,,
	,,	60 भाग	0.17	,,
	,,	61 भाग	1.05	,,
	,,	62	1.04	,,
	,,	67 भाग	0.49	,,
	,,	68	0.18	,,
	,,	70	4.75	,,
	,,	72	0.42	,,
	,,	73	0.30	,,
	,,	74	0.13	,,
	,,	75	0.09	,,
	,,	76	1.68	,,
	,,	77	0.43	,,
	,,	78	0.08	,,
	,,	79	0.05	,,
	,,	80	0.71	,,
	,,	81 भाग	0.69	,,
	,,	82 भाग	0.22	,,
	,,	83	0.54	,,
	,,	84	0.58	,,
	,,	85	0.57	,,
	,,	86	0.34	,,
	,,	87	0.14	,,
	,,	88 भाग	8.38	,,
	,,	89	0.24	,,
	,,	93	0.69	,,
	,,	94	2.10	,,
	,,	96	1.69	,,
	,,	97	1.65	,,
	,,	98	9.14	,,
	,,	99	0.95	,,
	,,	100	2.38	,,
	,,	104	0.45	,,
	,,	106	0.10	,,
	,,	108	0.56	,,
	,,	111	0.30	,,
	,,	113 भाग	0.17	,,
	,,	114 भाग	0.35	,,
	,,	121	0.20	,,
	,,	123	0.67	,,
	,,	126	0.35	,,
	,,	128	0.08	,,

ग्राम	थाना सं०	प्लाट सं०	क्षेत्रफल एकड़ों में	कब्जे का प्रकार
मुर्गाघुट्टू	92	130	0.15	अर्जित भूमि
	,,	132	0.40	,,
	,,	39/138	0.28	,,
	,,	139	0.44	,,
	,,	140 भाग	0.24	,,
	,,	143	0.18	,,
	,,	144	0.55	,,
	,,	40/147	0.16	,,
	,,	148	0.12	,,
	,,	149	0.70	,,
	,,	150	0.01	,,
	,,	151	4.30	,,
	,,	2 भाग	4.08	अनुज्ञात्मक कब्जा
	,,	4/131	0.02	,,
	,,	6/136	0.02	,,
	,,	12	0.01	,,
	,,	13	0.03	,,
	,,	14	0.69	,,
	,,	15	0.05	,,
	,,	20	0.19	,,
	,,	21	0.14	,,
	,,	23	0.15	,,
	,,	25 भाग	2.14	,,
	,,	31	0.07	,,
	,,	36	0.13	,,
	,,	37	0.20	,,
	,,	42	0.03	,,
	,,	44	2.50	,,
	,,	49	0.17	,,
	,,	52	0.02	,,
	,,	53	0.03	,,
	,,	57	0.10	,,
	,,	59	0.68	,,
	,,	56/137	0.07	,,
	,,	63	0.23	,,
	,,	64	1.40	,,
	,,	65	0.25	,,
	,,	42/153 भाग	9.20	,,
	,,	101	1.70	,,
	,,	102	0.19	,,
	,,	103	0.46	,,
	,,	105	0.50	,,
	,,	107 भाग	3.52	,,
	,,	125 भाग	1.02	,,
	,,	142	0.20	,,
	,,	143	0.07	,,
	,,	90	0.98	,,
	,,	91	0.03	,,
	,,	92	0.05	,,
	,,	93/145	0.45	,,
	,,	66	0.68	,,
	,,	115	0.08	,,
	92	94/146	0.43	अनुज्ञात्मक कब्जा
रोध्राम	91	3	1.50	अर्जित भूमि
उत्तर—प्लाट	,,	4	0.94	,,
सं० 2 गड्ढा नाला	,,	5	0.18	,,
दक्षिण—सड़क	,,	6	0.15	,,
प्लाट सं० 117	,,	7	1.71	,,
और 215	,,	8	2.06	,,
पूर्व—डीगरी ग्राम	,,	9	0.20	,,
सीमा और सड़क	,,	10	0.16	,,
पश्चिम—मुर्गा-	,,	11	0.74	,,
घुट्टू ग्राम और	,,	12	1.23	,,
सिन्दूरगोरी नाला	,,	13	0.45	,,
	,,	14	0.40	,,
	,,	15 भाग	1.52	,,
	,,	16	0.09	,,
	,,	17	0.06	,,
	,,	18	0.45	,,
	,,	19	0.40	,,
	,,	20	1.76	,,
	,,	21/1210	0.12	,,
	,,	21 भाग	1.33	,,
	,,	22	0.17	,,
	,,	23	0.20	,,
	,,	24	0.23	,,
	,,	25	0.08	,,
	,,	26	0.68	,,
	,,	27	0.28	,,
	,,	28	0.45	,,
	,,	29/1201	0.05	,,
	,,	29/1200	0.09	,,
रोध्राम	,,	29	0.46	,,
	,,	30 भाग	0.46	,,
	,,	31	0.38	,,
	,,	32	0.47	,,
	,,	27/1202	0.04	,,
	,,	27/1208	0.06	,,
	,,	32/1203	0.04	,,
	,,	33/1204	0.18	,,
	,,	34/1205	0.41	,,
	,,	33	0.56	,,
	,,	34	0.57	,,
	,,	35 भाग	0.55	,,
	,,	36	0.17	,,
	,,	37	0.25	,,
	,,	38	0.45	,,
	,,	39	0.09	,,
	,,	40	0.30	,,
	,,	40/1206	0.62	,,
	,,	41	0.20	,,
	,,	42 भाग	0.18	,,
	,,	43	0.31	,,
	,,	44	0.17	,,
	,,	45	0.18	,,
	,,	46	0.34	,,

ग्राम	थाना सं०	प्लाट सं०	क्षेत्रफल एकड़ों में	कब्जे का प्रकार
रोह्राम	91	47	0.27	अर्जित भूमि
	,,	48	0.11	,,
	,,	49	0.09	,,
	,,	50	0.11	,,
	,,	51	0.37	,,
	,,	52	0.21	,,
	,,	53	0.40	,,
	,,	54 भाग	0.40	,,
	,,	55	0.20	,,
	,,	56	0.02	,,
	,,	57	0.12	,,
	,,	58	0.21	,,
	,,	59	0.14	,,
	,,	60	0.24	,,
	,,	61	0.02	,,
	,,	62	0.10	,,
	,,	63	0.19	,,
	,,	64	0.11	,,
	,,	65	0.22	,,
	,,	67	0.06	,,
	,,	68	0.52	,,
	,,	69	0.02	,,
	,,	70	0.35	,,
	,,	71	0.15	,,
	,,	72	0.12	,,
	,,	73	0.06	,,
	,,	74	0.09	,,
	,,	75	0.08	,,
	,,	78	0.19	,,
	,,	79	0.10	,,
	,,	80	0.30	,,
	,,	81	0.02	,,
	,,	82	0.06	,,
	,,	83	0.18	,,
	,,	84	0.10	,,
	,,	85	0.18	,,
	,,	86	0.14	,,
	,,	94	0.28	,,
	,,	95	0.09	,,
	,,	95/1250	0.14	,,
	,,	96	0.59	,,
	,,	100	1.57	,,
	,,	106	0.63	,,
	,,	108	0.66	,,
	,,	110	0.88	,,
	,,	111	0.44	,,
	,,	112	0.15	,,
	,,	113	0.10	,,
	,,	115	1.01	,,
	,,	116	0.19	,,
	,,	123	0.02	,,
	,,	124	0.23	,,
	,,	127	1.45	,,
	,,	128	0.04	,,

ग्राम	थाना सं०	प्लाट सं०	क्षेत्रफल एकड़ों में	कब्जे का प्रकार
रोह्राम	91	129	0.02	अर्जित भूमि
	,,	130	0.04	,,
	,,	131	0.03	,,
	,,	132	0.02	,,
	,,	133	0.05	,,
	,,	134	1.14	,,
	,,	136	0.55	,,
	,,	137	0.82	,,
	,,	141/1226	0.19	,,
	,,	140	0.06	,,
	,,	141 भाग	0.80	,,
	,,	144	0.11	,,
	,,	145	0.22	,,
	,,	146	0.61	,,
	,,	147	1.27	,,
	,,	148	0.82	,,
	,,	149	0.05	,,
	,,	150	0.17	,,
	,,	151	0.82	,,
	,,	152	0.36	,,
	,,	11/1220	0.22	,,
	,,	11/1209	0.15	,,
	,,	154	0.52	,,
	,,	155	0.35	,,
	,,	156	0.77	,,
	,,	157	0.67	,,
	,,	158	0.78	,,
	,,	159	0.55	,,
	,,	160	0.83	,,
	,,	161	0.43	,,
	,,	162	0.18	,,
	,,	163	0.24	,,
	,,	164	3.66	,,
	,,	165	2.01	,,
	,,	166	0.80	,,
	,,	167	0.43	,,
	,,	168	0.39	,,
	,,	169	0.28	,,
	,,	170	0.23	,,
	,,	171	0.88	,,
	,,	172	0.52	,,
	,,	173	0.97	,,
	,,	174	0.46	,,
	,,	175	0.67	,,
	,,	176/1224	0.44	,,
	,,	177	0.48	,,
	,,	178	0.50	,,
	,,	179	0.72	,,
	,,	180	1.04	,,
	,,	181 भाग	1.68	,,
	,,	181/1242	0.65	,,
	,,	182 भाग	0.90	,,
	,,	184	0.93	,,

ग्राम	थाना सं०	प्लाट सं०	क्षेत्रफल एकड़ों में	कब्जे का प्रकार
रोग्राम	91	164/1262	1.62	अर्जित भूमि
	,,	185	0.44	,,
	,,	186	0.55	,,
	,,	188	0.23	,,
	,,	189	0.36	,,
	,,	190 भाग	1.75	,,
	,,	192	0.07	,,
	,,	194	0.45	,,
	,,	195 भाग	0.24	,,
	,,	196	0.37	,,
	,,	197	0.35	,,
	,,	198	0.36	,,
	,,	199	0.54	,,
	,,	200	0.67	,,
	,,	201	0.60	,,
	,,	202	0.45	,,
	,,	203	0.39	,,
	,,	198/1258	0.20	,,
	,,	198/1257	0.12	,,
	,,	198/1256	0.10	,,
	,,	206	0.36	,,
	,,	207	0.24	,,
	,,	212	0.14	,,
	,,	207/1243	0.16	,,
	,,	28/40	0.34	,,
	,,	15 भाग	0.98	अनुज्ञात्मक कब्जा
	,,	42 भाग	2.35	,,
	,,	109 भाग	10.42	,,
	,,	135 भाग	16.21	,,
	,,	141	1.04	,,
	,,	153	0.23	,,
	,,	176	2.54	,,
	,,	183 भाग	2.63	,,
	,,	187	0.04	,,
	,,	191	0.40	,,
	,,	193 भाग	2.97	,,
	,,	195 भाग	1.12	,,
	,,	159/1225	0.10	,,
	,,	370	18.55	,,
माटीगोरा मुख्य शाफ्ट क्षेत्र	94	366	1.39	,,
	,,	365	2.16	,,
	,,	370	3.35	,,
	,,	372	3.58	,,

[फा० सं० 48013/10/73-धातु-3]

सी०पी०एस० नायर, उप सचिव

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 2nd September, 1976

S.O. 3553.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below being an officer equivalent to the rank of a Gazetted Officer of Government to be Estate officer for the purposes of the said Act, and further directs that the said officer shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed on Estate Officer by or under the said Act within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Name and Designation of the Officer	Categories of public premises/local limits of jurisdiction
(1)	(2)
Shri B.K. Maity, Senior Personnel and Industrial Relations Officer, Hindustan Copper Limited, Rakha Copper Project, Singhbhum (Bihar)	(Here incorporate what is contained in the annexure)

[File No 48013/10/73-Met.III)]

C.P.S. Nair Dy. Secy.

ANNEXURE

Village	Thana No.	Plot Nos.	Area in Acres	Type of possession.
1	2	3	4	5
Swaspur	Ghat-	763	7.18	Acquired land
N-Railway	sila 1105	764	0.49	
S-Village	,,	765	11.04	,,
Barapahar	,,	766	0.49	,,
E-Vill	,,	769	0.88	,,
Gopalpur	,,	770	0.97	,,
	,,	771	0.31	,,
W-D. B. Road & Plot No. 442	,,	772	1.54	,,
	,,	773	3.36	,,
	,,	774	0.20	,,
	,,	775	3.70	,,
	,,	776	0.31	,,
	,,	777	0.53	,,
	,,	778	8.00	,,
	,,	779	0.60	,,
	,,	780	0.45	,,
	,,	781	3.00	,,
	,,	782	1.85	,,
	,,	783	1.17	,,
	,,	784 Portion	0.55	,,
	,,	785 Portion	0.10	,,
	,,	786 Portion	2.72	,,
	,,	787	1.65	,,
	,,	788	9.08	,,
	,,	789	1.80	,,
	,,	790	0.95	,,
	,,	791	0.63	,,
	,,	792	5.11	,,
	,,	795	1.01	,,
	,,	793	6.26	,,
	,,	796	0.11	,,
	,,	797	4.83	,,
Gopalpur	1106	25	1.04	,,
N-Railway	,,	26	0.16	,,
S-Barapahar	,,	27	0.11	,,
Village	,,	28	1.55	,,
E-Plot No. 100	,,	30	0.11	,,
W-Swaspur	,,	31	2.08	,,
Village	,,	32	0.10	,,
	,,	33	0.45	,,
	,,	34	0.44	,,
		35	4.60	,,

Village	Thana No.	Plot No.	Area in Acres	Type of Possession
Gopalpur	1106	37 Portion	4.28	Acquired
	,,	40 Portion	3.51	,,
	,,	41	1.28	,,
	,,	42	2.03	,,
	,,	43	2.10	,,
	,,	44	0.64	,,
	,,	45	0.40	,,
	,,	46	0.48	,,
	,,	47	0.50	,,
	,,	48	0.29	,,
	,,	49	0.11	,,
	,,	50	1.16	,,
	,,	51	0.06	,,
	,,	52	0.29	,,
	,,	53	0.20	,,
	,,	54	0.05	,,
	,,	55	0.50	,,
	,,	56	0.24	,,
	,,	57	0.48	,,
	,,	58	0.22	,,
	,,	59	0.62	,,
	,,	60	0.95	,,
	,,	61	0.25	,,
	,,	62	1.03	,,
	,,	63	0.06	,,
	,,	64	1.11	,,
	,,	65	0.16	,,
	,,	66	1.45	,,
	,,	67	2.00	,,
	,,	68	1.50	,,
	,,	69	0.17	,,
	,,	70	0.84	,,
	,,	71	0.44	,,
	,,	72	1.03	,,
	,	73	0.18	,,
	,,	74	0.58	,,
	,,	75	0.22	,,
	,,	76	0.27	,,
	,,	77	0.35	,,
	,,	78	0.20	,,
	,,	79	0.04	,,
	,,	80	0.86	,,
	,	81	0.02	,,
	,,	82	0.04	,,
	,,	83	0.16	,,
	,,	84	0.18	,,
	,,	85	0.34	,,
	,,	86	0.40	,,
	,,	87	1.41	,,
	,,	88	0.77	,,
	,,	89	0.42	,,
	,,	90	1.23	,,
	,,	91	0.22	,,
	,,	92	0.17	,,
	,,	93	0.22	,,
	,,	94 Portion	0.64	,,
	,,	95 Portion	0.89	,,
	,,	96	0.38	,,
	,,	97	0.53	,,
	,,	98 Portion	0.89	,,
	,,	99	0.84	,,
	,,	31/102	0.58	,,
	,,	34/103	0.40	,,
	,,	40/104	0.53	,,
Gopalpur	1106	46/105	0.30	Acquired Land
	,,	50/106	0.19	,,
	,,	52/107	0.07	,,
	,,	47/108	0.09	,,
	,,	60/109	0.19	,,
	,,	60/110	1.04	,,
	,,	60/111	0.30	,,
	,,	62/112	0.58	,,
	,,	35/113	0.22	,,
	,,	47/114	0.06	,,
	,,	75/115	0.25	,,
	,,	93/116	1.40	,,
	,,	71/117	0 11	,,
	,,	64/118	0.14	,,
Barapahar	1107	3	0.16	,,
N-Plot 1 and	,,	4	0.22	,,
Plot 308	,,	5	0.76	,,
S-Plot, 288, 289,	,,	6	0.28	,,
and 290.	,,	7	0.23	,,
E-Plot No. 291 &	,,	8	0.19	,,
309	,,	9	0.07	,,
W-Swaspur Village	,,	10	0.08	,,
Boundary	,,	11	1.06	,,
	,,	12	0.20	,,
	,	13	0.30	,,
	,,	14	1.25	,,
	,,	15	0.36	,,
	,,	16	0.17	,,
	,,	17	0.38	,,
	,,	18	0.08	,,
	,,	19	0.17	,,
	,,	20	1.08	,,
	,,	21	0.34	,,
	,,	22	0.16	,,
	,,	23	0.11	,,
	,,	24	0.24	,,
	,,	25	0.28	,,
	,,	26	0.14	,,
	,,	27	0.97	,,
	,,	28	0.44	,,
	,,	29	1.57	,,
	,,	30	0.31	,,
	,,	32	0.34	,,
	,,	39	0.06	,,
	,,	40	0.14	,,
	,,	41	0.42	,,
	,,	42	0.10	,,
	,,	43	0.08	,,
	,,	44	0.06	,,
	,,	45	0.17	,,
	,,	46	0.84	,,
	,,	47	0.50	,,
	,,	48	0.23	,,
	,,	49	0.21	,,
	,,	50	0.71	,,
	,,	51	0.65	,,
	,,	53	0.91	,,
	,,	54	0.22	,,
	,,	55	0.26	,,
	,,	56	0.73	,
	,,	58	0.47	,,
	,,	59	0.80	,,
	,,	60	0.41	,,

Village	Thana No.	Plot Nos.	Area in Acres	Type of possession
Barapahar —Contd.	1107	61	0.40	Acquired Land
	,,	62 Portion	17.18	,,
	,,	63	1.74	,,
	,,	64	1.56	,,
	,,	65	0.84	,,
	,,	66	0.62	,,
	,,	67	0.37	,,
	,,	82	0.14	,,
	,,	83	1.29	,,
	,,	91	0.83	,,
	,,	92	1.56	,,
	,,	93 Portion	2.67	,,
	,,	94	0.57	,,
	,,	95	2.70	,,
	,,	96	0.56	,,
	,,	97	0.32	,,
	,,	98	0.22	,,
	,,	99	0.14	,,
	,,	100	0.10	,,
	,,	101	0.09	,,
	,,	102	0.14	,,
	,,	103	0.35	,,
	,,	104	0.04	,,
	,,	105	0.33	,,
	,,	106	0.41	,,
	,,	107	0.71	,,
	,,	108	0.20	,,
	,,	109	0.23	,,
	,,	116	1.01	,,
	,,	117	0.39	,,
	,,	118	1.05	,,
	,,	119	0.19	,,
	,,	120	0.06	,,
	,,	121	0.06	,,
	,,	122	0.09	,,
	,,	125	0.20	,,
	,,	127	0.06	,,
	,,	128	0.39	,,
	,,	130	0.16	,,
	,,	132	0.21	,,
	,,	133	0.11	,,
	,,	134	0.08	,,
	,,	135	0.10	,,
	,,	140	0.10	,,
	,,	141	0.21	,,
	,,	142	0.26	,,
	,,	143	0.25	,,
	,,	144	0.73	,,
	,,	145 Portion	0.49	,,
	,,	146	1.40	,,
	,,	147	0.90	,,
	,,	148	1.27	,,
	,,	149	0.09	,,
	,,	150	0.55	,,
	,,	151	0.11	,,
	,,	152	0.51	,,
	,,	153	0.64	,,
	,,	159	0.50	,,
	,,	160	0.50	,,
	,,	161	0.21	,,
	,,	162	0.54	,,
	,,	163	0.13	,,
	,,	164	1.98	,,

Village	Thana No.	Plot No.	Area in Acres	Type of Possession
Barapahar—Contd	1107	165	2.67	Acquired Land
	,,	166	0.10	,,
	,,	167	0.37	,,
	,,	168	1.73	,,
	,,	169	1.02	,,
	,,	171	0.43	,,
	,,	172 Portion	0.12	,,
	,,	173	0.48	,,
	,,	175	0.16	,,
	,,	178	1.19	,,
	,,	187	1.56	,,
	,,	188	0.51	,,
	,,	189	0.76	,,
	,,	190	0.61	,,
	,,	191	0.95	,,
	,,	192	1.16	,,
	,,	193	2.35	,,
	,,	194	0.69	,,
	,,	195	1.10	,,
	,,	196	0.25	,,
	,,	197	0.10	,,
	,,	198	0.44	,,
	,,	199	0.10	,,
	,,	200	0.37	,,
	,,	201	0.42	,,
	,,	202	0.19	,,
	,,	203	0.36	,,
	,,	204	1.47	,,
	,,	205	0.55	,,
	,,	206	0.80	,,
	,,	207	0.25	,,
	,,	208	0.61	,,
	,,	209	0.50	,,
	,,	210	0.87	,,
	,,	211	0.51	,,
	,,	212	0.27	,,
	,,	213	0.10	,,
	,,	214	0.69	,,
	,,	216	0.30	,,
	,,	217	0.29	,,
	,,	218	0.26	,,
	,,	219	0.73	,,
	,,	220	0.04	,,
	,,	221	0.50	,,
	,,	223	0.91	,,
	,,	225	0.06	,,
	,,	226	0.20	,,
	,,	227	0.09	,,
	,,	228	0.17	,,
	,,	229	0.20	,,
	,,	230	0.02	,,
	,,	231	0.02	,,
	,,	232	0.11	,,
	,,	233	0.18	,,
	,,	234	0.36	,,
	,,	235	0.15	,,
	,,	236	0.68	,,
	,,	237	0.14	,,
	,,	238	0.21	,,
	,,	239	2.93	,,
	,,	240	0.13	,,
	,,	241	0.04	,,
	,,	242	0.15	,,
	,,	243	0.06	,,

Village	Thana No.	Plot Nos.	Area in Acres	Type of Possession
Barapahar—Contd.	1107	244	0.96	Acquired Land
	,,	245	0.09	,,
	,,	246	0.03	,,
	,,	247	1.81	,,
	,,	249	0.17	,,
	,,	250	0.97	,,
	,,	251	0.08	,,
	,,	252	1.43	,,
	,,	253	0.16	,,
	,,	254	0.36	,,
	,,	255	0.15	,,
	,,	256	0.04	,,
	,,	257	0.04	,,
	,,	258	0.04	,,
	,,	259	0.48	,,
	,,	260 Portion	0.88	,,
	,,	261	0.42	,,
	,,	263	0.53	,,
	,,	264 Portion	0.15	,,
	,,	265	0.06	,,
	,,	266	0.48	,,
	,,	267	0.14	,,
	,,	268	0.54	,,
	,,	269	0.67	,,
	,,	270	0.39	,,
	,,	271	0.12	,,
	,,	272	0.56	,,
	,,	274	0.21	,,
	,,	275	0.53	,,
	,,	279	0.28	,,
	,,	280 Portion	0.77	,,
	,,	281	0.19	,,
	,,	282	0.12	,,
	,,	283 Portion	1.60	,,
	,,	284	0.59	,,
	,,	285	0.32	,,
	,,	286	0.54	,,
	,,	292	0.10	,,
Gopalpur	,,	293	0.07	,,
	,,	294	0.09	,,
	,,	296	0.20	,,
	,,	297	0.02	,,
	,,	298	0.34	,,
	,,	299	0.41	,,
	,,	300	0.58	,,
	,,	301	0.38	,,
	,,	302	0.21	,,
	,,	303	0.15	,,
	,,	304	0.07	,,
	,,	305	0.16	,,
	,,	306	0.24	,,
	,,	307	1.00	,,
	,,	284/310	0.73	,,
	,,	272/311	0.15	,,
	,,	308/312 Portion	2.52	,,
	,,	300/314	0.36	,,
	,,	302/315	0.36	,,
	,,	2/316	1.88	,,
	,,	62/318	1.62	,,
	,,	62/319	2.94	,,
	,,	194/321 Portion	0.09	,,
	,,	244/322	0.16	,,
	,,	3/323	0.53	,,

Village	Thana No.	Plot No.	Area in Acres	Type of Possession
Gopalpur—Contd.	1107	24/324	0.22	Acquired Land
	,,	93/225	1.70	,,
	,,	181/326	0.01	,,
	,,	183/327	0.02	,,
Tentuldanga	93	192 Portion	0.16	,,
N-Garanalla &	,,	193 Portion	0.12	,,
P.W.D. Road	,,	194	3.74	,,
S-P.W.D. Road &	,,	222	2.48	,,
Matigora	,,	195	2.02	,,
Vill. Boundary	,,	197	4.76	,,
E-Murgaghuthu	,,	199	0.96	,,
Vill. Boundary	,,	200	2.70	,,
W-D.B. Road	,,	201	1.80	,,
Plot No. 187 &	,,	202	2.64	,,
Matigora	,,	203	3.30	,,
Plot No. 365	,,	204	0.10	,,
	,,	205	0.84	,,
	,,	206 Portion	0.85	,,
	,,	207 Portion	0.52	,,
	,,	208	0.93	,,
Tentuldanga	93	210	0.85	,,
	,,	212	0.32	,,
	,,	213	0.30	,,
	,,	214	0.66	,,
	,,	215	1.35	,,
	,,	216 Portion	1.82	,,
	,,	217 Portion	0.11	,,
	,,	220 Portion	24.18	,,
	,,	191	10.00	Permissive possession
	,,	192	0.56	,,
	,,	193	0.46	,,
	,,	196	0.85	,,
	,,	198	0.50	,,
	,,	209	0.16	,,
	,,	211	0.55	,,
	,,	218	0.29	,,
Murgaghuttu	92	2 Portion	0.72	Acquired Land
	,,	3	0.63	,,
N-Plot No. 1	,,	11	0.11	,,
S. Matigora &	,,	5	0.09	,,
Roam Vill.	,,	6	0.11	,,
Boundary	,,	7	0.16	,,
E-Sundergori	,,	8	1.25	,,
Nala	,,	9	0.22	,,
W-Tentuldanga	,,	10	0.12	,,
vill. Boundary	,,	11	0.37	,,
	,,	16	0.08	,,
	,,	17	0.30	,,
	,,	18	0.31	,,
	,,	19	0.55	,,
	,,	22	0.10	,,
	,,	24	0.07	,,
	,,	25 Portion	0.32	,,
	,,	26	0.14	,,
	,,	29	0.14	,,
	,,	30	0.15	,,
	,,	32	0.06	,,

Village	Thana No.	Plot No.	Area in Acres	Type of possession
Murgaghuttu—Contd.	92	33	0.55	Acquired Land
	,,	34	0.54	,,
	,,	35	0.37	,,
	,,	38	0.77	,,
	,,	39	0.14	,,
	,,	40	0.23	,,
	,,	41	2.80	,,
	,,	43	0.25	,,
	,,	46	0.22	,,
	,,	47	0.15	,,
	,,	2/152	0.94	,,
	,,	48	0.07	,,
	,,	50	0.47	,,
	,,	51	0.82	,,
	,,	54	0.49	,,
	,,	55	1.34	,,
	,,	56	0.46	,,
	,,	60 Portion	0.17	,,
	,,	61 Portion	1.05	,,
	,,	62	1.04	,,
	,,	67 Portion	0.49	,,
	,,	68	0.18	,,
	,,	70	4.75	,,
	,,	72	0.42	,,
	,,	73	0.30	,,
	,,	74	0.13	,,
	,,	75	0.09	,,
	,,	76	1.68	,,
	,,	77	0.43	,,
	,,	78	0.08	,,
	,,	79	0.05	,,
	,,	80	0.71	,,
	,,	81 Portion	0.69	,,
	,,	82 Portion	0.22	,,
	,,	83	0.54	,,
	,,	84	0.58	,,
	,,	85	0.57	,,
	,,	86	0.34	,,
	,,	87	0.14	,,
	,,	88 Portion	8.38	,,
	,,	89	0.24	,,
	,,	93	0.69	,,
	,,	94	2.10	,,
	,,	96	1.69	,,
	,,	97	1.65	,,
	,,	98	9.14	,,
	,,	99	0.95	,,
	,,	100	2.38	,,
	,,	104	0.45	,,
	,,	106	0.10	,,
	,,	108	0.56	,,
	,,	111	0.30	,,
	,,	113 Portion	0.17	,,
	,,	114 Portion	0.35	,,
	,,	121	0.20	,,
	,,	123	0.67	,,
	,,	126	0.35	,,
	,,	128	0.08	,,
	,,	130	0.15	,,
	,,	132	0.40	,,
	,,	39/138	0.28	,,
	,,	139	0.44	Acquired Land
	,,	140 Portion	0.24	,,
	,,	141	0.18	,,
	,,	144	0.55	,,
	,,	40/147	0.16	,,
	,,	148	0.12	,,
	,,	149	0.70	,,
	,,	150	0.01	,,
	,,	151	4.30	,,
	,,	2 Portion	4.08	Permissive Possession
	,,	4/135	0.02	,,
	,,	6/136	0.02	,,
	,,	12	0.01	,,
	,,	13	0.03	,,
	,,	14	0.69	,,
	,,	15	0.05	,,
	,,	20	0.19	,,
	,,	21	0.14	,,
	,,	23	0.15	,,
	,,	25 Portion	2.14	,,
	,,	31	0.07	,,
	,,	36	0.13	,,
	,,	37	0.20	,,
	,,	42	0.03	,,
	,,	44	2.50	,,
	,,	49	0.17	,,
	,,	52	0.02	,,
	,,	53	0.03	,,
	,,	57	0.10	,,
	,,	59	0.68	,,
	,,	56/137	0.07	,,
	,,	63	0.23	,,
	,,	64	1.40	,,
	,,	65	0.25	,,
	,,	42/153 Portion	9.20	,,
	,,	101	1.70	,,
	,,	102	0.19	,,
	,,	103	0.46	,,
	,,	105	0.50	,,
	,,	107 Portion	3.52	,,
	,,	125 Portion	1.02	,,
	,,	142	0.20	,,
	,,	143	0.07	,,
	,,	90	0.98	,,
	,,	91	0.03	,,
	,,	92	0.05	,,
	,,	93/145	0.45	,,
	,,	66	0.68	,,
	,,	115	0.08	,,
	,,	94/146	0.43	,,
Roam	91	3	1.50	Acquired Land
	,,	4	0.94	,,
N-Plot No. 2	,,	5	0.18	,,
Garah Nalla	,,	6	0.15	,,
S-Road Plot No.	,,	7	1.71	,,
117 & 215	,,	8	2.06	,,
	,,	9	0.20	,,

Village	Thana No.	Plot No.	Area in Acres	Type for possession
E-Digri Vill.	91	10	0.16	Acquired Land
Boundary &	,,	11	0.74	,,
Road	,,	12	1.23	,,
	,,	13	0.45	,,
W-Murgaghuttu	,,	14	0.40	,,
vill. &	,,	15 Portion	1.52	,,
Sindurgori	,,	16	0.09	,,
Nalla.	,,	17	0.06	,,
	,,	18	0.45	,,
	,,	19	0.40	,,
	,,	20	1.76	,,
	,,	21/1210	0.12	,,
	,,	21-portion	1.33	,,
	,,	22	0.17	,,
	,,	23	0.20	,,
	,,	24	0.23	,,
	,,	25	0.08	,,
	,,	26	0.68	,,
	,,	27	0.28	,,
	,,	28	0.45	,,
	,,	29/1201	0.05	,,
	,,	29/1200	0.09	,,
	,,	29	0.46	,,
	,,	30 portion	0.46	,,
	,,	31	0.38	,,
	,,	32	0.47	,,
	,,	27/1202	0.04	,,
	,,	27/1208	0.06	,,
	,,	32/1203	0.04	,,
	,,	33/1204	0.18	,,
Roam	,,	34/1205	0.41	,,
				,,
	,,	33	0.56	,,
	,,	34	0.57	,,
	,,	35 portion	0.55	,,
	,,	36	0.17	,,
	,,	37	0.25	,,
	,,	38	0.45	,,
	,,	39	0.09	,,
	,,	40	0.30	,,
	,,	40/1206	0.62	,,
	,,	41	0.20	,,
	,,	42 Portion	0.18	,,
	,,	43	0.31	,,
	,,	44	0.17	,,
	,,	45	0.18	,,
	,,	46	0.34	,,
	,,	47	0.27	,,
	,,	48	0.11	,,
	,,	49	0.09	,,
	,,	50	0.11	,,
	,,	51	0.37	,,
	,,	52	0.21	,,
	,,	53	0.40	,,
	,,	54 Portion	0.40	,,
	,,	55	0.20	,,
	,,	56	0.02	,,
	,,	57	0.12	,,
	,,	58	0.21	,,
	,,	59	0.14	,,
	,,	60	0.24	,,
	,,	61	0.02	,,
	,,	62	0.10	,,
	,,	63	0.19	,,
Roam—Contd.	91	64	0.11	Acquired Land
	,,	65	0.22	,,
	,,	67	0.08	,,
	,,	68	0.52	,,
	,,	69	0.02	,,
	,,	70	0.35	,,
	,,	71	0.15	,,
	,,	72	0.12	,,
	,,	73	0.06	,,
	,,	74	0.09	,,
	,,	75	0.08	,,
	,,	78	0.19	,,
	,,	79	0.10	,,
	,,	80	0.30	,,
	,,	81	0.02	,,
	,,	82	0.06	,,
	,,	83	0.18	,,
	,,	84	0.10	,,
	,,	85	0.18	,,
	,,	86	0.14	,,
	,,	94	0.28	,,
	,,	95	0.09	,,
	,,	95/1250	0.14	,,
	,,	96	0.59	,,
	,,	100	1.57	,,
	,,	106	0.63	,,
	,,	108	0.66	,,
	,,	110	0.88	,,
	,,	111	0.44	,,
	,,	112	0.15	,,
	,,	113	0.10	,,
	,,	115	1.01	,,
	,,	116	0.19	,,
	,,	123	0.02	,,
	,,	124	0.23	,,
	,,	127	1.45	,,
	,,	128	0.04	,,
	,,	129	0.02	,,
	,,	130	0.04	,,
	,,	131	0.03	,,
	,,	132	0.02	,,
	,,	133	0.05	,,
	,,	134	1.14	,,
	,,	136	0.55	,,
	,,	137	0.82	,,
	,,	141/1226	0.19	,,
	,,	140	0.06	,,
	,,	141 portion	0.80	,,
	,,	144	0.11	,,
	,,	145	0.22	,,
	,,	146	0.61	,,
	,,	147	1.27	,,
	,,	148	0.82	,,
	,,	149	0.05	,,
	,,	150	0.17	,,
	,,	151	0.82	,,
	,,	152	0.36	,,
	,,	11/1220	0.22	,,
	,,	11/1209	0.15	,,
	,,	154	0.52	,,
	,,	155	0.35	,,
	,,	156	0.77	,,
	,,	157	0.67	,,
	,,	158	0.78	,,

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
Roa	91	159	0.55	Acquired land
	,,	160	0.83	,,
	,,	161	0.43	,,
	,,	162	0.18	,,
	,,	163	0.24	,,
	,,	164	3.66	,,
	,,	165	2.01	,,
	,,	166	0.80	,,
	,,	167	0.43	,,
	,,	168	0.39	,,
	,,	169	0.28	,,
	,,	170	0.23	,,
	,,	171	0.88	,,
	,,	172	0.52	,,
	,,	173	0.97	,,
	,,	174	0.46	,,
	,,	175	0.67	,,
	,,	176/1224	0.44	,,
	,,	177	0.48	,,
	,,	178	0.50	,,
	,,	179	0.72	,,
	,,	180	1.04	,,
	,,	181 portion	1.68	,,
	,,	181/1242	0.65	,,
	,,	182 portion	0.90	,,
	,,	184	0.93	,,
	,,	164/1262	1.62	,,
	,,	185	0.44	,,
	,,	186	0.55	,,
	,,	188	0.23	,,
	,,	189	0.36	,,
	,,	190 portion	1.75	,,
	,,	192	0.07	,,
	,,	194	0.45	,,
	,,	195 portion	0.24	,,
	,,	196	0.37	,,
	,,	197	0.35	,,
	,,	198	0.36	,,
	,,	199	0.54	,,
	,,	200	0.67	,,
	,,	201	0.60	,,
	,,	202	0.45	,,
	,,	203	0.39	,,
	,,	198/1258	0.20	,,
	,,	198/1257	0.12	,,
	,,	198/1256	0.10	,,
	,,	206	0.36	,,
	,,	207	0.24	,,
	,,	212	0.14	,,
	,,	207/1243	0.16	,,
	,,	28/40	0.34	,,
	,,	15 portion	0.98	Permissive possession.
	,,	42 portion	2.35	,,
	,,	109 portion	10.42	,,
	,,	135 portion	16.21	,,
	,,	141	1.04	,,
	,,	153	0.23	,,
	,,	176	2.54	,,
	,,	183 portion	2.63	,,
	,,	187	0.04	,,
	,,	191	0.40	,,
	Roam	91	193 portion	2.97	Permissive possession
		,,	195 portion	1.12	,,
		,,	159/1225	0.10	,,
		,,	370	18.55	,,
	MATIGORA Main Shaft. Area	94	366	1.39	,,
		,,	365	2.16	,,
		,,	370	3.35	,,
		,,	372	3.58	,,

[F.No. 48013/10/73-Met. III]

C. P. S. NAIR, Dy. Secy.

(इस्पात विभाग)

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1976

का० आ० 3554.—केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी (लोहा और इस्पात विभाग) की अधिसूचना सं० एस० ओ० 1525/ई एस एस, सी ओ एम एम/आयरन एण्ड स्टील-2(सी), तारीख 29 अप्रैल, 1964 को, जहां तक उसका सम्बन्ध पंजाब राज्य से है, जैसा कि वह पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966 (1966 का 31) द्वारा अपने पुनर्गठन से पूर्व था, अधिक्रान्त करते हुए और लोहा और इस्पात नियंत्रण आदेश, 1956 के खण्ड 2 के उपखण्ड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उन अधिकारियों को, जो इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ (2) में वर्णित हैं, ऐसे पुनर्गठन पर बने पंजाब तथा हरियाणा राज्यों तथा चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में अपनी अपनी अधिकारिता के भीतर, अनुसूची के स्तम्भ (3) में वर्णित उक्त आदेश के खण्डों के अधीन लोहा और इस्पात नियंत्रक की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है :—

अनुसूची

राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	अधिकारी का नाम	वे खण्ड जिनके अधीन वे प्राधिकृत हैं
1	2	3
		जहां खण्ड 28 के अधीन शक्तियां प्रत्यायोजित की जाती हैं वहां उनका प्रयोग सभी प्रवर्गों के व्यक्तियों की बाबत किया जा सकता है किन्तु अन्य खण्डों के अधीन शक्तियों का प्रयोग निम्नलिखित प्रवर्गों के व्यक्तियों को अपवर्जित करके किया जाना चाहिए, अर्थात्:— (क) रजिस्ट्रीकृत उत्पादक । (ख) नियंत्रित स्टाकधारी (ग) स्क्रैप व्यापारियों के रूप में कार्य करने वालों से भिन्न नियंत्रित स्रोत ।

1	2	3
	1. उद्योग निदेशक	10, 11, 12(1), 12(2), 14(1), 22, 23, 24(क), 24(ख) 24(ग), 24(घ), 26(1) और 28 ।
	2. संयुक्त निदेशक, उद्योग (उपापन) और राज्य इस्पात नियंत्रक, पंजाब ।	10, 11, 12(1), 12(2), 14(1), 22, 23, 24(क), 24(ख), 24(ग), 24(घ), 26(1) और 28 ।
	3. उप निदेशक, उद्योग (औद्योगिक सप्लाई), पंजाब, चण्डीगढ़ ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(ग), 24(घ) और 28 (लोहा और इस्पात तथा स्क्रैप के लिए)
	4. सहायक निदेशक, उद्योग (औद्योगिक सप्लाई) पंजाब, चण्डीगढ़ ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(घ) और 28 (लोहा और इस्पात तथा स्क्रैप के लिए) ।
	5. सहायक निदेशक, उद्योग (उपापन), पंजाब, चण्डीगढ़	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(ग), 24(घ) और 28 (लोहा और इस्पात तथा स्क्रैप के लिए) ।
	6. जिला उद्योग अधिकारी, पंजाब	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(ग) 24(घ) और 28 (लोहा और इस्पात तथा स्क्रैप के लिए) ।
	7. परियोजना अधिकारी, मलेर कोटला और पालमपुर ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(ग), 24(घ) और 28 (लोहा और इस्पात तथा स्क्रैप के लिए) ।
	8. सहायक जिला उद्योग अधिकारी, पंजाब ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(ग), 24(घ) और 28 (लोहा और इस्पात तथा स्क्रैप के लिए) ।
	9. पंजाब राज्य में जिला मजिस्ट्रेट ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(ग), 24(घ) और 28 (लोहा और इस्पात तथा स्क्रैप के लिए) ।
	10. सहायक कृषि इंजीनियर (उपस्कर)	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(ग), और 24(घ) ।
	11. कृषि निदेशक, पंजाब, चण्डीगढ़ ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(ग), और 24(घ) ।
	12. संयुक्त निदेशक, कृषि, पंजाब, चण्डीगढ़ ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(ग), और 24(घ) ।
	13. उप-निदेशक, कृषि, पंजाब, चण्डीगढ़ ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(ग), और 24(घ) ।
	14. कृषि इंजीनियर (उपस्कर), पंजाब ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(ग), और 24(घ) ।
	15. जिला कृषि अधिकारी, पंजाब	12(2), 24(ख), 24(ग) और 24(ख) ।
हरियाणा		जहां खण्ड 28 के अधीन शक्तियां प्रत्यायोजित की जाती हैं वहां उनका प्रयोग सभी प्रवर्गों के व्यक्तियों की बाबत किया जा सकता है किन्तु अन्य खण्डों के अधीन शक्तियों का प्रयोग निम्नलिखित प्रवर्गों के व्यक्तियों को अपवर्जित करके किया जाना चाहिए, अर्थात् :— (क) रजिस्ट्रीकृत उत्पादक । (ख) नियंत्रित स्टाकधारी । (ग) स्क्रैप व्यापारियों के रूप में कार्य करने वालों से भिन्न नियंत्रित स्रोत ।
	1. उद्योग निदेशक	10, 11, 12(1), 12(2), 14(1), 22, 23, 24(क), 24(ख), 24(ग), 24(घ), 26(1) और 28 ।
	2. संयुक्त निदेशक, उद्योग (औद्योगिक सप्लाई) ।	10, 11, 12(1), 12(2), 14(1), 22, 23, 24(क), 24(ख), 24(ग), 24(घ), 26(1) और 28 ।
	3. उप-निदेशक, उद्योग (औद्योगिक सप्लाई), हरियाणा ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(ग), 24(घ) और 28 (लोहा और इस्पात तथा स्क्रैप के लिए) ।
	4. सहायक निदेशक, उद्योग (औद्योगिक सप्लाई), हरियाणा ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(घ) और 28 (लोहा और इस्पात तथा स्क्रैप के लिए) ।
	5. विकास अधिकारी (औद्योगिक सप्लाई), हरियाणा ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(घ) और 28 (लोहा और इस्पात तथा स्क्रैप के लिए) ।

1	2	3
	6. परियोजना अधिकारी (उद्योग), हरियाणा ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(ग), 24(घ) और 28 (लोहा और इस्पात तथा स्क्रैप के लिए) ।
	7. जिला उद्योग अधिकारी, हरियाणा ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(ग), 24(घ) और 28 (लोहा और इस्पात तथा स्क्रैप के लिए) ।
	8. सहायक जिला अधिकारी, हरियाणा ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(ग), 24(घ) और 28 (लोहा और इस्पात तथा स्क्रैप के लिए) ।
चण्डीगढ़		जहां खण्ड 28 के अधीन शक्तियां प्रत्यायोजित की जाती हैं वहां उनका प्रयोग सभी प्रवर्गों के व्यक्तियों की शक्तियों बाबत किया जा सकता है किन्तु अन्य खण्डों के अधीन शक्तियों का प्रयोग निम्नलिखित प्रवर्गों के व्यक्तियों को अपवर्जित करके किया जाना चाहिए अर्थात् :— (क) रजिस्ट्रीकृत उत्पादक । (ख) नियंत्रित स्टाकधारी । (ग) स्क्रैप व्यापारियों के रूप में कार्य करने वालों से भिन्न नियंत्रित स्रोत ।
	1. गृह सचिव-एवं-उद्योग निदेशक, चण्डीगढ़ प्रशासन ।	10, 11, 12(1), 12(2), 14(1), 22, 23, 24(क), 24(ख), 24(ग), 24(घ), 26(1) और 28 ।
	2. सहायक निदेशक, उद्योग-एवं-जिला उद्योग अधिकारी, चण्डीगढ़, प्रशासन ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(ग), 24(घ) और 28 (लोहा और इस्पात तथा स्क्रैप के लिए) ।
	3. जिला मजिस्ट्रेट, चण्डीगढ़ प्रशासन ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(घ) और 28 (लोहा और इस्पात तथा स्क्रैप के लिए)।
	4. कृषि निदेशक के रूप में वित्त सचिव, चण्डीगढ़ प्रशासन ।	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(ख), 24(ग), और 24(घ) ।
	5. जिला कृषि अधिकारी, चण्डीगढ़ प्रशासन ।	12(2), 24(ख), 24(ग) और 24(घ) ।

[सं० एस० सी० (1)-(12)/75-डी०आई० ए०]

के० सी० रासाबाल, डैस्क अधिकारी

MINISTRY OF STEEL & MINES

(Department of Steel)

New Delhi, the 20th September, 1976

S.O.3554.-ESS. COMM/IRON AND STEEL—2(c).—In supersession of the notification of the Government of India, in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Iron and Steel) No. S.O. 1525/ESS. COMM/IRON AND STEEL—2(c), dated the 29th April, 1964, in so far as it relates to the State of Punjab as it existed before its re-organisation by the Punjab Re-organisation Act, 1966 (31st of 1966), and in exercise of the powers conferred by sub-clause (c) of clause 2 of the Iron and Steel (Control) Order, 1956, the Central Government hereby authorises the officers mentioned in column 2 of the schedule annexed hereto, to exercise the powers of the Iron and Steel Controller under the clauses of the said Order mentioned in column 3 thereof, with in their respective jurisdictions in the States of Punjab and Haryana and the Union territory of Chandigarh formed on such re-organisation :—

SCHEDULE

State/ Union Territory	Designation of Officers	Clauses under which they are authorised.
1	2	3
PUNJAB		Powers under clause 28 where delegated may be exercised in respect of all categories of persons but the powers under other clauses should be exercised with the exclusion of the following, categories of persons, namely :— (a) Registered Producers. (b) Controlled Stockholders. (c) Controlled Sources other than those functioning as Scrap Merchants.
	1. Director of Industries.	10, 11, 12(1), 12(2), 14(1), 22, 23, 24(a), 24(b), 24(c), 24(d), 26(1) and 28.
	2. Joint Director of Industries (Procurement) and State Steel Controller, Punjab.	10, 11, 12(1), 12(2), 14(1), 22, 23, 24(a), 24(b), 24(c), 24(d), 26(1) and 28.
	3. Deputy Director of Industries (Industrial Supplies) Punjab, Chandigarh.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(c), 24(d) and 28 (for Iron and Steel and Scrap).
	4. Assistant Director of Industries (Industrial Supplies), Punjab, Chandigarh.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(d) and 28 (for Iron and Steel and Scrap).
	5. Assistant Director of Industries (Procurement), Punjab, Chandigarh.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(c), 24(d) and 28 (for Iron and Steel and Scrap).
	6. District Industries Officers, Punjab.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(c), 24(d) and 28 (for Iron and Steel and Scrap).
	7. Project Officers, Malerkotla and Palampur.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(c), 24(d) and 28 (for Iron and Steel and Scrap).
	8. Assistant District Industries Officers, Punjab.	10, 11, 12(2) 22, 23, 24(b), 24(c), 24(d) and 28 (for Iron and Steel and Scrap).
	9. District Magistrates in the State of Punjab.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(c), 24(d) and 28 (for Iron and Steel and Scrap).

1	2	3
	10. Assistant Agricultural Engineer (Implements).	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(c) and 24(d).
	11. Director of Agriculture, Punjab, Chandigarh.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(c) and 24(d).
	12. Joint Director of Agriculture, Punjab, Chandigarh.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(c) and 24(d).
	13. Deputy Director of Agriculture, Punjab, Chandigarh.	10, 11, 12(2) 22, 23, 24(b), 24(c) and 24(d).
	14. Agricultural Engineer (Implements), Punjab.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(c) and 24(d).
	15. District Agriucltural Officers, Punjab.	12(2), 24(b), 24(c) and 24(d).
HARYANA		Powers under clause 28 where delegated may be exercised in respect of all categories of persons but the powers under other clauses should be exercised with the exclusion of the following categories of persons, namely :— (a) Registered Producers. (b) Controlled Stockholders. (c) Controlled Sources other than those functioning as Scrap Merchants.
	1. Director of Industries.	10, 11, 12(1), 12(2), 14(1), 22, 23, 24(a), 24(b), 24(c), 24(d), 26(1) and 28.
	2. Joint Director of Industries (Industrial Supplies).	10, 11, 12(1), 12(2), 14(1), 22, 23, 24(a), 24(b), 24(c), 24(d), 26(1) and 28.
	3. Deputy Director of Industries (Industrial Supplies), Haryana.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(c), 24(d) and 28 (for Iron and Steel and Scrap).
	4. Assistant Director of Industries (Industrial Supplies), Haryana.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(d) and 28 (for Iron and Steel and Scrap).
	5. Development Officer, (Industrial Supplies), Haryana.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(c) and 28 (for Iron and Steel and Scrap).
	6. Project Officers (Industries), Haryana.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(c), 24(d) and 28 (for Iron and Steel and Scrap).
	7. District Industries Officers, Haryana.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(c), 24(d) and 28 (for Iron and Steel and Scrap).
	8. Assistant District Industries Officers, Haryana.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(c), 24(d) and 28 (for Iron and Steel and Scrap).
CHANDIGARH		Powers under clause 28 where delegated may be exercised in respect of all categories of persons but the powers under other clauses should be exercised with the exclusion of the following categories of persons, namely :— (a) Registered Producers. (b) Controlled Stockholders. (c) Controlled Sources other than those functioning as Scrap Merchants.
	1. Home Secretary-cum-Director of Industries, Chandigarh Administration.	10, 11, 12(1), 12(2), 14(1), 22, 23, 24(a), 24(b), 24(c), 24(d), 26(1), and 28.
	2. Asstt. Director of Industries-cum-District Industries Officer, Chandigarh Administration.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(c), 24(d) and 28 (for Iron and Steel and Scrap).
	3. District Magistrate, Chandigarh Administration.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(d) and 28 (for Iron and Steel and Scrap).
	4. Finance Secretary as Director of Agriculture, Chandigarh Administration.	10, 11, 12(2), 22, 23, 24(b), 24(c) and 24(d).
	5. Distt. Agriculture Officer, Chandigarh Administration.	12(2), 24(b), 24(c), and 24(d).

[No. SC(I)-1 (12)/75-DIA]
K.C. RATAWAL, Desk Officer

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1976

का० आ० 3355.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई, भारत सरकार के इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1739, तारीख 25 जून, 1974 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पुनःवर्णित परिक्षेत्र में 5525.42 एकड़ (लगभग) या 2237.80 हेक्टर (लगभग) माप वाली भूमियों में कोयले के लिए पूर्वेक्षण करने के आशय की सूचना दी थी;

और उक्त भूमियों की बाबत, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन कोई सूचना नहीं दी गई है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 25 जून, 1976 से प्रारम्भ होने वाली एक और वर्ष की अवधि को उस अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है, जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार उक्त भूमियों को या उक्त भूमियों में या उन पर किन्हीं अधिकारों को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दे सकेगी।

अनुसूची

रामीगंज कोयला/क्षेत्र खंड XI

ड्राइंग सं० राजस्व /5/74

दिनांक 7-2-1975

(पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित भूमि)

क्रम सं०	मौजा	थाना संख्या	पुलिस स्टेशन (थाना)	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1	2	3	4	5	6	7
1.	उखरा	18	ओण्डाल	बर्दवान		आंशिक
2.	बालीजुरी	16	फरीदपुर	बर्दवान		आंशिक
3.	सिरसा	17	फरीदपुर	बर्दवान		आंशिक

1	2	3	4	5	6	7
4.	नवधनपुर	19	फरीदपुर	बर्दवान		आंशिक
5.	तिलबानी	20	,,	,,		पूर्ण
6.	लौडोहा	21	,,	,,		पूर्ण
7.	चक लौडोहा	22	,,	,,		पूर्ण
8.	जमगरा	23	,,	,,		आंशिक
9.	मधाइगंज	24	,,	,,		आंशिक
10.	बन्सिया	31	,,	,,		आंशिक
11.	श्यामपुर	32	,,	,,		आंशिक
12.	झांजरा	33	,,	,,		आंशिक
13.	भद्रपुर	34	,,	,,		आंशिक
14.	सारपी	35	,,	,,		आंशिक
15.	केन्दुआ	36	,,	,,		आंशिक
16.	इच्छापुर	50	,,	,,		आंशिक
17.	अमलोका	51	,,	,,		आंशिक
18.	बंगारी	52	,,	,,		आंशिक

कुल क्षेत्र 5525.42 एकड़ (लगभग)
अथवा 2237.80 हैक्टेयर्स (लगभग)

सीमा ब्यौरा

ए-बी-सी-डी	लाइनें ग्राम उखरातथा अबलोका से होकर गुजरती है और 'डी' बिन्दु पर मिलती है।
डी-ई	लाइन ग्राम बंगारी तथा इच्छापुर से होकर गुजरती है और 'ई' बिन्दु पर मिलती है।
ई-एफ	लाइन ग्राम केन्द्र तथा चंपावड़ी, सारपी तथा चपावादी की सम्मिलित सीमा से होकर गुजरती है और बिन्दु 'एफ' पर मिलती है।
एफ-जी-एच	लाइन ग्राम सारपी तथा बांसगारा की सम्मिलित सीमा से तथा ग्राम भद्रपुर से होकर गुजरती है और बिन्दु 'एच' पर मिलती है।
एच-आई-जे-के एल-एम	लाइनें ग्राम झांजरा और भद्रपुर का अंशतः सम्मिलित सीमा के साथ तथा ग्राम भद्रपुर झांजरा, श्याम पुर, बन्सिया तथा जमगरा से होकर गुजरती है और बिन्दु 'एम' पर मिलती हैं।
एम-एन	लाइन ग्राम जमगरा तथा मधाईगंज से होकर गुजरती है और बिन्दु 'एन' पर मिलती है।
एन-ओ	लाइन ग्राम बालीजुरी, सिरसा तथा नवधनपुर से होकर गुजरती है तथा बिन्दु 'ओ' पर मिलती है।
ओ-पी	लाइन ग्राम नवधनपुर तथा कोनारडीही की अंशतः सम्मिलित सीमा के साथ-साथ गुजरती है और बिन्दु 'पी' पर मिलती है।
पी-क्यू-आर-एस-टी-यू-वी	लाइनें ग्राम नवधनपुर, झांजरा और सारपी से होकर गुजरती है और बिन्दु 'वी' पर मिलती है।
वी-डब्ल्यु-एक्स	लाइन ग्राम सरपी, केन्दुआ, सरपी, इच्छापुर तथा अमलोका से होकर गुजरती है और बिन्दु 'एक्स' पर मिलती है।
एक्स-वाई-ए	लाइनें ग्राम अम्लोका तथा उखरा से होकर गुजरती हैं और बिन्दु 'ए' पर मिलती हैं।

[सं० 19(45)/76-सीईएल]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 17th September 1976

S.O.3355.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Steel and Mines (Department of Mines) Number S.O. 1739, dated the 25th June, 1975, issued under sub-Section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in lands measuring 5525.42 acres (approximately) or 2237.80 hectares (approximately) in the locality specified in the Schedule appended to that notification and reproduced in the Schedule appended hereto ;

And whereas in respect of the said lands, no notice under sub-section (1) of section 7 of the said Act has been given;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the said sub-section (1) of section, 7, the Central Government hereby specifies a further period of one year commencing from the 25th June, 1976, as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands.

SCHEDULE

RANI GANJ COALFIELD

BLOCK—XI

DRG. No. Rev./5/74
Dated 7-12-1975
(Showing lands notified for prospecting)

Serial Number	Mouza (Village)	Thana Number	Police Station (Thana)	District	Area	Remarks
1.	Ukhra	18	Ondal	Burdwan		Part
2.	Balijuri	16	Faridpur	-do-		Part
3.	Sirsha	17	,,	-do-		Part
4.	Nabaghanapur	19	,,	-do-		Part
5.	Tilabani	20	,,	-do-		Full
6.	Loudoha	21	,,	-do-		Full
7.	Chaklaudoha	22	,,	-do-		Full
8.	Jamgara	23	,,	-do-		Part
9.	Madhalganja	24	,,	-do-		Part
10.	Bansia	31	,,	-do-		Part
11.	Shyampur	32	,,	-do-		Part
12.	Jhanjara	33	,,	-do-		Part
13.	Bhadrapur	34	,,	-do-		Part
14.	Sarpi	35	,,	-do-		Part
15.	Kenda	36	,,	-do-		Part
16.	Ichhapur	50	,,	-do-		Part
17.	Amloka	51	,,	-do-		Part
18.	Bangari	52	,,	-do-		Part

Total Area : 5525.42 acres (Approx.)
or 2237.80 Hectares (Approx.)

BOUNDARY DESCRIPTION :

A.B.C.D.	Lines pass through mouzahs Ukhra and Amloka and meet at point 'D'.
D.E.	Line passes through mouzahs Bangari and Ichhapur and meets at point 'E'.
E.F.	Line passes along the common boundary of mouzahs Kendua and Chapabandi, Sarpi and Chapabandi and meets at point 'F'.
F.G.H.	Lines pass along the common boundary of mouzahs Sarpi and Bansgara and through mouzah Bhadrapur and meet at point 'H'.
H.I.J.K.L.M.	Lines pass along the part common boundary of mouzahs Jhanjara and Bhadrapur and pass through mouzahs Bhadrapur, Jhanjara,

	Shyampur, Bansia dnd Jamgara and meet at point 'M'.
M.N.	Line passed through mouzahs Jamgara and Madhaiganj and meets at point 'N'.
N.O.	Line passes through mouzahs Balijuri, Sirsha and Nabaghanapur and meets at point 'O'.
O.P.	Line passes along part common boundary of mouzahs Nabaghanapur and Kondardih and meets at point 'P'.
P.Q.R.S.T.U.V.	Lines pass through mouzahs Nabaghanapur, Jhanjara and Sarpi and meet at point 'V'.
V.W.X.	Lines pass through mouzahs Sarpi, Kendua, Sarpi, Ichhapur and Amloka and meet at point 'X'.
X.Y.A.	Lines pass through mouzahs Amloka and Ukhra and meet at Point 'A'.

[No. 19(45)/76-CEL]

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1976

का०आ० 3556.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 549, तारीख 27 जनवरी, 1975 द्वारा, उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में कोयले के लिये पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमियों में से खण्ड सं० 5 में की भूमियों में 629.00 एकड़ (लगभग) या 254.54 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमि में कोयला अभिप्राप्य है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित 629.00 एकड़ (लगभग) या 254.54 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमियों में खनिजों के खनन, खदान, वेधन, उनकी खुदाई और तलाशी करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ढोने के अधिकारों को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना देती है।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण कलक्टर का कार्यालय, सम्बलपुर (उड़ीसा) में या कोयला नियंत्रक का कार्यालय, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता में या वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) का कार्यालय, बिसेसर हाउस, टेम्पल रोड, नागपुर (महाराष्ट्र) में किया जा सकेगा।

कोयला नियंत्रक 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

अनुसूची

खण्ड सं० 5

ईबनदी कोयला क्षेत्र

(उड़ीसा)

डी आर जी सं० ओ सी 87, तारीख 8-4-1976
(जिसमें अर्जित की जाने वाली भूमियां दर्शित हैं)

खनन अधिकार

क्रम सं०	ग्राम का नाम	ग्राम सं	थाना	जिला	एकड़ों में क्षेत्र	टिप्पणियां
1.	लाजकुरा	17	बजराजनगर	सम्बलपुर	387.11 (लगभग)	भाग
2.	छुआलीबेरना	18	,,	,,	183.00 (लगभग)	,,
3.	जोब (सान)	19	,,	,,	58.89 (लगभग)	,,

कुल क्षेत्र : 629.00 एकड़ (लगभग)
या 254.54 हेक्टेयर (लगभग)

लाजकुरा ग्राम में अर्जित किये जाने वाले प्लाटों की संख्याएं :— 1,2,3/पी, 4, 5/पी, 6, 7/पी, 8/पी, 10/पी, 131/पी, 132, 133, 134, 135/पी, 136/पी, 137,/पी, 138/पी, 139/पी, 341/पी, 342/पी, 343/पी ।

छुआलीबेरना ग्राम में अर्जित किये जाने वाले प्लाटों की संख्याएं :— 918/पी, 929/पी, 948/पी, 949/पी, 950/पी, 951/पी, 952/पी, 953/पी, 955/पी. 956/पी, 965/पी, 971/पी. 972/पी, 973/पी, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984. 985, 986, 987/पी, 988/पी, 991/पी, 992, 993, 994/पी, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049 ,1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062/पी, 1063/पी, 1066/पी, 1068/पी, 1972, 1074/पी, 1135/पी, 1135, 1137/पी. ।

जोब (सान) ग्राम में अर्जित किये जाने वाले प्लाटों की संख्याएं :— 1, 2/पी, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16/पी, 18/पी, 19, 20, 21/पी, 22/पी, 37/पी, 38, 39, 40/पी, 41, 42, 43/पी, 44/पी, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80/पी, 83/पी, और 268/पी ।

सीमा वर्णन :—

ए-बी	लाइन लाजकुरा और छुआलीबेरना ग्राम से होते हुए जाती है और ओरियन्ट कोलियरी की विद्यमान खनन पट्टा सीमा पर बिन्दु 'बी' पर मिलती है।
बी-सी	लाइन छुआलीबेरना ग्राम सीमा और ओरियन्ट कोलियरी खनन पट्टा सीमा के साथ-साथ भागतः जाती है और बिन्दु 'सी' पर मिलती है।
सी-डी-ई-एफ	लाइन जोब (सान) ग्राम से और ओरियन्ट कोलियरी खनन पट्टा सीमा के साथ-साथ भागतः जाती है।
एफ-ए	लाइन लाजकुरा ग्राम से होते हुए जाती है और प्रारम्भ बिन्दु 'ए' पर मिलती है।

[सं० सी० 5-4(24)/74-सीएल]

चन्द्रधर त्रिपाठी, निदेशक

New Delhi, the 23rd September, 1976

S.O. 3556.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 549 dated 27th January, 1975, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in the lands specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in the lands in Block No. 5, measuring 629.00 acres (approximately) or 254.54 hectares (approximately) out of the said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire rights to mine quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 629.00 acres (approximately) or 254.54 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto.

The Plans of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Sambalpur (Orissa) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the Office of the Western Coal fields Limited (Revenue Section), Bisesar House, Temple Road, Nagpur (Maharashtra).

The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

SCHEDULE

Block No. 5

Ib—River Coalfield

(ORISSA)

DRG. NO. O.C. 87

Dated : 8-4-1976

(showing lands to be acquired)

MINING RIGHTS

Sl. No.	Name of village	Village number	Thana	District	Area in acres	Remarks
1.	Lajkura	17	Brajrajnagar	Sambalpur	387.11 (approx.)	Part
2.	Chhualiberna	18	„	„	183.00 (approx.)	Part
3.	Job (San)	19	„	„	58.89 (approx.)	Part
					Total area :—629.00 acres (approximately) or 254.54 hectares (approximately).	

Plot numbers to be acquired in village Lajkura :

1, 2, 3/P, 4, 5/P, 6, 7/P, 8/P, 10/P, 131/P, 132, 133, 134, 135/P, 136/P, 137/P, 138/P, 139/P, 341/P, 342/P, 343/P, 344/P, 345/P, and 346/P.

Plot numbers to be acquired in village Chhualiberna :

918/P, 929/P, 948/P, 949, 950/P, 951/P, 952/P, 953/P, 955/P, 956/P, 965/P, 971/P, 972/P, 973/P, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987/P, 988/P, 991/P, 992, 993, 994/P, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 101, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 10276, 107, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062/P, 1063/P, 1066/P, 1068/P, 1072, 1074/P, 1135/P, 1136, 1137/P.

Plot numbers to be acquired in village Job (San) :

1, 2/P, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16/P, 18/P, 19, 20, 21/P, 22/P, 37/P, 38, 39, 40/P, 41, 42/P, 43/P, 44/P, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80/P, 83/P and 268/P.

Boundary Description :

A–B	Line passes through village Lajkura and Chhualiberna and meets at point 'B' on the existing mining lease boundary of Orient Colliery.
B–C	Line passes partly along village boundary of Chhualiberna and mining lease boundary of Orient Colliery and meets at point 'C'.
C–D–E–F	Line passes partly through village Job (San) and along mining lease boundary of Orient Colliery.
F–A	Line passes through village Lajkura and meets at starting point 'A'.

[No. 5-4(24)/96--CL]

C.D. TRIPATHI, Director

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1976

का० आ० 3557.—केन्द्रीय सरकार, लोक परिसर (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्न सारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट अधिकारी को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी की पंक्ति का समकक्ष अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए, सम्पदा अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है और उक्त अधिकारी उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट लोक परिसरों के संबंध में अपनी अधिकारिता की स्थानीय परिसीमाओं के भीतर इस अधिनियम द्वारा या के अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेगा और उन पर अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

सारणी

अधिकारी का पदनाम	लोक परिसरों के प्रवर्ग और अधिकारिता की स्थानीय परिसीमाएं
(1)	(2)
संस्थान इंजीनियर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास।	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास से संबंधित या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए हुए या अधिग्रहण किए गए परिसर और जो उसके प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन हैं।

[सं० एफ० 2-2/76-टी-6]

एस० वेंकटनाथन उप-शिक्षा सलाहकार (टी)

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE

(Deptt. of Education)

New Delhi, the 16th September, 1976

S.O. 3557.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (i) of the Table below, being the officer, equivalent to the rank of a gazetted officer of Government, to be the Estate Officer for the purposes of the Said Act,

who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officer by or under the said Act, within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of the Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
(1)	(2)
Institute Engineer, Indian Institute of Technology, Madras.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by, or on behalf of, the Indian Institute of Technology, Madras, and which are under its administrative control.

[No. F. 2-2/76-T. 6]

S. VEDANTHAM, Deputy Educational Adviser(T)

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1976

का० आ० 3558.—का०आ० 2868 नाविक भविष्य निधि योजना के पैरा 44 के साथ पठित नाविक भविष्य निधि अधिनियम, 1966 (1966 का 4) की धारा 4 की उपधारा (3) के अनुसरण में, और भारत सरकार, नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं० का० आ० 2868 दिनांक 21-7-76 के क्रम में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निर्देश देती है कि भविष्य निधि अंशदान ब्याज और अन्य प्राप्तियों को अनिवार्य व्यय कम करने से हुई हों, के संचयन का निम्नलिखित ढंग से निवेश किया जायेगा :—

(1) केन्द्रीय सरकार द्वारा सृजित और निर्गत सरकारी ऋण अधिनियम, 1944 (1944 का 18) की धारा 2 के खण्ड (2) में यथा परिभाषित सरकारी जमानतें ।	25 प्रतिशत से कम नहीं
(2) किसी राज्य सरकार द्वारा सृजित और निर्गत सरकारी ऋण, अधिनियम, 1944 (1944 का 18) की धारा 2 से खण्ड (2) में यथा परिभाषित सरकारी जमानतें ।	25 प्र० श० से कम नहीं
(3) कोई अन्य विनियम जमानतें अथवा बंध पत्र, जिसका मूलधन और उस पर ब्याज की बिना शर्त केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार द्वारा पूरी तरह गारंटी शुदा हो ।	
(4) 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (दूसरा और तीसरा निर्गमन) अथवा डाकघर सावधिक जमा ।	30 प्र० श० से अधिक नहीं
(5) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (अर्थ कार्य विभाग) की अधिसूचना सं० एफ 16(1)-पी डी/75 दिनांक 30-6-75 द्वारा शुरू की गई विशेष जमा योजना ।	20 प्र० श० से अधिक नहीं

उपरोक्त पद्धति 1 सितम्बर, 1976, 30 नवम्बर, 1976 तक की अवधि के लिये लागू होगी ।

भविष्य निधि संचयन का सभी पुनर्निवेश भी उपरोक्त पैरा (1) में उल्लिखित पद्धति के अनुसार किया जायेगा ।

[एम० एस० डब्लू०(18)/76 एम० टी]

दीवान चन्द अहीर, अवर सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, 21st September, 1976

S.O. 3558.—In pursuance of sub-section (3) of section 4 of the Seamen's Provident Fund Act, 1966 (4 of 1966) read with paragraph 44 of the Seamen's Provident Fund Scheme, 1966, and in continuation of the notification of the Govt. of India, in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S.O. 2868 dated 21-7-1976, the Central Government hereby directs that accumulations out of provident fund contributions, interest and other receipts as reduced by obligatory outgoings, shall be invested in accordance with the following pattern, namely :—

(i) Government securities as defined in Clause (2) of Section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by the Central Government.	Not less than 25%
(ii) Government securities as defined in clause (2) of section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by any State Government.	Not less than 25%
(iii) Any other negotiable securities or bonds, the principal whereof and interest whereon is fully and unconditionally guaranteed by the Central Government or any State Government.	
(iv) 7-year National Saving Certificates (Second Issue and Third Issue) or Post Office Time Deposits.	Not exceeding 30%
(v) Special Deposit Scheme introduced by the notification of the Govt. of India in the Ministry of Finance (Deptt. of Economic Affairs) No. F. 16(i)-ID/75, dated 30-6-1975.	Not exceeding 20%

The above pattern will be in force for the period from the 1st September, 1976 to 30th November, 1976.

2. All re-investment of provident fund accumulations shall also be made according to the pattern mentioned in paragraph 1 above.

[No. MWS(18)/76-MT]

D.'C. AHIR, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1976

का० आ० 3559.—केन्द्रीय सरकार, डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 8 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) नियम, 1962 में संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती हैं, अर्थात् :—

1 (1) इन नियमों का नाम डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) संशोधन नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) नियम, 1962 में, नियम 3 में, उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जायेगा, अर्थात् :—

"(2) बोर्ड का अध्यक्ष केन्द्रीय सरकार द्वारा सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों में से नामनिर्देशित किया जायेगा और उसका केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे निबन्धनों तथा शर्तों पर, जो केन्द्रीय सरकार अवधारित करे, नियुक्त एक पूर्णकालिक या अंशकालिक उपाध्यक्ष होगा।"

[सं० एल० डी० ओ०/92/76]

बी० संकालिंगम, अवर सचिव

New Delhi, the 20th September, 1976

S.O. 3559.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 8 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Dock Workers (Regulation of Employment) Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Dock Workers (Regulation of Employment) Amendment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Dock Workers (Regulation of Employment) Rules, 1962, in rule 3, for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(2) The Chairman of the Board shall be nominated by the Central Government from among the members representing the Government and there shall be a whole-time or a part-time Deputy Chairman appointed by the Central Government on such terms and conditions as the Central Government may determine."

[No. LDO/92/76]

V. SANKARALINGAM, Under Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1976

का०आ० 3560.—यथा संशोधित प्रेस तथा पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 की धारा 8(ग) की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अपर सचिव श्री के० एन० प्रसाद को, श्री एस० एम० एच० बर्नी के स्थान पर प्रेस तथा पंजीकरण अपील बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करती है।

[फाइल सं० 10/17/76-प्रेस]

एस० रामस्वामी, अवर सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 4th September, 1976

S.O. 3560.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 8-C of the Press and Registration of Books Act, 1867, as amended, the Central Government hereby appoints Shri K. N. Prasad Additional Secretary to the Government of India, Ministry of Information and Broadcasting as Chairman of the Press and Registration Appellate Board *vice* Shri S. M. H. Burney.

[F. No. 10/17/76-Press]

S. RAMASWAMY, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1976

का०आ० 3561.—चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 3 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार फिल्म प्रभाग के मुख्य चीफ प्रोड्यूसर श्री के० एल० खांडपुर को 30 जून, 1976 के अपराह्न से अगले आदेश तक फिल्म सेंसर बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करती है।

[संख्या 2/39/76-एफ० सी०]

सान्याल घोष, उप-सचिव

New Delhi, the 24th September, 1976

S.O. 3561.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Cinematograph Act, 1952, (37 of 1952), the Central Government are pleased to appoint Shri K. L. Khandpur, Chief Producer in the Films Division, as Chairman Board of Film Censors, with effect from the afternoon of 30th June, 1976, until further orders.

[No. 2/39/76-FG]

S. GHOSE, Dy. Secy.

पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1976

का०आ० 3562.—वायुयान नियम, 1937 के नियम 3 के उपनियम (2-क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार महानिदेशक सिविल उड्डयन की उन शक्तियों का (जो इससे उपाबद्ध द्वितीय अनुसूची में अधिक विनिर्दिष्ट रूप से वर्णित हैं) जो प्रथम अनुसूची के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट हैं, प्रयोग करने के लिऐ उपाबद्ध प्रथम अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट अधिकारियों को प्राधिकृत करती है।

प्रथम अनुसूची

प्राधिकारी का पदनाम	द्वितीय अनुसूची की शक्तियां, जिनका प्रयोग किया जाना है
(1)	(2)
उप महानिदेशक, सिविल विमानन	1 से लेकर 53 तक, 55 से लेकर 72 तक
निदेशक, प्रशिक्षण और अनुज्ञापन	64
निदेशक, वैमानिक निरीक्षण	1 से लेकर 6 तक, 8 से लेकर 35 तक, 40 से लेकर 41 तक, 43 से लेकर 49 तक, 51, 52, 55 से लेकर 72 तक
निदेशक, वायुयान निरीक्षण	3,10 से लेकर 24 तक, 27, 30, 32, 33, 34, 44, 57, 62, 68 से लेकर 71 तक
संचार निदेशक	4, 44, 64
निदेशक, विमान मार्ग और विमान क्षेत्र (प्रचालन)	64
निदेशक वायु परिवहन	64
निदेशक, अनुसंधान और विकास	3, 4, 5, 6, 8, 9, 10, 23, 24, 34, 40, 41, 44
निदेशक वायु सुरक्षा	44, 45
प्रादेशिक निदेशक	9, 11, 13 से लेकर 15 तक, 17 से लेकर 21 तक, 23, 27, 30, 32, 33, 34, 35, 44, 45, 46, 57, 62, 68, 71
उप निदेशक, वैमानिक निरीक्षण	9, 10, 11, 13 से लेकर 23 तक, 27, 29, 30, 32, 43 से लेकर 46 तक, 47 से लेकर 49 तक, 57, 60, 61, 62, 65, 68 से लेकर 71 तक
उप निदेशक, अनुसंधान और विकास	9, 10, 23, 24, 44
उप निदेशक, वायु सुरक्षा	44, 45
सहायक निदेशक, वायु सुरक्षा	44
ज्येष्ठ वायु सुरक्षा अधिकारी	44
नियंत्रक, वैमानिक निरीक्षण	9, 11, 13, 14, 15, 17, 18, 19 से लेकर 21 तक, 23, 27, 30, 32 से लेकर 34 तक, 44, 45, 46, 57, 62, 68, 71
ज्येष्ठ वायुयान निरीक्षक (मुख्यालय में)	10, 11 [15000 कि० ग्रा० तक (ए० यू० डब्लू सहित) के वायुयान के लिये निर्बन्धित], 13 से लेकर 15 तक, 17, 19 से लेकर 22 तक, 30, 32, 44, 57, 62, 68, 71

1	2
निरीक्षण कार्यालय के भारसाधक ज्येष्ठ वायुयान निरीक्षक	11 [15,000 कि० ग्रा० तक (ए० यू० डब्लू सहित) के वायुयान के लिये निर्बन्धित], 13, 14, 15, 17, 19, 20, 21, 30, 32, 44, 45, 57, 62, 68, 71
ज्येष्ठ वायुयान निरीक्षक	11 [15,000 कि० ग्रा० तक (ए० यू० डब्लू सहित) के वायुयान के लिये निर्बन्धित], 13, 14, 15, 17, 19, 20, 21, 30, 32, 44, 62, 71
निरीक्षण कार्यालय का भारसाधक वायुयान निरीक्षक	11 [20,000 कि० ग्रा० तक (ए० यू० डब्लू सहित), के वायुयान के लिये निर्बन्धित], 13, 15, 17, 19, 20, 21, 30, 32, 44, 62, 71
वायुयान निरीक्षक	11 [20,000 कि० ग्रा० तक (ए० यू० डब्लू सहित) के वायुयान के लिये निर्बन्धित], 13, 15, 19, 20 30, 44, 62, 71
सहायक वायुयान निरीक्षक	44, 62, 71

द्वितीय अनुसूची

क्रम सं०	नियम जिसके द्वारा शक्ति प्रदान की गई है	शक्ति की प्रकृति
1	2	3
	सामान्य	
1.	नियम 7-ख	भारत में रजिस्ट्रीकृत वायुयान की बाबत चालक स्थान (काकपिट) पड़ताल सूची और आपात पड़ताल सूची को विनिर्दिष्ट करना।
	वायुयान का रजिस्ट्रीकरण	
2.	नियम 37 का उपनियम (2) (क) और (2) (ख)	राष्ट्रिकता और रजिस्ट्रीकरण चिह्नों को लगाने का प्रकार और रीति विनिर्दिष्ट करना।
	उड्डयन योग्यता और वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर	
3.	नियम 49 का उपनियम (1) और नियम 49क	यह निदेश करना कि वायुयान की उड्डयन योग्यता के प्रमाण-पत्र को जारी करने, नवीकरण करने या उसकी निरन्तर विधिमान्यता बनाये रखने के लिये पूर्व-अपेक्षा के रूप में, भारत में डिजाइन किये गए, विनिर्मित किये गये, बेचे गये या वितरित किये गये वायुयान, वायुयान संघटक या उपस्कर की वस्तु के लिये एक टाइप प्रमाण-पत्र होगा।
4.	नियम 49 का उपनियम (3) और नियम 49-क का उपनियम (2) तथा नियम 49ख	टाइप प्रमाणपत्र को जारी करना उसे विधिमान्य करना, तथा इस प्रयोजन के लिये आवश्यक दस्तावेजें तथा अन्य साक्ष्य विनिर्दिष्ट करना।
5.	नियम 49ख का परन्तुक	इस नियम के उपबन्ध से किसी वायुयान, वायुयान संघटक या उपस्कर की वस्तु को छूट देना।
6.	नियम 49ग	टाइप प्रमाणपत्रों को, चाहे वे जारी किये गये हों या विधिमान्य किये गये हों, एक अथवा अधिक प्रवर्गों में समूहित करना।
7.	नियम 49घ	किसी वायुयान, वायुयान संघटक या उपस्कर की वस्तु के टाइप प्रमाणपत्र को, जो जारी किया गया है या विधिमान्य किया गया है, रद्द करना।
8.	नियम 49घ	किसी वायुयान, वायुयान संघटक या उपस्कर की वस्तु के टाइप प्रमाणपत्र को, जो जारी किया गया है या विधि मान्य किया गया है, निलम्बित या समर्थित करना।
9.	नियम 49घ	किसी टाइप प्रमाणपत्र की जो जारी किया गया है या विधि मान्य किया गया है, निरन्तर विधिमान्यता के लिये एक शर्त के रूप में वायुयान, वायुयान संघटक या उपस्कर की वस्तु में किसी उपान्तरण के निगम की अपेक्षा करना।
10.	नियम 50 का उपनियम (2) और (3)	किसी वायुयान की बाबत उड्डयन योग्यता प्रमाणपत्र को जारी करना, उसका नवीकरण करना या उसे विधिमान्य करना, और इस प्रयोजन के लिये दस्तावेजें अथवा अन्य साक्ष्य या तकनीकी आंकड़े विनिर्दिष्ट करना।
11.	नियम 50 का उपनियम (2)	किसी वायुयान की बाबत उड्डयन योग्यता प्रमाणपत्र का नवीकरण करना और इस प्रयोजन के लिये दस्तावेजें तथा अन्य साक्ष्य विनिर्दिष्ट करना।
12.	नियम 50 का उपनियम (4)	किसी वायुयान के उड्डयन योग्यता प्रमाणपत्र को एक या अधिक प्रवर्गों में जारी करना, उसका नवीकरण करना या उसे विधि-मान्य करना।
13.	नियम 50 का उपनियम (5)	किसी वायुयान के उड्डयन योग्यता प्रमाणपत्र की विधिमान्यता की की अवधि को विनिर्दिष्ट करना।

1	2	3
14.	नियम 50 का उपनियम (5)	किसी वायुयान का निरीक्षण करने के लिये किसी व्यक्ति को प्राधिकृत करना ।
15.	नियम 50 का उपनियम (5)	जब वायुयान उड़ रहा है तब उसकी परीक्षा करने की अपेक्षा करना।
16.	नियम 50क का उपनियम (1)	किसी वायुयान के किसी विशिष्ट टाइप या वर्ग के उड्डयन योग्यता प्रमाणपत्र की बाबत शर्तें विनिर्दिष्ट करना ।
17.	नियम 50क का उपनियम (1)	किसी वायुयान के किसी विशिष्ट टाइप या वर्ग के उड्डयन योग्यता प्रमाणपत्र की बाबत मानक विनिर्दिष्ट करना ।
18.	नियम 50क का उपनियम (2)	वायुयान की उड्डयन योग्यता के प्रमाणपत्र के प्रवृत्त रहने के लिये वायुयान, उसके संघटक या उसके उपस्कर की वस्तु में उपान्तरण के निगमन की अपेक्षा करना ।
19.	नियम 50क का उपनियम (2)	वायुयान की उड्डयन योग्यता प्रमाणपत्र के प्रवृत्त रहने के लिये, वायुयान या उसके संघटक या उपस्कर की किसी वस्तु में मरम्मत किये जाने की अपेक्षा करना अथवा वायुयान के संघटक या उपस्कर की किसी वस्तु के प्रतिस्थापन की अपेक्षा करना ।
20.	नियम 50क का उपनियम (2)	वायुयान की उड्डयन योग्यता प्रमाण-पत्र के प्रवृत्त रहने के लिये, वायुयान या उसके संघटक या उपस्कर की किसी वस्तु के निरीक्षण की अपेक्षा करना ।
21.	नियम 50क का उपनियम (2)	वायुयान की उड्डयन योग्यता प्रमाणपत्र के प्रवृत्त रहने के लिये, वायुयान या उसके संघटक या उपस्कर की किसी वस्तु के ओवरहाल की अपेक्षा करना ।
22.	नियम 51	उड्डयन मैनुअल ले जाने के लिये उड्डयन योग्यता प्रमाणपत्र को पृष्ठांकित करना ।
23.	नियम 52 का उपनियम (3)	वायुयान, वायुयान संघटक या उपस्कर की वस्तु की बाबत उपान्तरण का अनुमोदन करना और उसके लिये साक्ष्य विनिर्दिष्ट करना ।
24.	नियम 52 का उपनियम (5)	वायुयान, वायुयान संघटक या उपस्कर की वस्तु की बाबत मरम्मत सम्बन्धी स्कीमों को अनुमोदित करना और उसके लिये साक्ष्य विनिर्दिष्ट करना ।
25.	नियम 52 का उपनियम 5 (क) और 5 (ख)	किसी बड़े नुकसान या किसी बड़ी त्रुटि को पूरा करने के पश्चात् अपेक्षित प्रमाणन की रीति विनिर्दिष्ट करना।
26.	नियम 52 का उपनियम (6) और (7)	किसी वायुयान, संघटक या उपस्कर की वस्तु को उपान्तरित या उसकी मरम्मत कर दिये जाने के पश्चात् जारी किये गये प्रमाणपत्र के प्ररूप, रीति, वितरण या परिरक्षण को विनिर्दिष्ट करना और इस प्रयोजन के लिये अनुदेशों को विनिर्दिष्ट या अनुमोदित करना ।
27.	नियम 53 का उपनियम (1)	निरीक्षण और प्रमाणन के उत्तरदायी, अनुज्ञप्त/अनुमोदित/ प्राधिकृत व्यक्तियों को विनिर्दिष्ट करना।
28.	नियम 53 का उपनियम (3)	व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग को नियम 53 के परन्तुक से पूर्णतः या अंशतः छूट देना ।
29.	नियम 53क	वायुयान, वायुयान संघटक तथा उपस्कर की वस्तु या वायुयान में प्रयुक्त या प्रयोग के लिये आशयित किसी अन्य सामग्री के विनिर्माण और वितरण के लिये जारी किये जाने के लिये अपेक्षित प्रमाण-पत्रों की प्रतियों के प्ररूप और रीति, वितरण तथा परिरक्षण को विनिर्दिष्ट करना ।
30.	नियम 55 के उपनियम (2) का खंड (क)	उड्डयन योग्यता प्रमाण-पत्र को निलम्बित करना।
31.	नियम 55 के उपनियम (2) का खंड (क)	उड्डयन योग्यता प्रमाणपत्र को रद्द करना ।
32.	नियम 55 के उपनियम (2) का खंड (ख)	यह विनिर्दिष्ट करना कि उड्डयन योग्यता प्रमाणपत्र के प्रवृत्त रहने की शर्त के रूप में वायु-यान, वायुयान संघटक या उपस्कर की वस्तु का किसी अनुमोदित व्यक्ति के पर्यवेक्षण में उपान्तरण, मरम्मत प्रतिस्थापन, ओवरहाल और निरीक्षण, जिसके अन्तर्गत उड्डयन परीक्षण भी है, होना चाहिए।
33.	नियम 55 के उपनियम (4) का खंड (ख)	किसी ऐसे वायुयान को, जिसका उड्डयन योग्यता प्रमाणपत्र निलम्बित कर दिया गया है या निलम्बित हुआ समझा गया है, यात्रीरहित 'फेरी' उड़ान की अनुज्ञा देना ।
34.	नियम 55 के उपनियम (4) का खंड (ख)	प्रयोग या परीक्षण के प्रयोजनों के लिए उड़ानों को प्राधिकृत करना ।

1	2	3
35.	नियम 55 के उपनियम (4) का खंड (ग)	जहां व्यक्तियों या वायुयान की सुरक्षा या मदद अन्तर्वलित हो, वहां उड़ानों को प्राधिकृत करना।
36.	नियम 55 के उपनियम (4) का खंड (घ)	विशेष प्रयोजनों के लिए उड़ानों को प्राधिकृत करना ।
37.	नियम 55 का उपनियम (5)	वायुयान को नियम 55 के प्रवर्तन से छूट देना ।
38.	नियम 56 का उपनियम (क)	नियम 56 की अपेक्षाओं के प्रयोजन के लिए संविदाकारी राज्यों की अपेक्षाओं को मान्यता देना ।
39.	नियम 56 का उपनियम (ख)	नियम 56 की अपेक्षानुसार प्रमाणन के लिए, गैर-संविदाकारी राज्यों के व्यक्तियों की अर्हताओं को मान्यता देना ।
40.	नियम 57 का उपनियम (1) और (2)	किसी वायुयान के लिए उपकरणों और उपस्कर अथवा किसी विशेष उपस्कर की, जिसके अन्तर्गत रेडियो साधित्र भी है, स्थापना को विनिर्दिष्ट और अनुमोदित करना ।
41.	नियम 58 का उपनियम (1) और (2)	अधिकतम अनुज्ञेय वजन, तत्स्थानी गुरुत्व केन्द्र सीमाएं, वायुयान का वजन करने की शर्तें और वजन अनुसूची, भार तथा ट्रिमशीटों का प्रदर्शन विनिर्दिष्ट करना ।
42.	नियम 58 का परन्तुक	वायुयान को नियम 58 के प्रवर्तन से छूट देना ।
43.	नियम 59 का उपनियम (1)	बड़ी त्रुटि या बड़े नुक्सान की रिपोर्ट करने की रीति विनिर्दिष्ट करना ।
44.	नियम 59 का उपनियम (2)	वायुयान के त्रुटियुक्त संघटकों या पुर्जों को किसी व्यक्ति या संगठन को परिदत्त करने की अपेक्षा करना।
45.	नियम 59क का उपनियम (1)	ऐसे विदेशी वायुयान को, जिसमें कोई बड़ा नुक्सान हो जाता है या जिसमें कोई बड़ी त्रुटि पाई जाती है, उड़ान से प्रतिषिध करना ।
46.	नियम 59क का उपनियम (4)	किसी ऐसे विदेशी वायुयान की, जिसमें कोई बड़ा नुक्सान हो जाता है, उड़ानों की अनुज्ञा देना और उनके लिए शर्तें अधिरोपित करना।
47.	नियम 60 का उपनियम (2) (क) और (2) (ख)	किसी वायुयान, संघटक या उपस्कर की वस्तु के अनुरक्षण के लिए शर्तें और मानक विनिर्दिष्ट करना ।
48.	नियम 60 का उपनियम (3) और (4)	अनुरक्षण सम्बन्धी अपेक्षाओं, अनुरक्षण प्रमाणन के लिए कार्मिक और नियम 60 के अधीन यथापेक्षित प्रमाणपत्र के परिरक्षण को विनिर्दिष्ट करना ।
49.	नियम 60 का उपनियम (5)	किसी वायुयान या वायुयान के वर्ग की बाबत त्रुटिसूचक सूची को अनुमोदित करना ।
50.	नियम 60 का परन्तुक	वायुयान को नियम 60 के प्रवर्तन से छूट देना।
51.	नियम 67 का उपनियम (2)	यह अपेक्षा करना कि किसी वायुयान की बाबत तकनीकी लॉग या उड्डयन लॉग रखी जाए और उसके अनुरक्षण के ढंग विनिर्दिष्ट करना ।
52.	नियम 67 का उपनियम (3)	लॉग बुकों के टाइप, उनकी अन्तर्विष्टियों और प्रविष्टियों को तथा लॉग बुकों के प्रमाणन की रीति तथा उनके परिरक्षण की अवधि को विनिर्दिष्ट करना।
53.	नियम 133क	नोटमों, वैमानिक सूचना प्रकाशनों और वैमानिक सूचना परिपत्रों को जारी करना ।
54.	नियम 133क	वायुयान स्वामियों और अनुरक्षण इंजीनियरों को सूचनाएं जारी करना ।
55.	नियम 133क	सिविल उड्डयन योग्यता अपेक्षाओं का जारी करना ।
56.	नियम 133ख का उपनियम (3)	अनुमोदन प्रणाली के अन्तर्गत कार्य करने के लिए किसी संगठन का अनुमोदन करना ।
57.	नियम 133ख का उपनियम (3)	अनुमोदन प्रणाली के अन्तर्गत कार्य करने के लिए किन्हीं व्यक्तियों का अनुमोदन करना ।
58.	नियम 133ख का उपनियम (3)	अनुमोदन प्रणाली के अन्तर्गत कार्य करने के लिए संगठन/व्यक्ति की अपेक्षा करना और इस प्रयोजन के लिए अपेक्षाएं विनिर्दिष्ट करना ।
59.	नियम 133ख के उपनियम 4(क), 4(ख) और 4(ग)	मैनुअलों की अन्तर्विष्टियां और स्वरूप विनिर्दिष्ट करना और उसके अनुमोदन की अपेक्षा करना ।
60.	नियम 133ख का उपनियम (5)	नियम 133ख के अधीन अपेक्षित मैनुअलों की वितरण प्रणाली को विनिर्दिष्ट करना
61.	नियम 133ख का उपनियम (8)	ऐसे अभिलेखों का, जिन्हें किसी संगठन को रखना होगा, प्रकार (टाइप) विनिर्दिष्ट करना और उनके परिरक्षण की रीति ।
62.	नियम 133ख का उपनियम (8)	निरीक्षण और पड़ताल के लिए अभिलेखों, रिपोर्टों, लॉगों, रेखाचित्रों को पेश करने की अपेक्षा करना ।
63.	नियम 133ख का उपनियम (10)	किसी व्यष्टि या संगठन को दिए गए अनुमोदन या प्रमाणन को रद्द करना, निलम्बित करना या समर्थित या नियमानुसार उन पर कोई अन्य कार्रवाई करना ।
64.	नियम 140	इंजीनियरी/निरीक्षण मैनुअल, वायु मार्गों तथा विमान कर्मीदल के सम्बन्ध में अपेक्षाएं विनिर्दिष्ट करना ।

1	2	3
65.	नियम 155 के उपनियम (1) और (2)	निजी वायुयान, वायुयान संघटक या उपस्कर की वस्तु के अनुरक्षण-मानक विनिर्दिष्ट करना और अभिलेखों के परिरक्षण की अवधि विनिर्दिष्ट करना ।
66.	नियम 155 क का उपनियम (2)	अनुमोदित अनुरक्षण प्रणाली के अन्तर्गत कार्य करने का अनुमोदन करना अथवा ऐसा कार्य करने की अनुसूचित, गैर अनुसूचित, वायवीय कार्य संचालकों और उड़ान क्लबों से अपेक्षा करना ।
67.	नियम 155 के उपनियम (3) का खंड (क)	नियम 155 के अधीन अपेक्षित मैनुअलों की अन्तर्विष्टियों और स्वरूप को विनिर्दिष्ट करना ।
68.	नियम 155 क के उपनियम (3) के खंड (ख) और (ग)	नियम 155 क की अपेक्षानुसार किसी पूरी-पूरी मैनुअल या उसके किन्हीं भागों और उसके उपबन्धों को अनुमोदित करना ।
69.	नियम 155 क का उपनियम (4)	नियम 155 क के अधीन यथापेक्षित किसी मैनुअल के वितरण का निदेश देना ।
70.	नियम 155 क का उपनियम (7)	ऐसे अभिलेखों के, जिन्हें किसी प्रचालक को रखना होगा, प्रकार (टाइप) को विनिर्दिष्ट करना ।
71.	नियम 155 क का उपनियम (7)	निरीक्षण और पड़ताल सूची के लिए अभिलेखों रिपोर्टों, लागों, रेखा-चित्रों को पेश करने की अपेक्षा करना और उस अवधि को विनिर्दिष्ट करना जिसके लिए उन्हें रखा जाएगा ।
72.	नियम 155 क का उपनियम (9)	किसी व्यष्टि या प्रचालक को दिए गए किसी अनुमोदन या प्राधिकरण को इन नियमों के अधीन रद्द करना, निलम्बित करना या समर्थित करना या कोई अन्य कार्यवाई करना ।

[फा० सं० उड्०/11012/14/76ए/ए०आर०1937(3)1976]

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 29th September, 1976

S.O. 3562.—In pursuance of sub-rule (2-A) of rule 3 of the Aircraft Rules, 1937, the Central Government hereby authorises the Officers specified in column (1)of the First Schedule annexed hereto to exercise such of the powers of the Director General of Civil Aviation (more specifically described in the Second Schedule annexed hereto) as are spcified in column (2) of the First Schedule.

FIRST SCHEDULE

Designation of the Officer	Powers in the Second Schedule to be exercised
1	2
Deputy Director General of Civil Aviation.	1 to 53, 55 to 72.
Director of Training & Licensing.	64.
Director of Aeronautical Inspection.	1 to 6, 8 to 35, 40 to 41, 43 to 49, 51, 52, 55 to 72.
Director of Aircraft Inspection.	3, 10 to 24, 27, 30, 32, 33, 34, 44, 57, 62, 68 to 71.
Director of Communication	4, 44, 64.
Director of Air Routes and Aerodromes (Operations).	64.
Director of Air Transport	64.
Director of Research and Development.	3, 4, 5, 6, 8, 9, 10, 23, 24, 34, 40, 41, 44.
Director of Air Safety	44, 45.
Regional Director	9, 11, 13 to 15, 17 to 21, 23, 27, 30, 32, 33, 34, 35, 44, 45, 46, 57, 62, 68, 71.
Deputy Director of Aeronautical Inspection	9, 10, 11, 13 to 23, 27, 29, 30, 32, 43 to 46, 47 to 49, 57, 60. 61, 62 65, 68 to 71.
Deputy Director of Research and Development.	9, 10, 23, 24, 44.
Deputy Director of Air Safety	44, 45.
Assistant Director of Air Safety.	44.
Senior Air Safety Officer	44.
Controller of Aeronautical Inspection.	9, 11, 13, 14, 15, 17, 18, 19 to 21, 23, 27, 30, 32 to 34, 44, 45, 46, 57, 62, 68, 71.
Senior Aircraft Inspector (At Headquarters)	10, 11 (Restricted to aircraft with A.U.W. (All up Weight) up to 15,000 Kgs.) 13 to 15, 17, 19 to 22. 30, 32, 44, 57, 62, 68, 71.
Senior Aircraft Inspector Incharge of Inspection Office	11 (Restricted to aircraft with A.U.W. (All up Weight) upto 15,000 Kgs.) , 13, 14, 15, 17, 19, 20, 21, 30, 32, 44, 45, 57, 62, 68, 71.
Senior Aircraft Inspector	11 (Restricted to aircraft with A.U.W. (All up Weight) upto 15,000 Kgs.), 13, 14, 15, 17, 19, 20, 21, 30. 32, 44, 62, 71.
Aircraft Inspector Incharge of Inspection Office.	11 (Restricted to aircraft with A.U.W. (All up Weight) upto 20,000 Kgs.), 13, 15, 17, 19, 20, 21, 30, 32, 44, 62, 71.
Aircraft Inspector.	11 (Restricted to aircraft with A.U.W. (All up Weight) up to 20,000 Kgs.), 13, 15, 19, 20, 30, 44, 62, 71.
Assistant Aircraft Inspector.	44, 62, 71.

SECOND SCHEDULE

Sl. No.	Rule by which power conferred	Nature of power
1	2	3
	GENERAL	
1.	Rule 7B	To specify cockpit check list and emergency check list in respect of an aircraft registered in India.

1	2	3
	REGISTRATION OF AIRCRAFT	
2.	Sub-rule 2(a) & (2)(b) of Rule 37.	To specify the form and manner of affixing Nationality and Registration marks.
	AIRWORTHINESS AND AIRCRAFT MAINTENANCE ENGINEERS	
3.	Sub-rule (1) of Rule 49 & 49A	To direct thet there shall be a type certificate for aircraft, aircraft component or item of equipment designed, manufactured, sold or distributed in India as a pre-requisite for issue, renewal or continued validity of certificate of Airworthiness of and aircraft.
4.	Sub-rule (3) of Rule 49 & sub-rule (2) of Rule 49A and Rule 49B	To issue or validate Type Certificate and to specify documents and others evidence necessary for the purpose.
5.	Proviso to Rule 49B	To exempt an aircraft, aircraft component, or item of equipment from the provision of this rule.
6.	Rule 49C	To group Type Certificates whether issued or validated in one or more categories.
7.	Rule 49D	To cancel Type Certificate of an aircraft, aircraft component or item of equipment which has been issued or validated.
8.	Rule 49D	To suspend or endorse Type Certificate of an aircraft, aircraft component or item or equipment which has been issued or validated.
9.	Rule 49D	To require incorporation of any modification in aircraft, aircraft component or item of equipment as a condition for continued validity of Type Certificate which has been issued or validated.
10.	Sub rule (2) & (3) of rule 50.	To issue, renew or validate Certificate of Airworthiness in respect of an aircraft and to specify documents or other evidence or technical data for the purpose.
11.	Sub-rule (2) of rule 50	To renew certificate of Airworthiness in respect of an aircraft and to specify documents and other evidence for the purpose.
12.	Sub-rule (4) of Rule 50	To issue, renew or validate Certificate of Airworthiness of an aircraft in one or more categories.
13.	Sub-rule (5) of rule 50	To specify the period of validity of Certificate of Airworthiness of an aircraft.
14.	Sub-rule (5) of rule 50	To authorise person to inspect and aircraft.
15.	Sub-rule (5) of rule 50	To require aircraft to be tested in flight.
16.	Sub-rule (1) of rule 50A	To specify conditions in respect of certificate of Airworthiness of a particular type of class of aircraft.
17.	Sub-rule (1) of rule 50A	To specify standards in respect of certificate of Airworthiness of a particular type or class of aircraft.
18.	Sub-rule (2) of Rule 50A	To require modification to be incorporated in an aircraft, its component or item of equipment for the Certificate of Airworthiness of Aircraft remaining in force.
19.	Sub-rule (2) of Rule 50A	To require repairs to be carried out on any aircraft, its component or item of equipment or to require replacement or any component or item of equipment of an aircraft for the Certificate of Airworthiness of the aircraft remaining in force.
20.	Sub-rule (2) of Rule 50A	To require any spection to be in carried out on an aircraft, aircraft component or item of equipment for Certificate of Airworthiness of aircraft remaining in force.
21.	Sub-rule (2) of Rule 50A	To require overhaul of an aircraft, its component or item of equipment for Certificate of Airworthiness of Aircraft remaining in force.
22.	Rule 51	To endorse the certificate of Airworthiness for carriage of Flight Manual.
23.	Sub-rule (3) of Rule 52	To approve modification in respect of an aircraft, aircraft component or item of equipment and to specify evidence for the same.
24.	Sub-rule (3) of Rule 52	To approve repair schemes in respect of an aircraft, aircraft component or item of equipment and to specify evidence for the same.
25.	Sub-rule 5(a) & 5(b) of Rule 52	To specify manner of certification required after major damage or major defect has been rectified.
26.	Sub-rule (6) & (7) of Rule 52	To specify form, manner or distribution and preservation of the Certificate issued after an aircraft, component or item of equipment has been modified or repaired and to specify or approve instructions for the purpose.
27.	Sub-rule (1) of Rule 53	To specify persons, licenced/approved/authorised, responsible for inspection and certification.
28.	Sub-rule (3) of Rule 53	To exempt person or class of persons from the proviso to Rule 53 either wholly or partly.
29.	Rule 53A	To specify form & manner, distribution and preservation of the copies of Certificates required to be issued for manufacture and distribution of aircraft, aircraft components and item of equipment or any other material used or intended to be used in an aircraft.
30.	Sub-rule (2) Clause (a) of Rule 55.	To suspend a Certificate of Airworthiness.
31.	Sub-rule (2) Clause (a) of Rule 55.	To cancel Certificate of Airworthiness.

1	3
32. Sub-rule (2) clause (b) of Rule 55.	To specify that an aircraft, aircraft component or item of equipment should undergo modification, repair, replacement, overhaul, inspection including Flight Tests under supervision of an approved person as a condition of Certificate of Airworthiness remaining in force.
33. Sub-rule (4) clause (a) of Rule 55.	To permit ferry flight without passenger of an aircraft whose Certificate of Airworthiness is suspended or deemed to be suspended.
34. Sub-rule (4) clause (b) of Rule 55.	To authorise flights for the purpose of experiment or tests
35. Sub-rule (4) clause (c) of Rule 55.	To authorise flights where safety or succour of persons or aircraft is involved.
36. Sub-rule (4) clause (d) of Rule 55.	To authorise flights for special purpose.
37. Sub-rule (5) of Rule 55	To exampt aircraft from operation of Rule 55.
38. Sub-rule (a) of Rule 56	To recognise the requirements of contracting states for the purpose of requirements of Rule 56.
39. Sub-rule (b) of Rule 56.	To recognise the qualifications of person of Non-contracting states for certification as required under Rule 56.
40. Sub-rule (1) & (2) of Rule 57.	To specify and approve the installation of instruments and equipment or any other special equipment for an aircraft including radio apparatus.
41. Sub-rule (1) & (2) of Rule 58.	To specify maximum permissible weight, corresponding centre of gravity limits, condition for weighing of aircraft display of weight schedule, load and trim sheets.
42. Proviso to Rule 58	To exempt an aircraft from the operation of Rule 58.
43. Sub-rule (1) of Rule 59	To specify manner of reporting major defect or major damage.
44. Sub-rule (2) of Rule 59	To require delivery of defective aircraft components or parts to any person or organisation.
45. Sub-rule (1) of Rule 59A	To prohibit from flight any foreign aircraft which sustains any major damage or in which any major defect found.
46. Sub-rule (4) of Rule 59A	To permit flights of any foreign aircraft which has suffered major damage and to impose conditions there for.
47. Sub-rules (2)(a) & (2)(b) of Rule 60.	To specify conditions and standards for maintenance for any aircraft component or item of equipment.

1	2
48. Sub-rule (3) & (4) of Rule 60.	To specify maintenance requirements, personnel for certifying maintenance and contents, form, period of validity and disposition, preservation of the certificate required under Rule 60.
49. Sub-rule (5) of Rule 60	To approve defeciency list in respect of an aircraft or class of aircraft.
50. Proviso to Rule 60	To exempt an aircraft from the operation of Rule 60.
51. Sub-rule (2) of Rule 67	To require technical log or flight log to be provided in respect of an aircraft and to specify its methods of maintenance.
52. Sub-rule (3) of Rule 67	To specify type of log books, their contents and entries and manner of certification of log books and their period of preservation.
53. Rule 133A	To issue NOTAMs, Aeronautical Information Publications and Aeronautical Information Circulars.
54. Rule 133A	To issue notices to Aircraft owners and maintenance engineers.
55. Rule 133A	To issue Civil Airworthiness Requirements.
56. Sub-rule (3) of Rule 133B	To approve an organisation to operate under system of approval.
57. Sub-rule (3) of Rule 133B	To approve persons to operate under system of approval.
58. Sub-rule (3) of Rule 133B	To require organisation/person to work under system of approval and to specify requirements for the purpose.
59. Sub-rule 4(a), 4(b) & (4)(c) of Rule 133B	To specify contents and form of manuals and require its approval.
60. Sub-rule (5) of Rule 133B	To specify the distribution pattern of any of the manuals required under Rule 133B.
61. Sub-rule (8) of Rule 133B	To specify the type of records an organisation shall maintain and the manner of preserving the same.
62. Sub-rule (8) of Rule 133B	To require production of records, reports, logs, drawings for inspection and check.
63. Sub-rule (10) of Rule 133B.	To cancel, suspend or endorse or take any other action under the rules on any approval or authorisation granted to an individual or to an organisation.
64. Rule 140	To specify requirements concerning Engineering/Inspection manual, Air routes and Air crew.
65. Sub-rule (1) & (2) of Rule 155.	To specify maintenance standards for private aircraft, aircraft component or item of equipment and to specify period of preservation of records.

1	2	3
66.	Sub-rule (2) of Rule 155A	To grant approval or require scheduled, non-scheduled, aerial work operators and flying clubs to operate under approved Maintenance system.
	Sub-rule (3) clause (a) of Rule 155A.	To specify contents and form of Manuals required under Rule 155A.
68.	Sub-rule (3) clause (b) & (c) Rule 155A.	To approve complete or parts of any of the manuals and its revisions as required under Rule 155A.
69.	Sub-rule (4) Rule 155A	To direct distribution of the any of the manual required under Rule 155A.
70.	Sub-rule (7) of Rule 155A	To specify type of records an operator shall maintain.
71.	Sub-rule (7) Rule 155A	To require production of records, reports, logs, drawings for inspection and check list and to specify the period for which these shall be kept.
72.	Sub-rule (9) Rule 155A	To cancel, suspend or endorse or take any other action under these rules on any approval or authorisation granted to an individual or an operator.

[F. No. Av. 11012/14/76-A/AR/1937(3)1976]

का० आ० 3563.—वायुयान नियम, 1937 के नियम 3 के उपनियम (2) के अनुसरण में और भारत सरकार के पर्यटन और सिविल उड्डयन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1111, तारीख 19 फरवरी, 1971 को अधिक्रांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार उन शक्तियों का (जो इससे उपाबद्ध द्वितीय अनुसूची में अधिक विनिर्दिष्ट रूप से वर्णित हैं), जो प्रथम अनुसूची के स्तम्भ (2) की तत्स्थानी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट हैं, प्रयोग करने के लिए उपाबद्ध उक्त प्रथम अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट अधिकारियों को प्राधिकृत करती है ।

प्रथम अनुसूची

अधिकारी का पदनाम	द्वितीय अनुसूची की वे शक्तियां जिनका प्रयोग किया जाना है
1	2
महानिदेशक सिविल विमानन	सभी
उपमहानिदेशक सिविल विमानन	1 से लेकर 49 तक, 51 से लेकर 69 तक, 71 से लेकर 74 तक, 78 से लेकर 80 तक
निदेशक, विनियम और सूचना	1, 12, 70
निदेशक, प्रशिक्षण और अनुज्ञापन	9 से लेकर 12 तक, 41 से लेकर 45 तक, 49, 52 से लेकर 54 तक, 63, 64, 78, 79
निदेशक, वैमानिक निरीक्षण	2, 3, 9 से लेकर 11 तक, 13 से लेकर 40 तक, 46 से लेकर 48 तक, 53, 58, 63, 64
निदेशक, वायुयान निरीक्षण	2, 3, 9 से लेकर 11 तक, 13, 14, 18, 26 से लेकर 29 तक, 31, 33 से लेकर 35 तक, 37 से लेकर 39 तक, 47, 48, 58
संचार निदेशक	58, 59
निदेशक, विमान मार्ग और विमान क्षेत्र (प्रचालन)	2, 43, 44, 52, 60, 61, 65, 66, 67, 69 71 से लेकर 74 तक
निदेशक, विमान मार्ग और विमान क्षेत्र (योजना)	65, 66, 69, 71, 72, 73, 74
निदेशक, अनुसंधान और विकास	25, 26, 27, 28
निदेशक वायु सुरक्षा	2, 5, 10
प्रादेशिक निदेशक	2, 9, 10, 26, 28, 29, 31, 33, 34, 35, 37, 38, 43 से लेकर 45 तक, 47, 48, 52, 59, 60, 61, 62, 65 से लेकर 73 तक
उप निदेशक, प्रशिक्षण और अनुज्ञापन	41, 43, 44, 52, 53, 64, 79
उप निदेशक, उड़ान कर्मीदल मानक	41, 43, 44, 52, 53, 64, 79
उप निदेशक (परीक्षाएं)	53, (छात्र उड्डयन इंजीनियर और उड्डयन इंजीनियर अनुज्ञप्तियां)
सहायक निदेशक, प्रशिक्षण और अनुज्ञापन	43
उप निदेशक, वैमानिक निरीक्षण	2, 9, 10, 17, 18, 19, 23, 24, 26 से लेकर 35 तक 37 से लेकर 40 तक, 46 47, 48, 53, 58, 63, 64
उप निदेशक, संचार	58, 59
सहायक निदेशक, संचार	59
उप निदेशक, विमान मार्ग और विमान क्षेत्र (प्रचालन)	2, 43, 44, 52, 60, 61, 65, 66, 67, 69, 72 से लेकर 74 तक
उप निदेशक, विमान मार्ग और विमान क्षेत्र (योजना)	65, 66, 69, 71, 72, 73, 74
उप निदेशक, अनुसंधान और विकास	27, 28
उप निदेशक, वायु सुरक्षा	2, 10
सहायक निदेशक, वायु सुरक्षा	2, 10
ज्येष्ठ वायु सुरक्षा अधिकारी	2, 10
विमान क्षेत्र नियंत्रक	2, 43, 44, 45, 52, 60, 61, 62, 65, 70, 73
ज्येष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी	2, 43, 44, 45, 61, 62, 65, 70
विमान क्षेत्र अधिकारी	2, 61, 62, 65, 70
सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी, कर्तव्य पर	2
नियंत्रक, वैमानिक निरीक्षण	2, 9, 10, 26, 28, 29, 31, 33 से लेकर 35 तक, 37, 38, 47, 48
ज्येष्ठ वायुयान निरीक्षक (मुख्यालय में)	2, 9, 10, 17, 18, 19, 23, 26, 28, 29, 31, 33 से लेकर 35 तक 47, 48
निरीक्षण कार्यालय के भारसाधक ज्येष्ठ वायुयान निरीक्षक	2, 9, 10, 26, 28, 29, 31, 33 से लेकर 35 तक, 47, 48
ज्येष्ठ वायुयान निरीक्षक	2, 9, 10, 26, 28, 29, 34, 35, 47, 48

1	2
संचार नियंत्रक	59
ज्येष्ठ संचार अधिकारी	59
संचार अधिकारी	59
ज्येष्ठ तकनीकी अधिकारी	59
तकनीकी अधिकारी	59
सहायक तकनीकी अधिकारी	59
वैमानिक संचार संगठन में सहायक संचार अधिकारी	59
निरीक्षक कार्यालय का भारसाधक वायुयान निरीक्षक	2, 9, 10, 26, 28, 29, 34, 47
वायुयान निरीक्षक	2, 9, 10, 26, 28, 29
सहायक वायुयान निरीक्षक	2
सभी सीमा-शुल्क नियंत्रक या सीमा-शुल्क वैमानिक क्षेत्रों में सीमाशुल्क के तत्समय भारसाधक अन्य सीमा शुल्क अधिकारी	2
सहायक उप निरीक्षक पुलिस की ओर उस से ऊपर की पंक्ति के सभी पुलिस अधिकारी	2

द्वितीय अनुसूची

क्रम सं०	नियम जिनके द्वारा शक्ति प्रदत्त की गई है	शक्ति की प्रकृति
1	2	3
	सामान्य	
1.	नियम 8 के उपनियम (2) का खण्ड (ग)	वायुमार्ग द्वारा आयुध, गोला बारूद तथा अन्य खतरनाक माल को ले जाने की अनुज्ञा देना।
2.	नियम 8 का उपनियम (6)	माल की प्रकृति की सविस्तार परीक्षा लम्बित रहने तक अथवा उस मामले में की जाने वाली कार्रवाई, यदि कोई हो, के सम्बन्ध में विनिश्चय लम्बित रखने तक सम्बन्धित माल को अभिरक्षा में रखवाना।
3.	नियम 15 का परन्तुक	जो वायुयान उड़ रहा है उसके द्वारा अनुपालित की जाने वाली शर्तों से वायुयान को छूट देना।
4.	नियम 19 के उपनियम (3) का खंड (क)	किसी प्रमाणपत्र, रेटिंग, अनुज्ञप्ति, प्राधिकरण या अनुमोदन को या किसी प्रमाणपत्र, रेटिंग, अनुज्ञप्ति, प्राधिकरण या अनुमोदन के किसी भी या सभी विशेषाधिकारों को किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए निलम्बित करना।
5.	नियम 19 के उपनियम (3) का खंड (ख)	किसी मामले के अन्वेषण के दौरान किसी प्रमाणपत्र, रेटिंग, अनुज्ञप्ति, प्राधिकरण या अनुमोदन को निलम्बित करना।
6.	नियम 19 के उपनियम (3) का खंड (ग)	किसी प्रमाणपत्र, रेटिंग, अनुज्ञप्ति, प्राधिकरण या अनुमोदन को रद्द करना।
7.	नियम 19 का उपनियम (3) का खंड (घ)	किसी प्रमाणपत्र, रेटिंग, अनुज्ञप्ति, प्राधिकरण या अनुमोदन पर किन्हीं प्रतिकूल टिप्पणियों का समर्थन करना।
8.	नियम 19 का उपनियम (4)	किसी अनुज्ञप्ति, प्राधिकरण, अनुमोदन प्रमाणपत्र या यात्रा लागबुक में किन्हीं प्रविष्टियों को रद्द करना या उनमें परिवर्तन करना।
9.	नियम 19 का उपनियम (4)	किसी प्राधिकरण, अनुमोदन, उड्डयन योग्यता प्रमाणपत्र, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र या यात्रा लागबुक में किन्हीं प्रविष्टियों में परिवर्तन करना।
10.	नियम 19 का उपनियम (5)	किसी अनुज्ञप्ति, प्राधिकरण, अनुमोदन, प्रमाणपत्र या अन्य दस्तावेज को जो नियमों के अधीन प्रदत्त या जारी की गई हों, अभ्यर्पित करने की अपेक्षा करना।
11.	नियम 25 का उपनियम (2)	वायुयान में धूम्रपान की अनुज्ञा देना।
12.	नियम 26	पैराशूट से उतरने और वायुयान से वस्तुओं को गिराने की अनुज्ञा देना।
13.	नियम 27 के परन्तुक का खंड (ख)	किसी वायुयान पर या उसके किसी भाग में या उससे किसी लगी चीज पर व्यक्तियों को ले जाने की अनुज्ञा देना।
	वायुयान का रजिस्ट्रीकरण	
14.	नियम 5 का परन्तुक	किसी गैर-रजिस्ट्रीकृत वायुयान को और/अथवा जिस पर कोई राष्ट्रिकता और रजिस्ट्रीकरण के चिन्ह न हों, किसी व्यक्ति को उड़ाने अथवा उड़ाने में सहायता करने की और इस प्रयोजन के लिए किन्हीं शर्तों और परिसीमाओं को विनिर्दिष्ट करने की अनुज्ञा देना।
15.	नियम 19 का उपनियम (1)	रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र रद्द करना।
16.	नियम 19 का उपनियम (1)	रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का निलम्बित करना।
17.	नियम 19 का उपनियम (4)	रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में किन्हीं विशिष्टियों को रद्द करना या परिवर्तित करना।
18.	नियम 19 का उपनियम (5)	रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभ्यर्पित करने की अपेक्षा करना।
19.	नियम 30 और नियम 32 का उपनियम (1)	रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र रजिस्टर करना और प्रदान करना।
20.	नियम 30 का उपनियम (4)	रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी आवेदन को स्वीकार करने से इन्कार करना।
21.	नियम 30 का उपनियम (5)	किसी वायुयान को रजिस्टर करने से इन्कार करना।
22.	नियम 30 का उपनियम (6)	किसी वायुयान के रजिस्ट्रीकरण को रद्द करना।

1	2	3
23.	नियम 31 का उपनियम (1) (क)	किसी वायुयान और उसके स्वामित्व से सम्बन्धित विशिष्टियों की अपेक्षा करना।
24.	नियम 31 का उपनियम (1) (ख)	यदि आवेदन मंजूर किया जाए तो फीस वापस कर देना।
	उड्डयन योग्यता और वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर	
25.	नियम 19 का उपनियम (2)	वायुयान की उड्डयन योग्यता संबंधी किसी प्रमाणपत्र, अथवा किसी वायुयान संघटक या उपस्कर की किसी वस्तु के टाइप प्रमाणपत्र सम्बन्धी किसी प्रमाणपत्र में दी गई शर्तों को रद्द करना, उन्हें निलम्बित करना या उनमें परिवर्तन करना।
26.	नियम 19 का उपनियम (2)	वायुयान की उड्डयन योग्यता सम्बंधी किसी प्रमाणपत्र को, अथवा किसी वायुयान, वायुयान संघटक या उपस्कर की किसी वस्तु के टाइप प्रमाणपत्र को निलम्बित करना।
27.	नियम 19 का उपनियम (2)	वायुयान की उड्डयन योग्यता संबंधी किसी प्रमाणपत्र में, अथवा किसी वायुयान, वायुयान संघटक या उपस्कर की किसी वस्तु के टाइप प्रमाणपत्र में दी गई शर्तों में परिवर्तन करना।
28.	नियम 19 का उपनियम (5)	उड्डयन योग्यता प्रमाणपत्र, टाइप प्रमाणपत्र या उससे सम्बन्धित किसी दस्तावेज को अभ्यर्पित करने की अपेक्षा करना।
29.	नियम 19 का उपनियम (5)	वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर अनुज्ञप्तियों, प्राधिकरणों या अनुमोदनों के अभ्यर्पण की अपेक्षा करना।
30.	नियम 61 का उपनियम (1)	वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर अनुज्ञप्ति। अनुमोदन/प्राधिकरण की मंजूरी देना।
31.	नियम 61 का उपनियम (1)	अनुमोदनों/प्राधिकरणों की मंजूरी देना।
32.	नियम 61 के उपनियम (5) का परन्तुक	यदि आवेदक के पास किसी विदेशी राज्य के सक्षम प्राधिकारी द्वारा दी गई कोई अनुज्ञप्ति हो तो वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर के रूप में कार्य करने के लिए परीक्षणों से छूट देना।
33.	नियम 61 के उपनियम (5) का परन्तुक।	किसी वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर अनुज्ञप्ति को बढ़ाने के सम्बन्ध में अनुज्ञा पत्र देना।
34.	नियम 61 का उपनियम (7)	वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर अनुज्ञप्ति का नवीकरण।
35.	नियम 61 का उपनियम (9)	वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर अनुज्ञप्ति की प्रविष्टियों में परिवर्तन करना।
36.	नियम 61 का उपनियम (10)	वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर अनुज्ञप्ति को रद्द करना।
37.	नियम 61 का उपनियम (10)	वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर अनुज्ञप्ति को निलम्बित करना।
38.	नियम 61 का उपनियम (10)	वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर अनुज्ञप्ति को पृष्ठांकित करना।
39.	नियम 61 का उपनियम (10)	वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर अनुज्ञप्ति के नवीकरण की मंजूरी को रोकना।
40.	नियम 62 का उपनियम (2)	संवत्त रकम के उतने अंश को जितना किसी परीक्षा निरीक्षण के, जो न की गई हो या न किया गया हो, व्यय का सूचक हो, अथवा किसी अनुज्ञप्ति या प्रमाणपत्र की, जो जारी न की गई हो या न किया गया हो, रकम को वापस करना
	वायुयान के कामिक	
41.	नियम 38 और नियम 19 का उपनियम (5)	निम्नलिखित अनुज्ञप्तियां प्रदान करना, उनके प्रदान किए जाने को रोकना, और उनका नवीकरण तथा उनके अभ्यर्पण की अपेक्षा करना :— (1) छात्र पाइलट अनुज्ञप्ति। (2) प्राइवेट पाइलट अनुज्ञप्ति। (3) वाणिज्यिक पाइलट अनुज्ञप्ति। (4) उपकरण रेटिंग। (5) सहायक उड्डयन अनुदेशक रेटिंग। (6) ग्लाइडर पाइलट अनुज्ञप्ति। (7) छात्र नौपरिवाहक अनुज्ञप्ति। (8) उड्डयन रेडियो टेलीफोन परिचालक अनुज्ञप्ति। (9) उड्डयन रेडियो परिचालक अनुज्ञप्ति।
42.	नियम 38 और नियम 19 का उपनियम (5)	निम्नलिखित अनुज्ञप्तियों/रेटिंगों को प्रदान करना, उनके प्रदान न किए जाने को रोकना और उनका नवीकरण अथवा उनके अभ्यर्पण की अपेक्षा करना :— (1) ज्येष्ठ वाणिज्यिक पाइलट अनुज्ञप्ति। (2) एयरलाइन परिवहन पाइलट अनुज्ञप्ति। (3) उड्डयन अनुदेशक रेटिंग। (4) उड्डयन नौपरिवाहक अनुज्ञप्ति।
43.	नियम 38	वायुयान कार्मिकों की अनुज्ञप्तियों (छात्र उड्डयन इंजीनियर अनुज्ञप्ति और उड्डयन इंजीनियर अनुज्ञप्ति के सिवाय) तथा रेटिंग का नवीकरण।
44.	नियम 38	ऐसे वायुयान के सम्बन्ध में, जिसका ए० यू० डब्ल्यु 5700 कि० ग्रा० से अधिक न हो, अनुज्ञप्तियों (छात्र उड्डयन इंजीनियर अनुज्ञप्ति और उड्डयन इंजीनियर अनुज्ञप्ति के सिवाय) और रेटिंगों में परिवर्तन करना।

1	2	3
45.	नियम 38	ऐसे वायुयान के सम्बन्ध में जिसका ए० यू० डब्ल्यू० 5700 से अधिक हो, अनुज्ञप्तियों (छात्र उड्डयन इंजीनियर और उड्डयन इंजीनियर अनुज्ञप्ति के सिवाए) और रेटिंगों में परिवर्तन करना ।
46.	नियम 38 और नियम 19 का उपनियम (5)	निम्नलिखित को प्रदान करना, उनके प्रदान किए जाने को रोकना और उनका नवीकरण, तथा उनके अभ्यर्पण की अपेक्षा करना :— (1) छात्र उड्डयन इंजीनियर अनुज्ञप्ति । (2) उड्डयन इंजीनियर अनुज्ञप्ति ।
47.	नियम 38	छात्र उड्डयन इंजीनियर अनुज्ञप्तियों और उड्डयन इंजीनियर अनुज्ञप्तियों का नवीकरण ।
48.	नियम 38 और नियम 19 का उपनियम (3) और (4)	निम्नलिखित पर की गई किन्हीं प्रतिकूल टिप्पणियों में परिवर्तन करना या उनका समर्थन करना, और उनकी विशिष्टियों को रद्द करना या उनमें परिवर्तन करना :— (1) छात्र उड्डयन इंजीनियर अनुज्ञप्ति; और (2) उड्डयन इंजीनियर अनुज्ञप्ति ।
49.	नियम 39क का उपनियम (1)	अनुज्ञप्ति धारण या प्राप्त करने से किसी व्यक्ति को किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए निर्रहित करना ।
50.	नियम 39क का उपनियम (2)	अनुज्ञप्ति धारण करने से किसी व्यक्ति को स्थायी रूप से अथवा अस्थायी रूप से विवर्जित करना ।
51.	नियम 41 का प्रथम परन्तुक	ज्येष्ठ वाणिज्यिक और एयरलाइन परिवहन पाइलट अनुज्ञप्तियों को जारी करने के लिए कतिपय आई० ए० एफ० कार्मिकों को उड्डयन परीक्षणों और चिकित्सीय अथवा अन्य तकनीकी परीक्षाओं से छूट देना ।
52.	नियम 45	विदेशी अनुज्ञप्तियों का विधिमान्यकरण ।
53.	नियम 48 का उपनियम (5)	फीस के किसी आनुपातिक भाग की वापसी का आदेश देना ।
54.	नियम 19 का उपनियम (3) और (4)	(क) किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए, या किसी मामले के अन्वेषण के दौरान निम्नलिखित को और उनके किन्हीं अथवा सभी विशेषाधिकारों को निलम्बित करना ; (ख) निम्नलिखित अनुज्ञप्तियों/रेटिंगों को रद्द करना; (ग) उन में की किन्हीं प्रतिकूल टिप्पणियों का समर्थन करना; और (घ) उनमें की विशिष्टियों को रद्द करना या उनमें परिवर्तन करना :— (1) छात्र पाइलट अनुज्ञप्ति । (2) प्राइवेट पाइलट अनुज्ञप्ति । (3) वाणिज्यिक पाइलट अनुज्ञप्ति । (4) उपकरण रेटिंग । (5) सहायक उड्डयन अनुदेशक रेटिंग । (6) ग्लाइडर पाइलट अनुज्ञप्ति । (7) छात्र नौपरिवाहक अनुज्ञप्ति । (8) उड्डयन रेडियो टेलीफोन परिचालक अनुज्ञप्ति । (9) उड्डयन रेडियो परिचालक अनुज्ञप्ति ।
55.	नियम 19 का उपनियम (3) और (4)	(क) किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए, या किसी मामले के अन्वेषण के दौरान, निम्नलिखित अनुज्ञप्तियों और उनके किन्हीं अथवा सभी विशेषाधिकारों को निलम्बित करना; (ख) निम्नलिखित अनुज्ञप्तियों को रद्द करना; (ग) उन में की किन्हीं प्रतिकूल टिप्पणियों का समर्थन करना; और (घ) उनमें की विशिष्टियों को रद्द करना या उनमें परिवर्तन करना :— (1) ज्येष्ठ वाणिज्यिक पाइलट अनुज्ञप्ति । (2) एयरलाइन परिवहन पाइलट अनुज्ञप्ति । (3) उड्डयन अनुदेशक रेटिंग; और (4) उड्डयन नौपरिवाहक अनुज्ञप्ति ।
56.	नियम 19 का उपनियम (3)	छात्र उड्डयन इंजीनियर अनुज्ञप्ति को निलम्बित करना या रद्द करना ।
57.	नियम 19 का उपनियम (3)	उड्डयन इंजीनियर अनुज्ञप्ति को निलम्बित या रद्द करना ।
		रेडियो टेलीग्राफ साधित्र
58.	नियम 63	वायुयान में प्रयोग के लिए रेडियो टेलीग्राफ साधित्र के टाइप का अनुमोदन करना ।
59.	नियम 63	वायुयान में रेडियो टलीग्राफ के साधित्र के स्थापन, आबन्धन और स्क्रीनिंग का अनुमोदन करना ।
		वायुमार्ग बेकन, विमान क्षेत्र बत्तियां तथा कृत्रिम बत्तियां
60.	नियम 65 का उपनियम (1)	वायुमार्ग बेकनों या विमानक्षेत्रीय बत्तियों से प्रदर्शित प्रकाश के स्थापन और अनुरक्षण का या उसकी प्रकृति में परिवर्तन का अनुमोदन करना ।
61.	नियम 66 का उपनियम (1)	ऐसे स्वामी या व्यक्ति पर, जिसका उस स्थान पर कब्जा हो, जहां कोई प्रकाश प्रदर्शित किया जा रहा है, अथवा ऐसे व्यक्ति पर, जिसके भारसाधन में वह बत्ती है, उस बत्ती को बुझाने या कारगर ढंग से उसे आवरित करने के लिए, और वैसी ही किसी बत्ती के भावी प्रदर्शन को रोकने के लिए, सूचना की तामील करना ।
62.	नियम 66 का उपनियम (4)	जिस स्थान पर बत्ती हो वहां प्रवेश करके उसे बुझा देना ।

1	2	3
		लाग बुक
63.	नियम 19 का उपनियम (4)	किसी यात्रा लाग बुक में किन्हीं विशिष्टियों को रद्द करना या उनमें परिवर्तन करना।
64.	नियम 19 का उपनियम (4)	किसी यात्रा लाग बुक में किन्हीं विशिष्टियों में परिवर्तन करना।
		विमानक्षेत्र
66.	नियम 78	सरकारी विमानक्षेत्रों को सार्वजनिक प्रयोग के लिये जिस सीमा तक और जिन शर्तों पर खोला जा सकता है, उनका अवधारण।
66.	नियम 80	विमानक्षेत्रों का अनुज्ञापन।
67.	नियम 82 का उपनियम (2क)	किसी सरकारी सिविल विमान क्षेत्र में के हैंगर में और उसके बाहर के रिक्त स्थान के लिए, जिसे विमान रखने और ठहराने के लिए किसी व्यक्ति को पट्टे पर दिया गया है, प्रभारों का अवधारण, तथा ऐसे पट्टे के निबन्धनों और शर्तों के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति के साथ करार करना।
68.	नियम 82 का उपनियम (3)	सरकारी विमानक्षेत्रों से भिन्न अनुज्ञप्ति सार्वजनिक विमानक्षेत्रों में वायुयान उतरने और उन्हें रखने के लिए प्रभारों के टैरिफ का (जहां अनुमोदन आवश्यक हो वहां) अनुमोदन करना।
69.	नियम 86 के उपनियम (2) और (3)	उतराई क्षेत्रों, भवनों अथवा अन्य संरचनाओं में परिवर्तनों का अनुमोदन या ऐसे अनुमोदन को रोक लेना।
70.	नियम 81क	गतिविधि-क्षेत्र में प्रवेश की अनुज्ञा देना।
71.	नियम 19 का उपनियम (3)	विमानक्षेत्र की अनुज्ञप्तियों को रद्द करना।
	नियम 86 का उपनियम (4)	
72.	नियम 19 का उपनियम (3)	विमानक्षेत्र की अनुज्ञप्तियों को निलम्बित करना।
73.	नियम 86 का उपनियम (5)	यह अनुमोदित करना कि अनुज्ञप्तिधारी ने विमानक्षेत्र को विमानों द्वारा प्रयोग के लिए, अच्छी दशा में बनाए रखा है और उसे पर्याप्त रूप से चिन्हित रखा है।
74.	नियम 87 का परन्तुक	कोई अनुज्ञप्ति प्रदान करने से पूर्व या उसका नवीकरण करने से पूर्व किसी विमानक्षेत्र के निरीक्षण की अपेक्षा करना।
		वायु द्वारा परिवहन सेवा
75.	नियम 134 का उपनियम (1)	निजी प्रचालकों द्वारा अनुसूचित सेवाओं के प्रचालन की अनुज्ञा देना।
76.	नियम 134 का उपनियम (2)	किसी वायुयान परिवहन सेवा के प्रचालन के लिए किसी ऐसे वायुयान परिवहन उपकरण को अनुज्ञा देना जिसके कारबार का प्रधान स्थान भारत के बाहर किसी देश में है।
77.	नियम 134 का उपनियम (3)	ऐसी वायुयान परिवहन सेवाओं के, जो अनुसूचित नहीं हैं। प्रचालन की अनुज्ञा देना।
		वायुयान नियम
78.	अनुसूची 4, धारा 3—सामान्य नियम, पैराग्राफ 3.1.2.2, उपपैरा (4)	600 मीटर (जमीन से 2000 फुट ऊपर) से कम की ऊंचाई पर कलाबाजी की अनुज्ञा देना।
79.	अनुसूची 4, धारा 3—सामान्य नियम, पैराग्राफ 3.2.3	वायुयान द्वारा किसी पदार्थ के कर्षण के सम्बन्ध में अपेक्षाओं को विहित करना।
	कर्षण (टोइंग) पदार्थ।	
80.	अनुसूची 4, परिशिष्ट क, पैराग्राफ 5.2.2	उतराई क्षेत्र के प्रकाश, उतराई क्षेत्र तक पहुंच और उतराई क्षेत्र की सीमा के सम्बन्ध में अपेक्षाओं को विहित करना।

[फा० सं० 3511012/14/76-ए०/ए०आर० 1937(2)/1976]

एस० एकाम्बरम उप-सचिव

S.O. 3563.—In pursuance of sub-rule (2) of rule 3 of the Aircraft Rules, 1937 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Tourism and Civil Aviation No. S.O. 1111 dated the 19th February, 1971, the Central Government hereby authorises the officers specified in column (1) of the First Schedule annexed thereto to exercise such of the powers (more specifically described in the Second Schedule annexed hereto) as specified in the corresponding entries in column (2) of the said First Schedule.

FIRST SCHEDULE

Designation of the officer	Powers in the Second Schedule to be exercised
1	2
Director General of Civil Aviation	All
Deputy Director General of Civil Aviation	1 to 49, 51 to 69, 71 to 74, 78 to 80.
Director of Regulations and Information	1, 12, 70.
Director of Training and licensing	9 to 12, 41 to 45, 49, 52 to 54, 63, 64, 78, 79.
Director of Acronautical Inspection	2, 3, 9 to 11, 13 to 40, 46 to 48, 53, 58, 63, 64.
Director of Aircraft Inspection	2, 3, 9 to 11, 13, 14, 18, 26 to 29, 31, 33 to 35, 37 to 39, 47, 48, 58.
Director of Communication	58, 59.
Director of Air Routes and Aerodromes (operations)	2, 43, 44, 52, 60, 61, 65, 66, 67, 69, 71 to 74.
Director of Air Routes and Aerodromes (Planning)	65, 66, 69, 71, 72, 73, 74.
Director of Research and Development	25, 26, 27, 28.
Director of Air Safety	2, 5, 10.
Regional Director	2, 9, 10, 26, 28, 29, 31, 33, 34, 35, 37, 38, 43 to 45, 47, 48, 52, 59, 60, 61, 62, 65 to 73.
Deputy Director of Training and Licensing	41, 43, 44, 52, 53, 64, 79.
Deputy Director, Flight Crew Standards	41, 43, 44, 52, 53, 64, 79.

1	2
Deputy Director (Examinations)	53 (In respect of Student Flight Engineers and Flight Engineer's Licenses).
Assistant Director of Training and Licensing	43.
Deputy Director of Aeronautical Inspection	2, 9, 10, 17, 18, 19, 23, 24, 26 to 35, 37 to 40, 46, 47, 48, 53, 58, 63, 64.
Deputy Director of Communication	58, 59.
Assistant Director of Communication	59.
Deputy Director of Air Routes and Aerodromes (Operations)	2, 43, 44, 52, 60, 61, 65, 66, 67 69. 72 to 74.
Deputy Director of Air Routes and Aerodromes (Planning)	65, 66, 69, 71, 72, 73, 74.
Deputy Director of Research and Development	27, 28.
Deputy Director of Air Safety	2, 10.
Assistant Director of Air Safety	2, 10.
Senior Air Safety Officer	2, 10.
Controller of Aerodromes	2, 43, 44, 45, 52, 60, 61, 62, 65, 70, 73.
Senior Aerodrome Officer	2, 43, 44, 45, 61, 62, 65, 70.
Aerodrome Officer	2, 61, 62, 65, 70.
Assistant Aerodrome Officer on 'Duty'	2.
Controller of Aeronautical Inspection	2, 9, 10, 26, 28, 29, 31, 33 to 35, 37, 38, 47, 48.
Senior Aircraft Inspector (At Headquarters)	2, 9, 10, 17, 18, 19, 23, 26, 28, 29, 31, 33 to 35, 47, 48.
Senior Aircraft Inspector Incharge of Inspection Office.	2, 9, 10, 26, 28, 29, 31, 33 to 35, 47, 48.
Senior Aircraft Inspector	2, 9, 10, 26, 28, 29, 34, 35, 47, 48.
Controller of Communication	59.
Senior Communication Officer	59.
Communication Officer	59.
Senior Technical Officer	59.
Technical Officer	59.
Assistant Technical Officer	59.
Assistant Communication Officer in the Aeronautical Communication Organization	59.
Aircraft Inspector Incharge of Inspection Office	2, 9, 10, 26, 28, 29, 34, 47.
Aircraft Inspector	2, 9, 10, 26, 28, 29.
Assistant Aircraft Inspector	2.
All Customs Collectors, or other officers of Customs for the time being Incharge of Customs aerodromes.	2.
All Police Officers of and above the rank of Assistant Sub-Inspector of Police.	2.

SECOND SCHEDULE

Sl. No.	Rule by which power conferred.	Nature of power
1	2	3
	GENERAL	
1.	Clause (c) of sub-rule (2) of Rule 8.	To permit carriage of arms, ammunition and other dangerous goods by air.
2.	Sub-rule (6) of rule 8	To cause the goods in question to be placed under custody pending detailed examination of the nature of the goods or pending a decision regarding the action, if any, to be taken in the matter.
3.	Proviso to rule 15	To exempt aircraft from the conditions to be complied with by aircraft in flight.
4.	Clause (a) of sub-rule (3) of rule 19.	To suspend any certificate, rating, licence, authorisation or approval or any or all the privileges of any certificate, rating, licence, authorisation or approval for any specified period.
5.	Clause (b) of sub-rule (3) of rule 19.	To suspend any certificate, rating, licence, authorisation or approval during the investigation of any matter.
6.	Clause (c) of sub-rule (3) of rule 19.	To cancel any certificate, rating, licence, authorisation or approval.
7.	Clause (d) of sub-rule (3) of rule 19.	To endorse any adverse remarks on any certificate, rating, licence, authorisation or approval.
8.	Sub-rule (4) of rule 19.	To cancel or vary any particulars in any licence, authorisation, approval, certificate or journey log book.
9.	Sub-rule (4) of rule 19.	To vary any particulars in any authorisation, approval, certificate of airworthiness, certifiate of registration or journey log book.
10.	Sub-rule (5) of rule 19.	To require the surrender of any licence, authorisation, approval, certificate or other document granted or issued under the rules.
11.	Sub-rule (2) of rule 25.	To permit smoking in aircraft.
12.	Rule 26.	To permit parachute descents and dropping of articles from aircraft.
13.	Clause (b) proviso to rule 27.	To permit persons to be carried on or in any part of aircraft or anything attached thereto.
	Registration of Aircraft	
14.	Proviso to rule 5.	To permit a person to fly or assist in flying an unregistered aircraft and/or without its nationality and registeration marks and to specify any conditions and limitations for the purpose.
15.	Sub-rule (1) of rule 19.	To cancel certificates of registration.
16.	Sub-rule (1) of rule 19.	To suspend certificates of registration.
17.	Sub-rule (4) of rule 19.	To cancel or vary any particulars in certificates of registration.

1	2	3
18.	Sub-rule (5) of rule 19.	To require surrender of certificates of registration.
19.	Sub-rule (1) of rule 30 and rule 32.	To register and grant certificates of registration.
20.	Sub-rule (4) of rule 30.	To decline to accept an application for registration.
21.	Sub-rule (5) of rule 30.	To decline to register aircraft.
22.	Sub-rule (6) of rule 30.	To cancel registration of aircraft.
23.	Sub-rule (1) (a) of rule 31.	To require particulars relating to aircraft and its ownership.
24.	Sub-rule (1)(b) of rule 31.	To refund fees if the application is not granted.
	Airworthiness and Aircraft Maintenance Engineers.	
25.	Sub-rule (2) of rule 19.	To cancel, suspend or vary the conditions attached to any Certificate relating to airworthiness of aircraft or Type Certificate of an aircraft, aircrft component or item of Equipment.
26.	Sub-rule (2) of rule 19.	To suspend any certificate relating to Airworthiness of aircraft or Type Certificate of an aircraft, aircraft component or item of Equipment.
27.	Sub-rule (2) of rule 19.	To vary the conditions attached to any certificate relating to Airworthiness of aircraft or Type Certificate of an aircraft, aircraft component or item of equipment.
28.	Sub-rule (5) of rule 19.	To require the surrender of certificate of Airworthiness, Type Certificate or any document relating thereto.
29.	Sub-rule (5) of rule 19.	To require the surrender of aircraft maintenance Engineer's Licences, Authorisations or approvals.
30.	Sub-rule (1) of rule 61.	To grant, Aircraft Maintenance Engineer's Licence/Approval/ Authorisation.
31.	Sub-rule (1) of rule 61.	To grant approvals/Authorisations.
32.	Proviso to sub- rule (5) of rule 61.	To grant exemption from the tests to act as Aircraft Maintenance Engineer, if the applicant holds a licence granted by a competent authority of a foreign State.
33.	Proviso to sub-rule (5) of rule 61.	To issue a permit in respect of an extension to an Aircraft Maintenance Engineer's licence.
34.	Sub-rule (7) of rule 61.	To renew Aircraft Maintenance Engineer's Licence.
35.	Sub-rule (9) of rule 61.	To vary entries in Aircraft Maintenance Engineer's Licence.
36.	Sub-rule (10) of rule 61.	To cancel Aircraft Maintenance Engineer's licence.
37.	Sub-rule (10) of rule 61.	To suspend Aircraft Maintenance Engineer's licence.
38.	Sub-rule (10) of rule 61.	To endorse Aircraft Maintenance Engineer's licence.
39.	Sub-rule (11) of rule 61.	To withhold the grant of renewal of Aircraft Maintenance Engineer's licence.
40.	Sub-rule (2) of rule 62.	To refund such portion of the sum paid as represents the cost of any examination or inspection not carried out or any licence or certificate not issued.
	Personnel of Aircraft	
41.	Rule 38 and sub-rule (5) of rule 19.	To grant, to withhold the grant and renewal and to require surrender of the following licences :— (1) Student Pilot's Licence. (2) Private Pilot's Licence. (3) Commercial Pilot's Licence. (4) Instrument rating. (5) Assistant Flight Instructor's Rating. (6) Glider Pilot's licence. (7) Student Navigator's licence. (8) Flight Radio Telephone Operator's licence. (9) Flight Radio Operator's licence.
42.	Rule 38 and sub-rule (5) of rule 19.	To grant, to withhold the grant and renewal and to require the surrender of the following licences/ ratings:— (1) Senior Commercial Pilot's licence. (2) Airline Transport Pilot's licence. (3) Flight Instructor's rating. (4) Flight Navigator's licence.
43.	Rule 38.	To renew licences (except Student Flight Engineer's and Flight Engineer's licence) and ratings of aircraft personnel.
44.	Rule 38.	To vary licences (except Student Flight Engineer's and Flight Engineer's Licences) and ratings, in respect of aircraft with A.U.W. not exceeding 5,700 Kgs.
45.	Rule 38.	To vary licences (except Student Flight Engineer's and Flight Enineers' licences) and ratings, in respect of aircraft with A.U.W. exceeding 5,700 kgs.
46.	Rule 38 and sub-rule (5) of rule 19.	To grant, to withhold the grant and renewal of and to require the surrender of— (1) Student Flight Engineer's licence. (2) Flight Engineer's licences.
47.	Rule 38.	To renew student Flight Engineer's and Flight Engineer's licences.
48.	Rule 38 and sub-rule (3) and (4) of rule 19.	To vary, endorse any adverse remarks on and to cancel or vary particulars, in :— (1) Student Flight Engineer's licences ; and (2) Flight Engineer's licences.
49.	Sub-rule (1) of rule 39-A	To disqualify a person for a specified period from holding or obtaining licence.
50.	Sub rule (2) of rule 37-A.	To debar a person permanently or temporarily from holding any licence.

1	2	3
51.	First proviso to rule 41.	To exempt certain I.A.F. personnel from flying tests and medical or other technical examinations for the issue of Senior Commercial and Airline Transport Pilot's Licences.
52.	Rule 45.	To validate foreign licences.
53.	Sub-rule (5) of rule 48.	To order refund of proportionate part of fees.
54.	Sub rule (3) & (4) of rule 19.	(a) To suspend the following and any or all of the privileges thereof for a specified period or during the investigation of any matter ; (b) To cancel the following licences/ratings; (c) To endorse any adverse remarks thereon ; and (d) To cancel or vary particulars therein :— (1) Student Pilot's licence. (2) Private Pilot's licence. (3) Commercial pilot's licence. (4) Instrument rating. (5) Assistant Fight Instructor's Rating. (6) Glider Pilot's licence. (7) Student Navigator's licence. (8) Flight Radio Telephone Operator's licence. (9) Flight Radio Operator's licence.
55.	Sub-rule (3) and (4) of rule 19.	(a) To suspend the following licences and any or all of the privileges thereof for a specified period or during the investigation of any matter ; (b) To cancel the following licences ; (c) To endorse any adverse remarks thereon ; and (d) To cancel or vary particulars therein :— (1) Senior Commercial Pilot's licence; (2) Airline Transport Pilot's licence ; (3) Flight Instructor's Rating; and (4) Flight Navigator's licence.
56.	Sub-rule (3) of rule 19.	To suspend or cancel student Flight Engineer's licence.
57.	Sub-rule (3) of rule 19.	To suspend or cancel Flight Engineer's licence.
	Radio Telegraph Apparatus	
58.	Rule 63.	To approve the type of radio telegraph apparatus for use in aircraft.
59.	Rule 63.	To approve the installtion, bonding and screening of radio telegraph apparatus in aircraft.
	Air Route Beacons, Aerodrome Lights and False Lights	
60.	Sub rule (1) of rule 65.	To approve the establishment and maintenance of, or alteration in the character of the light exhibited from air route beacons or aerodrome lihgts and prescribe conditions for such approval.
61.	Sub-rule (1) of rule 66.	To serve a notice on the owner or person in possession of the place where a light is exhibited or upon the person having charge of the light for extinguishing or effectually screening such a light and for preventing for the future exhibition of any similar light.
62.	Sub rule (4) of rule 66.	To enter upon the place where the light is and forthwith extinguish the same.
	Log Books	
63.	Sub-rule (4) of rule 19.	To cancel or vary any particulars in any juorney log book.
64.	Sub-rule (4) of rule 19.	To vary any particulars in any journey log book.
	Aerodromes	
65.	Rule 78.	To determine the extent and the conditions subject to which Government Aerodromes may be opened to public use.
66.	Rule 80.	To licence aerodromes.
67.	Sub-rule (2a) of rule 82.	To determine the charges for space in or outside a hangar at a Government Civil aerodrome, leased out to any person for housing and parking of aircraft or for other purposes and to enter into agreement with a person regarding the terms and conditions of such lease.
68.	Sub-rule (3) of rule 82.	To approve tariff of charges for landing and housing at licenced public aerodromes (where such approval may be necessary) other than Government aerodromes.
69.	Sub-rule (2) and (3) of rule 86.	To approve alterations to the landing areas, building or other structures or to withhold such approval.
70.	Rule 81-A	To permit entry into movement area.
71.	Sub-rule (3) of rule 19. Sub-rule (4) of rule 86.	To cancel aerodrome licences.
72.	Sub-rule (3) of rule 19.	To suspend aerodrome licences.
73.	Sub-rule (5) of rule 86.	To approve that the aerodrome has been maintained by the licensee in a fit state for use by aircraft and marked adequately.
74.	Proviso to rule 87.	To require the inspection of an aerodrome before the grant or renewal of a licence.
	Air Transport Service	
75.	Sub-rule (1) of rule 134.	To permit operation of scheduled services by private operators.
76.	Sub-rule (2) of rule 134.	To permit any air transport undertaking of which the principal place of business is in any country outside India to operate an air transport service.

1	2	3
77.	Sub-rule (3) of rule 134.	To permit operation of non-scheduled air transport services.
	Rules of the Air	
78.	Shedule IV section 3- General Rules. Paragraph3.1.-2.2., sub-paragraph (iv)	To permit acrobatics to be carried out at a height of less than 600 metres (2000 feet above the ground)
79.	Schedule IV Section 3-general Rules. Paragraph 3.2.3. Towing objects.	To prescribe the requirements regarding the towing of an object by an aircraft.
80.	Schedule IV Appendix A Paragraph 5.2.2.	To prescribe the requirements regarding the lighting of the landing area, the approach to the landing area and the boundary of landing area.

[F. No. Av. 11012/14/76-A/AR/1937(2)/976]

S. EKAMBARAM, Dy. Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, सितम्बर, 1976

का० आ० 3564.—क्विलोन टेलीफोन एक्सचेंज प्रणालियों के स्थानीय क्षेत्र में बदली किए जाने की बाबत जिन लोगों पर इस परिवर्तन का प्रभाव पड़ने की सम्भावना है एक सर्वसाधारण सूचना उन सबकी जानकारी के लिए, जैसा कि भारतीय तार नियमावली 1951 के नियम 434(III) (बी बी) में अपेक्षित है, क्विलोन में चालू समाचार पत्रों में निकाली गयी थी और उनसे कहा गया था कि इस बारे में यदि उन्हें कोई आपत्ति हो या उनके कोई सुझाव हों तो वे इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर भेजने का कष्ट करें।

उक्त सूचना सर्वसाधारण की जानकारी के लिए 16 अप्रैल, 1976 के अंग्रेजी दैनिक 'इंडियन एक्सप्रेस' (कोचीन), 14 अप्रैल, 1976 के मलयालम दैनिक 'मनोरमा' कोट्टायम और 15 अप्रैल, 1976 के मलयालम दैनिक 'केरल कौमुदी' त्रिवेन्द्रम समाचार पत्रों में प्रकाशित कराई गई थी।

उक्त सूचना के उत्तर में जनसाधारण से कोई आपत्तियां और सुझाव प्राप्त नहीं हुए।

इसलिए अब उक्त नियमावली के नियम 434 (iii) (बीबी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक डाकतार ने यह घोषित किया है कि तारीख 1-11-76 से क्विलोन का स्थानीय संशोधित क्षेत्र इस प्रकार होगा :—

क्विलोन टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली

क्विलोन का स्थानीय क्षेत्र वही होगा जो कि क्विलोन नगर पालिका के क्षेत्राधिकार में पड़ता है;

बशर्ते की टेलीफोन उपभोक्ता क्विलोन नगरपालिका सीमा के बाहर स्थित हो किन्तु उन्हें क्विलोन टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली से सेवा प्रदान होती हो तो वे इस प्रणाली के किसी भी एक्सचेंज से जब तक 5 किलोमीटर दूरी पर स्थिति रहेंगे और इस प्रणाली से जुड़े रहेंगे तब तक स्थानीय शुल्क दर से अदायगी करेंगे।

[सं० 3-6/74-पी०एच०बी० (i)]

DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS

(P&T Board)

New Delhi, the 24th September, 1976

S.O. 3564.—Whereas a public notice for revising the local area of Quilon Telephone Exchange System was published as required by rule 434(III)(bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspaners in circulation at Quilon, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers;

And whereas the said notice was made available to the public on 16th April, 1976 in English daily "Indian Express" Cochin, on 14th April, 1976 in Malayalam daily 'Manorama' Kottayam and on 15th April, 1976 in Malayalam daily 'Kerala Kaumudy' Trivendrum Newspapers;

And whereas no objections and suggestions have been received from the public on the said notice:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434(III)(bb) of the said Rules, the Director General Posts and Telegraphs hereby declares that with effect from 1-11-76 the revised local area of Quilon shall be as under;

Qulion Telephone Exchange System

The local area of Quilon shall cover an area falling under the jurisdiction of Quilon Municipality;

Provided that the telephone subscribers located outside the Oulion Municipal limit but who are served from Quilon Telephone Exchange System shall continue to pay local tariffs as long as they are located within 5 Kms of any exchange of this system and remain connected to it.

[No. 3-6/74-PHB(i)]

का०आ० 3565.—कालीकट तथा फैरोक टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली के स्थानीय क्षेत्र में बदली किए जाने के बाबत जिन लोगों पर इस परिवर्तन का प्रभाव पड़ने की संभावना है एक सर्वसाधारण सूचना उन सबकी जानकारी के लिए जैसा कि भारतीय तार नियमावली 1951 के नियम 434 (III) (बीबी) में अपेक्षित है कालीकट व फैरोक में चालू समाचार पत्रों में निकाली गयी थी और उनसे कहा गया था कि इस बारे में यदि कोई आपत्ति हो या उनके सुझाव हों तो वे इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर भेजने का कष्ट करें।

उक्त सूचना सर्वसाधारण की जानकारी के लिए 15 जून, 1976 के अंग्रेजी समाचार पत्र 'इंडियन एक्सप्रेस' तथा चन्द्रिका, कालीकट तथा मलयालम समाचार पत्र 'विकक्षनम', कालीकट में प्रकाशित कराई गई थी।

उक्त सूचना के उत्तर में जनसाधारण से कोई आपत्तियां और सुझाव प्राप्त नहीं हुए।

इसलिए अब उक्त नियमावली के नियम 434(III)(बीबी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक डाकतार ने घोषित किया है कि तारीख 1-11-76 से कालीकट तथा फैरोक का स्थानीय संशोधित क्षेत्र इस प्रकार होगा :—

कालीकट टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली

कालीकट का स्थानीय क्षेत्र वही होगा जोकि कालीकट नगर निगम के क्षेत्राधिकार में पड़ता है;

बशर्ते कि टेलीफोन उपभोक्ता कालीकट नगर निगम सीमा के बाहर स्थित हों किन्तु उन्हें कालीकट टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली से सेवा प्रदान होती हो तो वे इस प्रणाली के किसी भी एक्सचेंज से जब तक 5 किलोमीटर दूरी के भीतर स्थिति रहेंगे और इस प्रणाली से जुड़े रहेंगे तब तक स्थानीय शुल्क दर से अदायगी करेंगे।

फैरोक टेलीफोन प्रणाली

फैरोक का स्थानीय क्षेत्र वही होगा जो कि फैरोक टेलीफोन एक्सचेंज से 5 कि० मी० की अरीय दूरी के अन्तर्गत पड़ता है।

बशर्ते कि यह सीमा दक्षिण में मंजूर नदी तक प्रतिबन्धित होगी।

[सं० 3-6/74-पी०एच०बी० (ii)]

S.O. 3565.—Whereas a public notice for revising the local area of Calicut and Feroke Telephone Exchange Systems was published as required by rule 434(III)(bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Calicut & Feroke, inviting objections and suggestions from all person likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the News-papers;

And whereas the said notice was made available to the public on 15th June, 1976 in English newspapers 'Indian Express' and 'Chandrika' Calicut and Malayalam newspaper 'Veekshanam' Cochin;

And whereas no objections and suggestions have been received from the public on the said notice;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434(III)(bb) of the said Rules, the Director General Posts and Telegraphs hereby declares that with effect from 1-11-76 the revised local area of Calicut and Feroke shall be as under;

Calicut Telephone Exchange System

The local area of Calicut shall cover an area falling under the jurisdiction of Calicut Municipal Corporation;

Provided that the telephone subscribers located outside Calicut Municipal Corporation limit but who are served from Calicut Telephone Exchange System shall continue to pay local tariffs as long as they are located within 5 Kms of any exchange of this system and remain connected to it.

Feroke Telephone Exchange System

The local area of Feroke shall cover an area falling within 5 Kms radial distance from Feroke Telephone Exchange;

Provided that this limit shall be restricted to Manner River in the South.

[No. 3-6/74-PHB.(ii)]

नई दिल्ली, 25 सितम्बर 1976

का० आ० 3566.—भुवनेश्वर टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था के स्थानीय क्षेत्र में बदली किये जाने की बाबत जिन लोगों पर इस परिवर्तन का प्रभाव पड़ने की संभावना है एक सर्वसाधारण सूचना उन सबकी जानकारी के लिए जैसा कि भारतीय तार नियमावली, 1951 के नियम 434 (III) (बी० बी०) में अपेक्षित है भुवनेश्वर में चालू समाचार पत्रों में निकाली गई थी और उनसे कहा गया था कि इस बारे में यदि उन्हें कोई आपत्ति हो या उनके कोई सुझाव हों तो वे इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर भेजने का कष्ट करें।

उक्त सूचना सर्वसाधारण की जानकारी के लिए 28 फरवरी, 1976 को 'बासुमती' में, 1 मार्च, 1976 को "समाज" में और 3 मार्च, 1976 को 'अमृत बाजार पत्रिका' समाचार पत्रों में प्रकाशित कराई गई थी।

उक्त सूचना के उत्तर में जनसाधारण से कोई आपत्तियां और सुझाव प्राप्त नहीं हुए।

इसलिए अब उक्त नियमावली के नियम 434 (III) (बी० बी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक डाक-तार ने घोषित किया है कि तारीख 1-11-1976 से भुवनेश्वर का स्थानीय संशोधित क्षेत्र इस प्रकार होगा:—

भुवनेश्वर टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था

भुवनेश्वर का स्थानीय क्षेत्र वही होगा जोकि भुवनेश्वर नोटिफाइड एरिया कमेटी के क्षेत्राधिकार .....के अंतर्गत पड़ता है;

किन्तु वे टेलीफोन प्रयोगकर्ता जो कि भुवनेश्वर नोटिफाइड एरिया कमेटी सीमा के बाहर स्थित हैं किन्तु जिन्हें भुवनेश्वर टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था से सेवा प्रदान होती है वे इस व्यवस्था के किसी भी एक्सचेंज से जब तक 5 किलोमीटर दूरी के भीतर स्थित रहेंगे और इस व्यवस्था से जुड़े रहेंगे तब तक स्थानीय शुल्क दर से अदायगी करेंगे।

[सं० 1-10/76-पी०एच०बी०(i)]

New Delhi, the 25th September, 1976

S.O. 3566.—Whereas a public notice for revising the local area of Bhubaneswar Telephone Exchange System was published as required by rule 434(III)(bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Bhubaneswar inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers;

And whereas the said notice was made available to the public on 28th Feb., 1976 in 'Basumati', on 1st March, 1976 in 'Samaj', and on 3rd March, 1976 in 'Amritabazar Patrika' Newspapers.

And whereas no objections and suggestions have been received from the public on the said notice;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434(III)(bb) of the said Rules, the Director General Posts and Telegraphs hereby declares that with effect from 1-11-76 the revised local area of Bhubaneswar shall be as under;

Bhubaneswar Telephone Exchange System

The local area Bhubaneswar shall cover an area falling under the jurisdiction of Bhubaneswar Notified Area Committee;

Provided that the telephone subscribers located outside Bhubaneswar Notified Area Committee limit but who are served from Bhubaneswar Telephone Exchange System shall continue to pay local tariffs as long as they are located within 5 Kms of any exchange of this system and remain connected to it.

[No. 3-10/76-PHB(i)]

का० आ० 3567.—क्योंझार टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था के स्थानीय क्षेत्र में बदली किये जाने की बाबत जिन लोगों पर इस परिवर्तन का प्रभाव पड़ने की संभावना है एक सर्वसाधारण सूचना उन सबकी जानकारी के लिए जैसा कि भारतीय तार नियमावली, 1951 के नियम 434 (iii) (बी०बी) में अपेक्षित है क्योंझार में चालू समाचार पत्रों में निकाली गई थी और उनसे कहा गया था कि इस बारे में यदि उन्हें कोई आपत्ति हो या उनके कोई सुझाव हों तो वे इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिन से भीतर भेजने का कष्ट करें।

उक्त सूचना सर्वसाधारण की जानकारी के लिए 28 फरवरी, 1976 को 'बासुमती' में, 1 मार्च, 1976 को 'समाज' में और 3 मार्च, 1976 को 'अमृत बाजार पत्रिका' समाचार पत्रों में प्रकाशित कराई गई थी।

उक्त सूचना के उत्तर में जनसाधारण से कोई आपत्तियां और सुझाव प्राप्त नहीं हुए।

इसलिए अब उक्त नियमावली के नियम 434 (III) (बी बी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, डाक-तार ने घोषित किया है कि तारीख 1-11-1976 से क्योंझार का स्थानीय संशोधित क्षेत्र इस प्रकार होगा :—

क्योंझार टेलिफोन एक्सचेंज व्यवस्था

क्योंझार का स्थानीय क्षेत्र वही होगा जो कि क्योंझार नगरपालिका के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत पड़ता है;

किन्तु वे टेलीफोन प्रयोगकर्ता जो कि क्योंझार नगरपालिका सीमा के बाहर स्थित हैं किन्तु जिन्हें क्योंझार टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था से सेवा प्रदान होती है वे इस व्यवस्था के किसी भी एक्सचेंज से जब तक 5 किलोमीटर दूरी के भीतर स्थित रहेंगे और इस व्यवस्था से जुड़े रहेंगे तब तक स्थानीय शुल्क दर से अदायगी करेंगे।

[सं० 3-10/76-पी०एच०बी०(ii)]

S.O. 3567.—Whereas a public notice for revising the local area Keonjhar Telephone Exchange System was published as required by rule 434(III)(bb) of the Indian Telegraph

Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Keonjhar, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers;

And whereas the said notice was made available to the public on 28th Feb., 1976 in 'Basumati', on 1st March, 1976 in 'Samaj' and on 3rd March, 1976 in 'Amritbazar Patrika' Newspapers.

And whereas no objections and suggestions have been received from the public on the said notice;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434(III)(bb) of the said Rules, the Director General Posts and Telegraphs hereby declares that with effect from 1-11-76 the revised local area of Keonjhar shall be as under;

Keonjhar Telephone Exchange System

The local area of Keonjhar shall cover an area falling under the jurisdiction of Keonjhar Municipality;

Provided that the telephone subscribers located outside Keonjhar Municipal limit but who are served from Keonjhar Telephone Exchange System shall continue to pay local tariffs as long as they are located within 5 Kms of any exchange of this system and remain connected to it.

[No. 3-10/76-PHB(ii)]

का० आ० 3568.—बेहरामपुर (जी० एम०) टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था के स्थानीय क्षेत्र में बदली किये जाने की बाबत जिन लोगों पर इस परिवर्तन का प्रभाव पड़ने की संभावना है एक सर्वसाधारण सूचना उन सबकी जानकारी के लिए जैसा कि भारतीय तार नियमावली, 1951 के नियम 434 (III) (बी बी)) में अपेक्षित है बेहरामपुर (जी०एम०) में स्थानीय समाचार पत्रों में निकाली गई थी और उनसे कहा गया था कि इस बारे में यदि उन्हें कोई आपत्ति हो या उनके कोई सुझाव हों तो वे इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर भेजने का कष्ट करें।

उक्त सूचना सर्वसाधारण की जानकारी के लिए 28 फरवरी, 1976 को 'बसुमती' में, 1 मार्च, 1976 को 'समाज' में और 3 मार्च, 1976 'अमृत बाजार पत्रिका' समाचार पत्रों में प्रकाशित कराई गई थी।

उक्त सूचना के उत्तर में जनसाधारण से कोई आपत्तियां और सुझाव प्राप्त नहीं हुए।

इसलिए अब उक्त नियमावली के नियम 434(III) (बी० बी०) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, डाक तार ने घोषित किया है कि तारीख 1-11-1976 से बेहरामपुर (जी० एम०) का स्थानीय संशोधित क्षेत्र इस प्रकार होगा :—

बैहरामपुर (जी० एम०) टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था

बैहरामपुर (जी० एम०) का स्थानीय क्षेत्र वही होगा जो कि बेहरामपुर (जी० एम०) नगरपालिका के क्षेत्राधिकार में पड़ता है ;

किन्तु वे टेलीफोन उपभोक्ता जो कि बैहरामपुर (जी० एम०) नगरपालिका सीमा के बाहर स्थित हैं किन्तु जिन्हें बेहरामपुर (जी० एम०) टेलीफोन एक्सचेन्ज व्यवस्था से सेवा प्रदान होती है वे इस व्यवस्था के किसी भी एक्सचेंज से जब तक 5 किलोमीटर दूरी के भीतर स्थित रहेंगे और इस व्यवस्था से जुड़े रहेंगे तब तक स्थानीय शुल्क दर से अदायगी करेंगे।

[सं० 3-10/76-पी०एच०बी०(iii)]

प्रा० ना० कौल, निदेशक

S.O. 3568.—Whereas a public notice for revising the local area of Berhampur (Gm) Telephone Exchange System was published as required by rule 434(III)(bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Berhampur (Gm) inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers;

And whereas the said notice was made available to the public on 28th Feb., 1976 in 'Basumati', on 1st March 1976 in 'Samaj', and on 3rd March, 1976 in 'Amritbazar Patrika' Newspapers.

And whereas no objections and suggestions have been received from the public on the said notice;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434(III)(bb) of the said Rules, the Director General Posts and Telegraphs hereby declares that with effect from 1-11-76 the revised local area of Behrampur (Gm) shall be as under;

Berhampur (Gm) Telephone Exchange System

The local area of Berhampur (Gm) shall cover an area falling under the jurisdiction of Berhampur (Gm) Municipality;

Provided that the telephone subscribers located outside Berhampur (Gm) Municipal limit but who are served from Berhampur (Gm) Telephone Exchange System shall continue to pay local tariffs as long as they are located within 5 Kms of any Exchange of this system and remain connected to it.

[No. 3-10/76-PHB(iii)]

P. N. KAUL, Director

श्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 15 मई, 1976

का० आ० 3569.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में ग्रिंडलेज बैंक लिमिटेड, कोचीन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण मुम्बई को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या ग्रिंडलेज बैंक लि०, क्विस्टोव रोड, विलिंगटन आइलैन्ड, कोचीन के प्रबन्धतंत्र की :—

(क) उक्त बैंक के कर्मकारों द्वारा छुट्टी पर रहते हुए अवकाश वेतन प्राप्त करने की विद्यमान प्रथा को 15 सितम्बर, 1975 से वापस लेने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?

(ख) उक्त बैंक की कोचीन शाखा के क्लर्क कलक्टरों को 12 अक्तूबर, 1970 के द्विपक्षीय समझौते के अनुसार उनके द्वारा सम्यक् किए गए कार्यों के संबंध में देय विशेष भत्ता देने से इन्कार करने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं तो, उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं और किस तारीख से ?

(ग) उक्त बैंक को कोचीन शाखा में टेलेक्स प्रचालन कार्य किसी ऐवार्ड स्टाफ को देने की बजाय एक नान-ऐवार्ड स्टाफ को सौंप देने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?

(घ) उक्त बैंक की कोचीन शाखा में डाक संबंधी अंकन करने वाली मशीन का प्रचालन किसी अधीनस्थ कर्मचारी को सौंपने की बजाय एक लिपिकीय कर्मचारी को सौंपने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो प्रभावित हुए कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?

[सं० एल-12011/33/75 डी- II(ए)]

आर० कुंजीथापदम, अवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 15th May, 1976

S.O. 3569.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Grindlays Bank Limited, Cochin and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule here to annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Bombay constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Grindlays Bank Limited, Bristow Road, Willington Island, Cochin, is justified in:—

(a) withdrawing the existing practice of drawing leave salary while on leave by the workmen of the said Bank with effect from the 15th September, 1975 is justified? If not, to what relief are the workmen entitled?

(b) denying the special allowance due to the Bill Collectors in Cochin Branch of the said Bank in terms of the Bipartite Settlement of 12th October, 1970 for due performance of their duties? If not, to what relief are the said workmen entitled and from what date?

(c) entrusting the telex operating work to a non-Award staff in the Cochin Branch of the said Bank instead of an Award Staff? If not, to what relief are the workmen entitled?

(d) entrusting the operation of postal franking machine to a clerical staff in the Cochin Branch of the said Bank instead of subordinate staff? If not, to what relief are the affected workmen entitled?

[No. L-12011/33/75-D. II(A)]

R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1976

का० आ० 3570.—मैसर्स इण्डस्ट्रियल ज्वेल्स लिमिटेड 32—निकोल रोड बेलार्ड एस्टेट मुम्बई (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन छूट देने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार की राय में अभिदाय की दरों की बाबत उक्त स्थापन के भविष्य निधि नियम उसके कर्मचारियों के लिए उन नियमों से कम अनुकूल नहीं हैं जो उक्त अधिनियम की धारा 6 में विनिर्दिष्ट हैं, और कर्मचारी कर्मचारी भविष्य निधि की अन्य प्रसुविधाओं का भी उपभोग कर रहे हैं जो उन प्रसुविधाओं से कम अनुकूल नहीं हैं, जो, उसी प्रकार के किसी अन्य स्थापन के कर्मचारियों के संबंध में, उक्त अधिनियम के अधीन और कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उपबंधित है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त स्थापन को उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन से सम्बद्ध नियोजक, निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा और ऐसे निरीक्षण प्रभार का प्रत्येक मास के अंत के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करे।

2. उक्त स्थापन से सम्बद्ध नियोजक—

(i) भविष्य निधि अभिदायों के विनिधान की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए निदेशों का पालन करेगा; और

(ii) यह ध्यान रखने के लिए सम्यक् सावधानी बरतेगी कि उक्त स्थापन की बाबत गठित न्यासी बोर्ड भविष्य निधि अभिदायों का विनिधान समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए निदेशों के अनुसार करता है और उक्त न्यासी बोर्ड द्वारा भविष्य निधि अभिदायों के विनिधान के लिए उत्तरदायी।

3. नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा, जिन्हें केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

4. नियोजक प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण या पासबुक भेजेगा।

5. निधि के प्रशासन, जिसमें लेखाओं का बनाए रखना, लेखाओं और विवरणियों का भेजा जाना, संचयों का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों आदि का संदाय सम्मिलित है, में होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

6. नियोजक प्रति वर्ष हर एक सदस्य के खाते में ऐसी दर पर जो न्यासी बोर्ड अवधारित करे ब्याज जमा कर देगा और ऐसी दर उस दर से कम नहीं होगी जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा अवधारित की जाए।

7. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा निधि के नियमों की एक प्रति स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा और जब कभी उनमें संशोधन किया जाएगा तब कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद भी प्रदर्शित करेगा।

8. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी निधि) या छूट प्राप्त किसी अन्य स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही से सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित होता है तो नियोजक स्थापन की निधि के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त ही दर्ज करेगा और ऐसे कर्मचारी की बाबत उसके पिछले संचयों को स्वीकार करके उन्हें उसके खाते में जमा करेगा।

9. यदि उस वर्ग के स्थापनों के लिए, जिसमें नियोजक का स्थान आता है, भविष्य निधि के अभिदायों की दर उक्त अधिनियम के अधीन बढ़ा दी जाए तो नियोजक भविष्य निधि के अभिदायों की दर समुचित रूप से बढ़ा देगा ताकि स्थापन की भविष्य निधि स्कीम के अधीन की प्रसुविधाएं उन प्रसुविधाओं से कम अनुकूल न हो जाएं जिनकी व्यवस्था उक्त अधिनियम के अधीन है।

10. स्थापन अपने भविष्य निधि का संपरीक्षित तुलनपत्र हर वर्ष प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त को वर्षान्त के तीन मास के भीतर भेजेगा।

11. स्थापन के भविष्य निधि नियमों में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी सदस्य को उस स्थापन का कर्मचारी न रह जाने की दशा में देय रकम अथवा किसी अन्य स्थापन को उसका स्थानान्तरण हो जाने पर अन्तरणीय रकम जो कि नियोजक और कर्मचारियों के अभिदाय के रूप तथा उस पर ब्याज और उसके अतिरिक्त वह रकम भी, यदि कोई हो, जो उपदान या पेंशन नियमों के अधीन देय है, कुल मिलाकर यदि उस रकम से कम है जो नियोजक और कर्मचारी के अभिदाय के रूप में तथा उस पर ब्याज के रूप में उस दशा में देय होती जब कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के अधीन भविष्य निधि का सदस्य होता, तो नियोजक इन रकमों के अन्तर के बराबर रकम सदस्य को क्षतिपूर्ति के रूप में अथवा विशेष अभिदाय के रूप में संदत्त करेगा।

12. भविष्य निधि नियमों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना संभाव्य हो वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र अनुमोदन करने से पूर्व, कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

[सं० एस० 35014(12)/74-पी० एफ०-II)]

New Delhi, the 18th September, 1976

S.O. 3570.—Whereas Messrs Industrial Jewels Limited, 38-Nicol Road Ballard Estate Bombay (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provision Act, 1952 (19 of 1952);

And whereas in the opinion of the Central Government, the rules of the provident fund of the said establishment with respect of the rates of contribution are not less favourable to the employees therein than those specified in section 6 of the said Act, and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the said Scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-clause (1) of section 17 of the said Act, and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall provide for such facilities or inspection and pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provision Act, 1952 (19 of 1952), within 15 days from the close of every month.

2. The employer in relation to the said establishment—

(i) shall comply with the directions issued by the Central Government, from time to time, under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the said Act in regard to the investment of provident fund contributions; and

(ii) shall take due care to see that the Board of Trustees constituted in respect of that establishment invest the provident fund contributions in accordance with the directions issued by the Central Government, from time to time, and shall be responsible for such investment of the provident fund contributions by the said Board of Trustees.

3. The employer shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government may, from time to time, direct.

4. The employer shall furnish to each employee an Annual Statement of account or Pass Book.

5. All expenses involved in the administration of the fund including the maintenance of accounts, submission of accounts and returns, transfer of accumulations, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.

6. The employer shall credit, every year to the account of each member interest at such rates as may be determined by the Board of Trustees, and such rate shall not be less than the one determined by the Central Government from time to time.

7. The employer shall display on the notice board of the establishment a copy of the rules of the fund as approved by the appropriate Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient points thereof in the language of the majority of the employees.

8. Where an employee who is already member of the Employee Provident Fund (Statutory Fund) or the provident fund of another exempted establishment is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the establishment, and accept the past accumulations in respect of such employee and credit to his account.

9. The employer shall enhance the rate of provident fund contribution appropriately if the rate of provident fund contributions for the class of establishments in which his esablishment falls is enhanced under the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) so that the benefits under the provident fund scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefit provided under the said Act.

10. The establishment shall submit an audited balance sheet of its provident fund every year to the Regional Commissioner within three months of the close of the year.

11. Notwithstanding anything contained in the provident fund rules of the establishment if the amount payable to any member, upon his ceasing to be an employee of the establishment or transferable on his transfer to any other estabishment, by way of employers' and employees' contributions plus interest thereon taken together with the amount, if any, payable under the Gratuity or Pension Rules, be less than the amount that would be payable as employer's and employees' contributions plus interest thereon, if he were a member of the Provident Fund under the Employees' Provident Fund Scheme, 1952, the employer shall pay the difference to the member as Compensation or Special Contribution.

12. No amendment of the rules of the provident fund shall be made without the previous approval of the Regional Provident Fund Commissioner and where any amendment is likely to affect adversely the interests of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, shall, before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees' to explain their point of view.

[No. S. 35014/12/74-PF-II]

का० आ० 3571.—मैसर्स इंडस्ट्रियल ज्वैल्स लिमिटेड, 'बी' बिल्डिंग, शिवसागर इस्टेट, ए० बी० रोड वोर्ली-मुम्बई-18 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन छूट देने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार की राय में अभिदाय की दरों की बाबत उक्त स्थापन के भविष्य निधि नियम उसके कर्मचारियों के लिए उन नियमों से कम अनुकूल नहीं हैं जो उक्त अधिनियम की धारा 6 में विनिर्दिष्ट हैं, और कर्मचारी कर्मचारी भविष्य निधि की अन्य प्रसुविधाओं का भी उपभोग कर रहे हैं जो उन प्रसुविधाओं से कम अनुकूल नहीं हैं, जो उसी प्रकार के किसी अन्य स्थापन के कर्मचारियों के संबंध में, उक्त अधिनियम के

अधीन और कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उपबंधित है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त स्थापन को उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन से सम्बद्ध नियोजक, निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा और ऐसे निरीक्षण प्रभार मास के अंत के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करे।

2. उक्त स्थापन से सम्बद्ध नियोजक—

(i) भविष्य निधि अभिदायों के विनिधान की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए निदेशों का पालन करेगा; और

(ii) यह ध्यान रखने के लिए सम्यक् सावधानी बरतेगा कि उक्त स्थापन की बाबत गठित न्यासी बोर्ड भविष्य निधि अभिदायों का विनिधान समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए निदेशों के अनुसार करता है और उक्त न्यासी बोर्ड द्वारा भविष्य निधि अभिदायों के विनिधान के लिए उत्तरदायी।

3. नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा, जिन्हें केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

4. नियोजक प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण या पास बुक भेजेगा।

5. निधि के प्रशासन, जिसमें लेखाओं का बनाए रखना, लेखाओं और विवरणियों का भेजा जाना, संचयों का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों आदि का संदाय सम्मिलित है, में होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

6. नियोजक प्रति वर्ष हर एक सदस्य के खाते में ऐसी दर पर जो न्यासी बोर्ड अवधारित करे ब्याज जमा कर देगा और ऐसी दर उस दर से कम नहीं होगी जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा अवधारित की जाए।

7. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा निधि के नियमों की एक प्रति स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा और जब कभी उनमें संशोधन किया जाएगा तब कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद भी प्रदर्शित करेगा।

8. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी निधि) या छूट प्राप्त किसी अन्य स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही से सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित होता है तो नियोजक स्थापन की निधि के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त ही दर्ज करेगा और ऐसे कर्मचारी की बाबत उसके पिछले संचयों को स्वीकार करके उन्हें उसके खाते में जमा करेगा।

9. यदि उस वर्ग के स्थापनों के लिए, जिसमें नियोजक का स्थान आता है भविष्य निधि के अभिदायों की दर उक्त अधिनियम के अधीन बढ़ा दी जाए तो नियोजक भविष्य निधि के अभिदायों की दर समुचित रूप से बढ़ा देगा ताकि स्थापन की भविष्य निधि स्कीम के अधीन की प्रसुविधाएं उन प्रसुविधाओं से कम अनुकूल न हो जाएं जिनकी व्यवस्था उक्त अधिनियम के अधीन है।

10. स्थापन अपनी भविष्य निधि का सपरीक्षित तुलनपत्र हर वर्ष प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त को वर्षान्त के तीन मास के भीतर भेजेगा।

11. स्थापन के भविष्य निधि नियमों में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी सदस्य को इस स्थापन का कर्मचारी न रह जाने की दशा में देय रकम अथवा किसी अन्य स्थापन को उसका स्थानान्तरण हो जाने पर अन्तरणीय रकम जो कि नियोजक और कर्मचारियों के अभिदाय के रूप में तथा उस पर ब्याज और उसके अतिरिक्त वह रकम भी, यदि कोई हो, जो उपदान या पेंशन नियमों के अधीन देय है, कुल मिलाकर यदि उस रकम से कम है जो नियोजक और कर्मचारी के अभिदाय के रूप में तथा उस पर ब्याज के रूप में उस दशा में देय होती जब कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के अधीन भविष्य निधि का सदस्य होता, तो नियोजक इन रकमों के अन्तर के बराबर रकम सदस्य को क्षतिपूर्ति के रूप में अथवा विशेष अभिदाय के रूप में संदत्त करेगा।

12. भविष्य निधि नियमों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना संभाव्य हो वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मुम्बई अनुमोदन करने से पूर्व, कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

[सं० एस० 35014(37)/76-पी एफ-II]

S.O. 3571.—Whereas Messrs. Amines and Plasticizers Ltd., 'D' Building, Shiv Sagar Estate, Dr. A. B. Road, Worli, Bombay-18 (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause, (a) of sub-section (1) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952);

And whereas in the opinion of the Central Government, the rules of the provident fund to the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable to the employees therein than those specified in section 6 of the said Act, and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the said Scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the said Act, and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), within 15 days from the close of every month.

2. The employer in relation to the said establishment—

(i) shall comply with the directions issued by the Central Government, from time to time, under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the said Act in regard to the investment of provident fund contributions; and

(ii) shall take due care to see that the Board of Trustees constituted in respect of that establishment invest the provident fund contributions in accordance with the directions issued by the Central Government, from time to time, and shall be responsible for such investment of the provident fund contributions by the said Board of Trustees.

3. The employer shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government may, from time to time, direct.

4. The employer shall furnish to each employee an annual statement of account or Pass Book.

5. All expenses involved in the administration of the fund including the maintenance of accounts, submission of accounts and returns, transfer of accumulations, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.

6. The employer shall credit, every year to the account of each member interest at such rates as may be determined by the Board of Trustees. and such rate shall not be less than the one determined by the Central Government from time to time.

7. The employer shall display on the notice board of the establishment a copy of the rules of the fund as approved by the appropriate Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient points thereof in the language of the majority of the employees.

8. Where an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund (Statutory Fund) or the provident fund of another exempted establishment is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the fund of the establishment, and accept the past accumulations in respect of such employee and credit to his account.

9. The employer shall enhance the rate of provident fund contribution appropriately if the rate of provident fund contributions for the class of establishments in which his establishment falls is enhanced under the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) so that the benefits under the provident fund scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefit provided under the said Act.

10. The establishment shall submit an audited balance sheet of its provident fund every year to the Regional Commissioner within three months of the close of the year.

11. Notwithstanding anything contained in the rules of the provident fund establishment if the amount payable to any member, upon his ceasing to be an employee of the establishment or transferable on his transfer to any other establishment, by way of employers' and employees' contributions plus interest thereon taken together with the amount, if any, payable under the Gratuity or Pension Rules, be less than the amount that would be payable as employer's and employees' contributions plus interest thereon, if he were a member of the Provident Fund under the Employees' Provident Fund Scheme, 1952, the employer shall pay the difference to the member as compensation or special contribution.

12. No amendment of the rules of the provident fund of the establishment shall be made without the previous approval of the Regional Provident Fund Commissioner and where any amendment is likely to affect adversely the interests of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner, Bombay, shall, before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

[No. S. 35014(37)/76-PF-II]

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1976

का० आ० 2572.—जम्मू और काश्मीर राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंण्ड (घ) के अनुसरण में श्री आगा सैयद अल्ताफ के स्थान पर श्री आई० डी० शर्मा, श्रमायुक्त, जम्मू और कश्मीर सरकार, श्रीनगर को कर्मचारी राज्य बीमा निगम की चिकित्सा प्रसुविधा परिषद में उस राज्य से प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2980 तारीख 26 जुलाई 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में "(राज्य सरकारों द्वारा धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट)" शीर्षक के नीचे मद 10 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जायेगी अर्थात्:—

श्री आई० डी० शर्मा,
श्रमायुक्त, जम्मू व कश्मीर सरकार,
श्रीनगर।

[सं० यू०-16012(13)/76-एच०आई० 1]

New Delhi, the 22nd September, 1976

S.O. 3572.—Whereas the State Government of Jammu and Kashmir has, in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri I. D. Sharma, Labour Commissioner, Government of Jammu and Kashmir, Srinagar to represent that State on the Medical Benefit Council of the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri Aga Syed Altaf;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2980 dated the 26th July, 1976, namely:—

In the said notification, under the heading "(nominated by the State Governments under clause (d) of sub-section (1) of section 10)", for the entry against item 10, the following entry shall be substituted, namely:—

Shri I. D. Sharma,
Labour Commissioner,
Government of Jammu and Kashmir,
Srinagar.

[No. U-16012/13/76-HI-I]

का० आ० 3573—जम्मू व कश्मीर ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खंण्ड (घ) के अनुसरण में श्री आगा सैयद अल्ताफ के स्थान पर श्री आई० डी० शर्मा, श्रमायुक्त जम्मू व कश्मीर सरकार, श्रीनगर को कर्मचारी राज्य बीमा निगम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है;

अत, अब, केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सख्या 1517, तारीख 14 अप्रैल, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, "(राज्य सरकारों द्वारा धारा 4 के खड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट)" शीर्षक के नीचे मद 14 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्: —

श्री आई० डी० शर्मा,
श्रमायुक्त,
जम्मू व कश्मीर सरकार,
श्रीनगर।

[सख्या यू०-16012(13)/76-एच० आई०]

S.O. 3573.—Whereas the State Government of Jammu and Kashmir has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri I. D. Sharma, Labour Commissioner, Government of Jammu and Kashmir, Srinagar to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri Aga Syed Altaf;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1517, dated the 14th April, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading "(nominated by the State Governments under clause (d) of section 4)", for the entry against item 14, the following entry shall be substituted, namely :—

Shri I. D. Sharma,
Labour Commissioner,
Government of Jammu and Kashmir,
Srinagar.

[No. U-16012/13/76-HI]

का० आ० 3574.—हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (घ) के अनुसरण में श्री पी० के० माट्टू के स्थान पर श्री आर० सी० गुप्त, सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला को कर्मचारी राज्य बीमा निगम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1517, तारीख 14 अप्रैल, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, "(राज्य सरकारों द्वारा धारा 4 के खंण्ड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट)" शीर्षक के नीचे मद 13 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जायेगी, अर्थात्:—

श्री आर० सी० गुप्त,
सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार,
श्रम, रोजगार और मुद्रण और लेखन सामग्री विभाग,
शिमला।

[सं० यू० 16012(15)/76-एच आई]

S.O. 3574.—Whereas the State Government of Himachal Pradesh has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri R. C. Gupta, Secretary to the Government of Himachal Pradesh, Simla, to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri P. K. Mattoo ;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1517, dated the 14th April, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading "(nominated by the State Governments under clause (d) of section 4)", for the entry against item 13, the following entry shall be substituted, namely :—

Shri R. C. Gupta,
Secretary to the Government of Himachal Pradesh,
Labour, Employment and Printing and Stationery Department,
Simla.

[No. U-16012(15)/76-HI]

का०आ० 3575.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 559 तारीख 12 जनवरी, 1976 के अनुक्रम में दामोदर घाटी निगम के 132, के० वी० ग्रिड सब स्टेशन कुमारधूबी को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से, 10 अक्तूबर, 1976 से 9 अक्तूबर, 1977 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है एक वर्ष की अधिक अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियां, ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी —

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिनके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के सन्दाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है, कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही, या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

[सं० एस-38017(10)/73-एच आई]

S.O. 3575.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 559 dated the 12th January, 1976 the Central Government hereby exempts the 132, K. V. Grid, Sub-Station, Kumardhubi belonging to Damodar Valley Corporation, from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 10th October, 1976 upto and inclusive of the 9th October, 1977.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purpose of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been compiled with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory ; be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[S. 38017/10/74-HI]

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1976

का० आ० 3576.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स धर्मेन्द्र टैक्सटाइल, सी/16 उद्योग नगर, नवसारी, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना इकत्तीस दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(87)/76 पी० एफ०-2]

New Delhi, the 24th September, 1976

S.O. 3576.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messers. Dharmendra Textile, C/16, Udyognagar, Navsari, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35019/87/76-PF. II]

का० आ० 3577.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लक्ष्मी सिल्क मिल्स, सी/16, उद्योगनगर, नवसारी नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(88)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 3577.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Laxmi Silk Mills, C/16, Udyognagar, Navsari, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35019/88/76-PF. II]

का० आ० 3578.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मंजू टैक्सटाइल, सी/16 उद्योगनगर नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना इकत्तीस दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(90)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 3578.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Manpu Textile, C/16, Udhyognagar, Navsari, have agreed that the provisions of the employees' Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35019/90/76-PF. II]

का० आ० 3579.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पंकज टैक्सटाइल्स, सी/16 उद्योगनगर, नवसारी, जिला बुलसार नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(92)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 3579.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pankaj Textiles, C/16, Udhyognagar, Navsari, District Bulsar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35019/92/76-PF. II]

का० आ० 3580.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स टैक्सटाइल, C/16, उद्योगनगर, नवसारी नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(93)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 3580.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sanjay Textile, C/16, Udhyognagar, Navsari, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35019/93/76-PF. II]

का० आ० 3581.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गीता टैक्सटाइल्स, सी/16, उद्योगनगर, नवसारी, जिला बुलसार नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के दिसम्बर के इकत्तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(94)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 3581.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Gita Textiles, C/16, Udhyognagar, Navsari, District Bulsar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35019/94/76-PF. II]

का० आ० 3582.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स किशोर वाइन्डिंग वर्क्स, उद्योगनगर, नवसारी, जिला बुलसार नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(98)/76-पी० एफ०-2)

S.O. 3582.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Kishor Winding Works, Udhyognagar, Navsari, District Bulsar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35019/98/76-PF. II]

का० आ० 3583.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स टैक्सटाइल्स, सी/27, उद्योगनगर, नवसारी, जिला बुलसार नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के दिसम्बर, के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(99)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 3583.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Mehta Textile, C/27, Udhyognagar, Navsari, District Bulsar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35019/99/76-PF. II]

का०आ० 3584.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स धनसुख और कंपनी, सी/25 उद्योगनगर, नवसारी नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(104)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 3584.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Dhansukh and Company, C/25, Udhyognagar, Navsari, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35019/104/76-PF. II]

का०आ० 3585.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स संगीता ट्विस्टिंग वर्क्स, सी/16, उद्योगनगर, जिला बुलसार नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(109)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 3585.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Sangeeta Twisting Works, C/16, Udhyognagar, District, Bulsar, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35019/109/76-PF. II]

का०आ० 3586.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अमृतलाल चुनीलाल रामबाग, ए० के० रोड, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध/अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना तीस अप्रैल को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(170)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 3586.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Amritlal Chunilal Ramboatg A. K. Road, Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S. 35019/170/76-PF. II]

का०आ० 3587.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रायल वुड वर्क्स, ग्रिड स्टेशन के निकट, ढोलका जिला अहमदाबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1976 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(182)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 3587.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Royal Wood Works near Grid Station, Dholka Distt. Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on first day of April, 1976.

[No. S. 35019(182)/76-PF. II]

का०आ० 3588.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अम्बिका टेक्सटाइल मिल्स, चन्दोला तालाब के निकट, अजीजभाई कम्पाउण्ड, अहमदाबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस-35019(183)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 3588.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Ambica Textile Mills, near Chandola Talav, Azizbhai Compound, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019/183/76-PF. II]

का०आ० 3589—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स देवेन्द्र पैकिंग वर्क्स, ए० के० रोड, हीरालाल कालोनी, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1976 के अप्रैल के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस०-35019(200)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3589.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Devendra Packing Works A. K. Road, Hiralal Colony, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S. 35019/200/76-PF. II]

का०आ० 3590.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जयलक्ष्मी फैब्रिक्स, गोटलवाडी, बोहवाला एस्टेट के पीछे, कटरगाम, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1976 की मई के इक्कतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(202)/76-पी०एफ०-2]

एस० एस० सहस्रानामन, उप-सचिव

S.O. 3590.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jaylaxmi Fabrics, Gotalawadi, Behind Dodawala Estate, Katargam, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of May, 1976.

[No. S. 35019(202)/76-PF. II]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1976

का० आ० 3591.—केन्द्रीय सरकार, लौह अयस्क खान श्रम कल्याण उपकर नियम, 1963 के नियम 3 के साथ पठित लौह अयस्क खान श्रम कल्याण उपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 58) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 495 तारीख 5 फरवरी, 1973 को अधिक्रांत करते हुए, मध्य प्रदेश राज्य के लिए एक सलाहकार समिति का गठन करती है जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात् :—

1.	श्रम मंत्री मध्य प्रदेश राज्य	अध्यक्ष,
2.	श्रमायुक्त, मध्य प्रदेश सरकार, इन्दौर	उपाध्यक्ष
3.	श्री विजय लाल ओस्वाल सदस्य विधान सभा, खैरागढ़ जिला राजनन्दगांव	सदस्य विधान सभा
4.	महाप्रबंधक, बैलाडिला लौह अयस्क परियोजना भंडार सं० 14 डाकघर किरन्दुल जिला बस्तर, मध्य प्रदेश	लौह अयस्क खानों के नियोजकों के प्रतिनिधि
5.	महाप्रबंधक, भिलाई स्टील प्लान्ट, भिलाई	

6. श्री एम० घोष, सभापति, संयुक्त खदान मजदूर संघ राजहरा खान शाखा, डाकघर डाली राजहरा, जिला दुर्ग (म० प्र०)	लौह अयस्क खानों के कर्मकारों के प्रतिनिधि
7. श्री एम० पी० पाण्डेय संगठन सचिव, संयुक्त खदान मजदूर संघ, बैलाडिला, स० 14-शाखा, डाकघर किरन्दुल, जिला बस्तर (म० प्र०)	
8. श्रीमती श्यामलता शुक्ल, महिला समाज कल्याण कर्मकार जिला-दुर्ग	महिला प्रतिनिधि
9. कल्याण प्रणासक लौह अयस्क खान श्रम कल्याण संगठन, मध्यप्रदेश, इन्दौर	सचिव

2. केन्द्रीय सरकार, लौह अयस्क श्रम कल्याण उपकर नियम, 1963 के नियम 18 के अनुसरण में, इन्दौर को उक्त सलाहकार समिति का मुख्यालय नियत करती है।

[फा० सं० यू 23017/4/75-क० स० (एम)]

New Delhi, the 20th September, 1976

S.O.3591.—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Iron Ore Mines Labour Welfare Cess Act, 1961 (58 of 1961) read with rule 3 of the Iron Ore Mines Labour Welfare Cess Rules, 1963 and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) No. S.O. 495 dated the 5th Feb. 1973, the Central Government hereby constitutes an Advisory Committee for the State of Madhya Pradesh consisting of following as members namely :—

1. Labour Minister, State of Madhya Pradesh	Chairman
2. Labour Commissioner, Government of Madhya Pradesh, Indore	Vice-Chairman
3. Shri Vijay Lal Oswal, M.L.A., Kheragarh, Distt. Rajnanggaon.	Member
4. General Manager, Bailadila Iron Ore Project Deposit No. 14, P.O. Kirindul, Distt. Bastar, Madya Pardesh 5. General Manager, Bhilai Steel Plant, Bhilai.	Representatives of the Iron Ore Mines Employers.
6. Shri H. Ghosh, President, Samyukta Khadan Mazdoor Sangh, Rajhara Mines Branch, P.O. Dalli, Rajhara, Distt. Durg (M.P.) 7. Shri M.P. Pande, Organising Secretary, Samyukta Khadan Mazdoor Sangh, Bailadila No. 14 Branch, P.O. Kirundul, Distt. Bastar (M.P.)	Representatives of the Iron Ore Mines Workers.
8. Smt. Shyam lata Shukla, Woman Social Welfare, Worker, Distt. Durg.	Women Representative
9. The Welfare Administrator, Iron Ore Mines Labour Welfare Organisation, Indore, Madhya Pradesh.	Secretary.

2. In pursuance of rule 18 of the Iron Ore Mines Labour Welfare Cess Rules, 1963, the Central Government hereby fixes Indore to be the headquarters of the said Advisory Committe

[F. No. U. 23017/4/75-W.A.(M)]

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1976

का० आ० 3592.—केन्द्रीय सरकार, कोयला खान श्रम कल्याण निधि नियम, 1949 के नियम 3 (1) (क) (i) के साथ पठित, कोयला खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1947 (1947 का 32) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, डा० एन० ए० आगा, सचिव, श्रम मंत्रालय को श्री एन० पी० दुबे के स्थान पर उक्त धारा के अधीन गठित सलाहकार समिति का अध्यक्ष नियुक्त करती है और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 1264 तारीख 5-4-75 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से क्रम संख्या 1 के सामने की प्रविष्टियों में "श्री एन० पी० दुबे" पद के स्थान पर "डा० एन० ए० आगा" पद रखा जाएगा।

[सं० यू० 23018/18/76-डब्ल्यू० ए० एम०]

पी० के० सेन, अवर सचिव

S.O. 3592.—In exercise of the powers conferred by Section 8 of Coal Mines Labour Welfare Fund Act, 1947 (32 of 1947) read with rule 3(1)(a)(i) of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, the Central Government hereby appoints Dr. N. A. Agha, Secretary, Ministry of Labour as Chairman of the Advisory Committee constituted under the said section, vice Shri N. P. Dube and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 1264 dated the 5th April, 1975, namely :—

In the said notification, in the entries against serial number 1, for the expression "Shri N. P. Dube" the expression "Dr. N. A. Agha" shall be substituted.

[No. U-23018/18/76-W.A.(M)]

P. K. SEN, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1976

का० आ० 3593.—सूची में निर्दिष्ट और पत्थर खानों, क्यानाइट खानों स्टेटाईट खानों (जिसमें सेलखड़ी और टैल्क का उत्पादन करने वाली खानें भी आती हैं), गैरिक खानों, एसबेस्टास खानों और अग्नि सह मिट्टी की खानों के नियोजनों में नियोजित और अनुसूची में निर्दिष्ट कर्मचारियों के प्रवर्गों को देय मजदूरी की न्यूनतम दरों के पुनरीक्षण के लिए कतिपय प्रस्थापनाएं न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11 की धारा 5 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 556 तारीख 9 जनवरी 1976 के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2 खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 31 जनवरी, 1976 के पृष्ठ 710—712 पर उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित की गई थी, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी तथा राजपत्र में उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से पचहत्तर दिन की अवधि की समाप्ति तक उनसे आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे।

और उक्त राजपत्र जनता को 31 जनवरी, 1976 को उपलब्ध करा दिया गया था;

और उक्त प्रस्थापनाओं के बारे में प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 4 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) और धारा 5 की उप-धारा (2) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पत्थर खानों क्यानाइट खानों, स्टेटाइट खानों (जिसमें सेल-खड़ी और टैल्क का उत्पादन करने वाली खानें भी आती हैं) गैरिक खानों

एस्बेस्टास खानों और अग्नि सह मिट्टी की खानों के नियोजनों में नियोजित कर्मचारियों के प्रवर्गों को इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट देय मजदूरी की न्यूनतम दरों को पुनरीक्षित करती है और निदेश देती है कि यह अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगी।

अनुसूची

काम का प्रवर्ग	प्रतिदिन मजदूरी की न्यूनतम दर
1	2
अकुशल :	
मजदूर (पुरुष और स्त्री), चौकीदार, कुली, कलीनर, खलासी, प्रधान (लीडर), छिद्रकार, मिट्टी निकालने वाला, वाहक (पत्थर), वाहक गाड़ीवान, केयरटेकर, हाथ से कंकरीट मिलाने वाला, ड्राइवर (बैल, ऊंट, गधे, खच्चर), लैम्पमन, माली, गमती, पुताई वाला, पानीवाला, कोई अन्य प्रवर्ग जो अकुशल व्यक्तियों का हो चाहे वह किसी भी नाम से ज्ञात हो।	5.80 रु० प्रतिदिन
अर्द्ध कुशल :	
भिश्ती, पत्थर तोड़ने वाला, ड्रिलर, खनक, रसोइया, शिशुगृह आया, प्रधान चौकीदार, मददगार, मुकद्दम, मेट, तेलवाला, पम्प खलासी, शाट फायरर, प्रधान मिस्त्री, खदान वाला, खदान प्रचालक, भाण्डारक भण्डारकर्ता, बायलर वाला, सीविकज, धुम्बावाला, टिंडल, ट्रालीवाला, जमादार बैरा, ब्रेकवाला, मददगार (लोको, क्रेन, ट्रक) टोपाज टोपकार (बड़े पत्थर/काय-नाइट तोड़ने वाला), कोर धावनी, पैक वॉलर, टिम्बर वाला, जैक हैमर, अग्नि सह मिट्टी प्रैस या सुखाने वाला या परिशोधन करने वाला, कोई अन्य प्रवर्ग जो अर्द्धकुशल व्यक्तियों का हो चाहे वह किसी भी नाम से ज्ञात हो।	7.25 रु० प्रतिदिन
कुशल :	
चर्मकार, बढ़ई, कंपाऊंडर, बिजली मिस्त्री, फोरमैन, फिटर, खान पर्यवेक्षक, दर्जी, प्रधान रसोइया, इंजन वाला, झलाईगर, उत्स्फोटक, मशीन मिस्त्री, उप ओवरसीयर (अर्नहित) पर्यवेक्षक, प्रचालक, कोई अन्य प्रवर्ग जो कुशल व्यक्तियों का हो, चाहे वह किसी भी नाम से ज्ञात हो।	8.70 रु० प्रतिदिन
लिपिकीय :	
लेखापाल, एम० सी० लिपिक, मुंशी, भंडार लिपिक, भण्डार से सामान देने वाला, भाण्डारक (श्रेणी 1 और 2) मिलान लिपिक, समय पाल, टुल्स कीपर, संगणक, टंकक, आशुलिपिक, अभिलेख पाल, कोई अन्य प्रवर्ग जो लिपिकीय व्यक्तियों का हो, चाहे वह किसी भी नाम से ज्ञात हो।	8.70 रु० प्रतिदिन

स्पष्टीकरण :—

(1) इस अधिसूचना द्वारा नियत मजदूरी की न्यूनतम दरें सर्व-सम्मिलित दरें हैं जिनमें आधारी दर, जीवन निर्वाह भत्ता और आवश्यक वस्तुओं यदि कोई हों, रियायत पर किए गए प्रदायों का नकदी मूल्य भी सम्मिलित है और इसके अन्तर्गत साप्ताहिक विश्राम के दिन के लिए देय मजदूरी भी आती है।

(2) इस अधिसूचना द्वारा नियत मजदूरी की न्यूनतम दरें ठेकेदारों द्वारा नियोजित कर्मचारियों को भी लागू हैं।

(3) जहां संविदा या करार पर आधारित अथवा अन्यथा, मजदूरी की विद्यमान दरें इस अधिसूचना के अधीन नियत दरों से उच्चतर हैं वहां उच्चतर दरें इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ मजदूरी की न्यूनतम दरें समझी जायेंगी।

(4) इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए—

(क) "अकुशल कार्य" से वह कार्य अभिप्रेत है जिसमें बहुत थोड़े या कुछ भी कुशलता या कार्य के अनुभव की अपेक्षा न रखने वाली साधारण संक्रियाएं सम्मिलित हैं;

(ख) "अर्द्धकुशल कार्य" से वह कार्य अभिप्रेत है जिसमें कार्य के अनुभव से अर्जित कुछ मात्रा में कुशलता या सक्षमता सम्मिलित है और जो कुशल कर्मचारी के पर्यवेक्षण या मार्गदर्शन के अधीन किए जाने योग्य है तथा इसके अन्तर्गत अकुशल पर्यवेक्षी कार्य भी आता है;

(ग) "कुशल कार्य" से वह कार्य अभिप्रेत है जिसमें कार्य के अनुभव से अथवा शिक्षु के रूप में या किसी तकनीकी या व्यावसायिक संस्था में प्रशिक्षण के माध्यम से अर्जित कुशलता या सक्षमता अपेक्षित है और जिसके निर्वहन में स्वप्रेरणा और विवेकबुद्धि आवश्यक है।

(5) अठारह वर्ष से कम आयु के या निःशक्त व्यक्तियों को देय मजदूरी की न्यूनतम दरें समुचित प्रवर्ग के व्यस्क कर्मकारों के लिए इस अधिसूचना द्वारा नियत दरों की क्रमशः 80 प्रतिशत और 70 प्रतिशत होंगी।

[सं० एस-32019(17)/75-डब्ल्यू० सी० (एम० डब्ल्यू०)]

टी० एस० शंकरन, अवर सचिव

New Delhi, the 20th September, 1976

S.O. 3593.—Wheras certain proposals to fix the minimum rates of wage payable to the ctegories of employees specified in the Schedule and employed in employment in stone mines, Kyanite mines, steatite mines (including mines producing soap stone and talc), ochre mines, asbestos mines and fire clay mines were published as required by clause (b) of sub-section (1) of section 5 of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948) at pages 710 to 712 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 31st January, 1976 under the notification of the Governmzt of India, in the Ministry of Labour number S.O. 556 dated the 9th January, 1976 for the information of, and inviting objections and suggestions from the persons likely to be affected thereby till the expiry of the period of seventy-five days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette ;

And whereas, the said Gazette was made available to the public on the 31st January, 1976;

And whereas the objections and suggestions received on the said proposals have been considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 3, read with clause (iii) of sub-section (1) of section 4 and sub-section (2) of section 5 of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948), the Central Government hereby fixes, the minimum rates of wages as specified in column 2 of the Schedule annexed hereto payable to the categories of employees employed in employments in stone mines, kyanite mines, steatite mines (including mines producing soap stone and talc), ochre mines, asbestos mines and fire clay mines as specified in column 1 of the said Schedule and directs that this notification shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

SCHEDULE

Classification of work	Minimum rates of wages per day
(1)	(2)
UNSKILLED	
Mazdoor (Male and Female), Chowkidar, Coollie, Cleaner, Khalasi, Lader, Hole Cutter, Earthcutter, Carrier (stone), Carrier, Cartman, Caretaker, Concrete (Hand Mixer), Driver (Bullock, Camel, Donkey, Mule), Lampman, Mali, Petrolman, White Washer, Waterman, other categories by whatever name called which are unskilled.	Rs. 5.80 per day.
SEMI-SKILLED	
Bhisti, Breaker, Drille , Miner, Cook, Creche Ayah, Head Chowkidar, Helper, Muccadam, Mate, Oilman, Pump Khalasi, Shot Firer, Head Mistry, Quarry man, Quarry Operator, Stone Man, Stocker, Boilerman, Thatcher, Thoombaman, Tindals, Trolleyman, Jamadar, Bearer, Brakesman, Helper (Loco, Crane, Truck), Topaz Topkar (Big Stone/Kyanite Breaker), Edge Runner, Pack Wallers, Timberman, Jack Hammer, Fire Clay press or drying and refining workers, other categories by whatever name called which are semi-skilled. . .	Rs. 7.25 per day.
SKILLED	
Blacksmith, Carpenter, Compounder, Electrician, Foreman, Fitter, Mine Superviser, Tailor, Head Cook, Engine Man, Welder, Blaster, Machinist, Sub-overseer (Unqualified), Surveyr, Operator, any other categories by whatever name called which are of skilled nature.	Rs. 8.70 per day.
CLERICAL	
Accountant, M.C. Clerk, Munshi, Store Clerk, Store Issuer, Store Keeper (Grade I & II), Talley Clerk, Time Keeper, Tool Keeper, Computor, Typist, Steno, Record Keeper, other categories by whatever name called which are clerical. . . .	Rs. 8.70 per day.

EXPLANATIONS :—

1. The minimum rates of wages fixed by this notification are all-inclusive rates including the basic rates, the cost of living allowance and the cash value of concessional supply, if any, of essential commodities and also include the wages payable for the weekly day of rest.

2. The minimum rates of wages fixed by this notification are applicable to employees employed by contractors also.

3. Where the existing rates of wages based on contract or agreement are higher than the rates fixed by this notification, the higher rates shall be treated as minimum rates of wages for the purpose of this notification.

4. For the purposes of this notification,—

(a) 'unskilled work' means work which involves simple operations requiring little or no skill or experience on the job.

(b) 'semi-skilled work' means work which involves some degree of skill or competence acquired through experience on the job and which is capable of being performed under the supervision or guidance of a skilled employee, and includes unskilled supervisory work.

(c) 'skilled work' means work which involves skill or competence acquired through experience on the job or through training as an apprentice or in a technical or vocational institute and the performance of which calls for initiative and judgement.

5. The minimum rates of wages payable to young persons below eighteen years of age and disabled persons shall be 80% and 70% respectively of the rates fixed by this notification for adult workers of the appropriate category.

[S-32019(17)/75-WC (MW)]
T. S. SANKARN, Additional Secy.

New Delhi, the 22nd September, 1976

S.O. 3594.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 3, Dhanbad, in the matter of a complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947, from Shri Rameshwar Mahato, Ex-pump Khalasi, Bhowra Colliery.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, AT DHANBAD

Complaint No. 1 of 1973

PARTIES :

Shri Rameshwar Mahto, Ex-Pump Khalasi, Bhowra Colliery, P.O. Bhowra, Distt. Dhanbad . . Complainant.

Vs.

1. M/s. Oriental Coal Co. Ltd., G. T. Road, P. O. Barakar, Distt. Burdwan, (W.B.).
2. M/s. B. C. C. Ltd., P. O. Sijua, Dist. Dhanbad.

. . Opp. Parties.

APPEARANCES :

For workmen—Shri J. D. Lal, Advocate.

For Employers—Shri P. K. Burman, Advocate & Shri T. P. Chowdhury, Advocate.

INDUSTRY : Coal STATE : Bihar.

Dhanbad, dated the 13th February, 1976

AWARD

This is a complaint against the dismissal of Shri Rameshwar Mahto, Pump Khalasi at Bhowra Colliery, by the then employers M/s. Oriental Coal Company Ltd.

2. It is not disputed that a Reference Case No. 44 of 69 was pending before this Tribunal in which the present workman was interested. During the pendency of the same, the complainant workman was dismissed from service on the charge of misconduct. The dismissal order was approved on 8-3-1971 and became effectlive from that very date. As it was a dismissal for misconduct during the pendency of the Reference case, the then employer moved this Court by Application No. 5 of 1971 for approval of the action. However during the pendency of that complaint the colliery was Nationalised and the Company thought it futile to pursue the application. Therefore it applied for wihdrawal of the said application for approval. The wihdrawal was allowed on 2-7-1973. The Complainant thereafter filed this complaint challenging the validity of the action.

3. The case of the complainant is that the charge sheet for the alleged misconduct was never served upon him. The notice of enquiry was given but when he attended on the date fixed, he was asked to come on some other date and then the enquiry was held in his absence. He came to know about it only when the dismissal order was served upon him. The alleged charge was ambiguous in as much as he was alleged to have been charged for 'habitual absence' but was dismissed for the single act of absence from 26-10-1970. The charge was violative on the Certified Standing Orders. It was an act of victimisation at the instant of Shri S. N. Mukherjee, Agent of the colliery, who bore ill-will against the complainant because he had filed an application under Section 107 Cr. P. C. aaginst Shri Mukherjee in the Court of S.D.M. Dhanbad. Even the enquiry that was held was not regular and he was entitled to reinstatement with continuity of service and back wages. Bharat Coking Coal Co. Ltd. has also been impleaded as party alleging that it was successor in interest of Opp. Party No. I and therefore liable to reinstate him if the order of dismissal is found illegal.

4. Oriental Coal Co. filel the Written Statement denying the allegations against the regular nature of the enquiry. There was no bias. The charge sheet was properly served. Enquiry was held in the presence of the workman and he was given full opportunity to defend himself. There was no violation of the Certified Standing Orders.

5. Bharat Coking Coal Ltd. alleged that as it had not violated the provisions of Section 33 of the Industrial Dispute Act, it could not be held liable for its consequences. Moreover it claims complete immunity for the consequences of the act of the past owner by virtue of the provisions of Sections 9 and 28 of Coking Coal Mines (Nationalisation) Act. The withdrawal of the previous application is alleged to be operating resjudicata.

6. This last objection of the Bharat Coking Coal Ltd., raising the question of resjudicate can well be disposed of simply by citing the decision by the Hon'ble Patna High Court in Tata Iron and Steel Co. Vs. Presiding Officer, Central Government Labour Court, Dhanbad—1974 Lab. I. C. 91 in which Hon'ble C. J. Shri Untwalia (as he then was) observed that the effect of permission to withdraw simpliciter an application under proviso to Section 33(2)(b) would not be dismissal of the said application for approval of the said dismissal. The effect would be as if no application was filed, and the withdrawal may give an opportunity to the employee to initiate proceedings under Section 33-A. But the withdrawal has not the effect of wiping out the dismissal order. Thus the question of Resjudicate does not arise at all, and the present application is maintainable.

7. On merits I will take up the points one by one. The allegation is that the charge was not served upon the complainant. The charge-shee Ext. M-1 contains the reply of the delinquent employee and his thumb mark is appended to it. This reply could not be given unless the chargesheet had been served upon the employee. This point has therefore no force.

8. The same point was again agitated in arguments in a different manner. It was argued that the whole record was fictitions. A copy of the chargesheet was sent on 11-2-1971 by registered post because the employee was not available in his house. If the copy of the chargesheet was sought to be served on 11-2-1971 by Regd. Post how could the delinquent employee make a statement in reply to that charge on 2-2-1971 i.e. much before service of the chargesheet. This argument has no force. It is based simply on the misreading of Ext. M-1. At the top of the statement of the delinquent employee it appears to have been written that : "Chargesheet issued on 2-2-1971". This heading has been underlined, it only means that the chargesheet was issued on 2-2-1971. By no stretch of imagination it can be read to mean that the statement was recorded on 2-2-1971. The date of recording of statement has not been given, and a capital is sought to be made out of this lacuna. There is no evidence that this statement is fictitious and was never given by the delinquent employee or recorded before issue of the chargesheet. The management's witness, Shri B. N. Lal has stated on oath that the chargesheet was served on the delinquent employee and thereafter the reply to the charge given by the delinquent employee was recorded by his Secretary, Shri R. Mitra on the back of the statement. Mere denial by the delinquent employee is not sufficient to rebut this evidence.

9. Learned Counsel for the complainant has argued on the basis of Laxmi Devi Sugar Mills Vs. Nand Kishore Singh—2 SCLJ 1353 that the delinquent could not be dismissed for the single instance of continued absence from 26-10-1970 when the charge related to his habitual absence which means absence on more occasions than one. 'Habitual absence' is a misconduct under clause 27(4) of the certified standing orders while unauthorised absence for more than 10 days is a misconduct under clause 27(16) of the Standing Orders. The charge did not mention instances of absence on more than one occasion. The language plainly referred to absence from 26-10-1970 and pointedly mentioned clause 27(16) which related to unauthorised absence for more than 10 days. It was unfortunate use of the qualifying word 'habitual' before the word 'absence' but simple use of that word cannot vitiate the clear purport of the rest of the language. At worst it could mean that charge indicated the ingredients of both misconducts envisaged in clauses 27(4) and 27(16) in alternative or in conjunction. Of the two, the charge of 27(16) was held as proved. It was also admitted. It is no irregularity to hold one of the two charges as proved. Even if there was some ambiguity in the charge of the delinquent could get benefit of the same only on proof of some material prejudice on account of that. No such prejudice was alleged or argued. The aforesaid Supreme Court case is disinguishable in as much as the present case is not of punishing for a charge not framed at all.

10. The other objection raised by the employee-complainant is that though he was given a notice of enquiry yet the enquiry was never held in his presence. He stated in the witness box that his thumb impression was taken on a blank paper and he was asked to go away. This was never pleaded. However this statement is not sufficient to explain the appearance of thumb mark after each statement on all pages on which the proceedings were recorded. The thumb mark appears at seven placed in Ext. M.3. Obviously the complainant was telling a lie. The record goes to show that the cross-examined the witnesses and this has been confirmed by Shri B. M. Lal, MW-1. This objection has also thus no legs to stand.

11. It has been alleged that peculiar procedure was followed in as much as after the first witness the statement of the delinquent was taken and again another witness was examined by the Enquiry Officer. After that witness no opportunity was given to the delinquent to explain that evidence or to load any evidence. There is not much weight in this point again just as an accused can be examined by the magistrate at any time whenever there appears to be some evidence on record against him, similarly to examine a delinquent after examining one witness cannot be said to be in breach of principles of natural justice.

12. The management thereafter examined one more witness and after that witnes the delinquent employee was not examined at all. Ordinarily the employee should have been examined after the close ofthe evidence produced by the management against him so that he is in a position to explain the circumstances against him established by the witnesses. The procedure of not examining the delinquent after the examination of the second witness was at the most irregular and therefore it has to be seen whether this irregularity did cause any prejudice to the delinquent employee. Even with respect to S. 342 Cr. P.C. the latest view of the Supreme Court is that proceedings and trial will not be vitiated merely because some irregularity is committed in following the provisions with respect to examination of the accused. The criterion will be the prejudice which is caused to the accused on account of that.

13. In the present case the delinquent had admitted his absence since 26-10-1970 and his reason for such absence was that he was being roubled by the money lenders. After this admission there was no need to examine attendance clerks to prove his absence. That superfluous statement of attendance clerk had simply confirmed that factum of admitted absence Learned Counsel for the complainant has not been able to say as to what prejudice was cause to the delinquent employee because of that irregularity. It was thus a cureable irregularity and will not vitiate the proceedings.

14. There is nothing to show that the Agent had no authority to approved the dismissal. Thus all the objections raised against the validity of the proceedings fall to the ground and punishment awarded cannot be set aside on the ground of any illegality or irregularity of the domestic enquiry.

15. The quantum of punishment however appears to be too severe and wholly disproportionate to the circumstances of the case. Habitual absence was neither seriously alleged nor proved. The delinquent squarely admitted his absence from 26-10-1970 and gave a cogent reason for it. He stated that he was being troubled by the money lenders who did not allow him to even take water. He had complained to the Manager and approached him for protection thinking that the manager was the guardian of his interest. But no such protection was afforded and helplessly he had to absent himself from duty where money lenders used to Gherao him. The absence was thus an out come of a helpless situation arising out of ostrich type fugitive attitude and curse of poverty seeking shelter from the ias of sharkish money lenders. Those who had not experienced the pinch of the shoe could hardly appreciate the situation which called for sympathy and understanding rather than punishment and that too so severe as dismissal from service.

16. Now S. 11-A of Industrial Disputes Act empowered this Tribunal to interfere with the punishment even when the enquiry was not irregular. The complaint was filed in 1973 and S. 11-A had come into force on 15-12-1971. The case of workmen

and that it was not issued to any customer by that department between July 29 and August 27. The Token Book Ext. M-13 of the Overdraft Department evidence that it was issued by that Department on June 24, July 1, August 21 and 27. On August 27, 1959 it was issued to one Ajodhya Prasad for obtaining payment of a sum of Rs. 163. The third Token Book Ext. M-14 shows that it was issued by that department on June 5, July 20 and August 20. It is apparent, threrefore, that this particular token was in circulation on a large number of dates between June 2 and August 27 in various departments. It was even issued by the Over Draft Department to Ajodhya Prasad on August 27 and, therefore, it was preposterous to make a false charge in the Criminal Court that Raja Ram Sah had retained the token right from June 2, 1959 to August 28, 1959.

32. Now, I would consider the evidence about the movement of this token on August 27. As stated earlier, Ext. M-13 shows that it was in the custody of the concerned clerk in the Over-Draft Department on that date and he issued it to Ajodhya Prasad. MW-9 Ram Babu Sah deposed in the Criminal Court (Ext. M-7/6) that he was a peon in the current accounts section and it was his duty to collect all tokens of his section after closing hours. He collected the tokens of his section at about 4 or 4-30 p.m. on August 27, 1959 and took them to the Cash Department. One Sahdeo Ram brought other tokens to the Cash Department and gave them to the witness. The witness had collected all issued tokens on that date from Raja Ram Sah and Jagnarain Tiwari. He had arranged all the collected tokens, issued or un-issued and had found them to be correct according to number. It is after arranging the tokens serially and finding the total tallying, that he had placed all the tokens between Raja Ram Sah and Jagnarain Tiwari. He also informed the Head Cashier that all the tokens were in tact. He then left the place and went away to the current accounts section in connection with his duty. He was not examined in the domestic enquiry but he was produced in the Tribunal and made the same statement. His statement will thus show that till about 4 or 4-30 p.m. on August 27, 1959 no token was missing and all tokens were in tact. He only says that Raja Ram Sah and Jagnarain Tiwari (Another official of the Bank) were sitting at the same table and he kept all the tokens between them. He does not say that Raja Ram Sah stole token No. 142 from the lot. His evidence only raises a question as to what happened to Token No. 142 after he left the table. No surmise can be made that Raja Ram Sah helped himself with Token No. 142 after the departure of this witness. MW-5 Ram Sinhasan Sinha (the same as Ram Singar Singh) maintains the Token Book of the discounts section. He has no knowledge about thre movement of token No. 142 on this date. R. L. Singh deposed in the Criminal Court (Ext. M-7/1) that on an enquiry he had come to know that Token No. 142 was at the counter of Raja Ram Sah on August 27, 1959. This must be patently untrue as the Cash Book shows that Raja Ram Sah did not make any disbursement on that date to anyone on the basis of that token. Besides, the evidence of the witness on this point is based on an enquiry and not on his personal knowledge and, therefore, his evidence is heresay. He admitted that no official of the Bank informed him in the evening of August 27 that Token No. 142 was missing. It has been seen above that every time that a token was missing, the Head Cashier had to inform the witness and the practice of the witness was to issue directions to all sections that a particular token was missing so that no payment was made on the basis of that token till its loss was accounted for. The fact that no report was made goes a long way to establish that the token must have travelled to the strong room on that date so that it can be taken out on the morning of August 28, 1959 for distribution. There is no evidence, direct or circumstantial, that Raja Ram Sah had picked up Token No. 142 in the evening of August 27 for dis-honest use on August 28. Indeed, the circumstance indicates that there was no loss; firstly because the token was collected and kept on the table, and secondly because no report about the loss was made. Jagnarain Tiwari was not examined to prove that he had not picked up the token or that Raja Ram Sah had picked it up. He might as well have stated, if examined, that none of them had picked up the token and that it had gone to the strong room.

33. Now, I will judge the evidence about the movement of the token on the crucial date, August 28, 1959. MW-5 Ram Singar Singh was a clerk in the Bank in the Advance Department. He used to maintain Token Book in that Department but the custody of the tokens themselves used to be with Brindaban Behari Lal and whenever a token was needed the witness used to taken one from Brindaban Behari Lal. He stated that on August 28, he took token No. 141 from Brindaban Behari Lal but not Token No. 142. In cross-examination in that Court, he stated that he had no knowledge as to who supplied tokens on that dated. Nor he had any knowledge if token No. 142 existed or not in the Token Stand (he calls it Kanta) in the Advance Department on that date. In the domestic enquiry, he stated that token Nos. 130 to 150 were in the Kanta in the Advance Department on August 28, 1959. He was cross-examined but refused to answer questions and asked Raja Ram Sah to search out the replies to the questions from his statement made in the Criminal Court. To a specific question put to him as to who took away Token No. 142 on that date from the Advance Department, where admittedly it was kept, he replied that his statement in the Criminal Court may be seen. In the Tribunal he stated that several persons were issuing tokens on 28-8-59. He does not re-collect their names. Ram Ratan Singh was examined in the Criminal Court and also in the domestic enquiry but not in the Tribunal. His two statements, when read together, show that on August 28, he brought all the tokens from the strong room and handed them over to Nauratan Prasad. He admitted that he had stated under section 161 Code of Criminal Procedure that all unissued tokens were kept in a separate almirah on August 28, by Nauratan Prasad and Rameshwar Ram, R. L. Singh deposed in the Criminal Court (Ext. M-7/a) that he learnt on enquiry on August 28 that Token No. 142 had not been issued to anyone. He further admitted that all tokens were in tact on the morning of August 28. Indeed he admitted that though five tokens were found missing on the morning of August 28, Token No. 142 was not amongst the missing ones. He then stated that the Head Cashier, K. P. Misra, Raja Ram Sah, Rajendra Prasad, Janak Ram, and Ram Ratan Singh had all gone to the strong room on August 28 when it was opened. This he stated possibly to prove that Raja Ram Sah had access to the strong room when cash and tokens were token out on the morning of August 28. No reliance, however, can be placed on his testimony because, on his own admission, he was not present in the strong room at that time and his information is based on what was passed on to him by K. P. Misra, Janak Ram and Ram Ratan Singh. There is a very suspicious circumstance furnished by the fact that the Bank did not produce the Token Book kept in the strong room. R. L. Singh admitted in the Criminal Court that entry in the Token Book under date August 28 is in the handwriting of Awadh Narain Chobey and is signed by K. P. Misra and the words "received Token No. 142" is in the handwriting and under the signature of the witness himself. This will show that it is R. L. Singh who came to have custody of Token No. 142 on the crucial date. In the domestic enquiry, he deposed that he had been informed by the Head Cashier that Raja Ram Sah had gone and brought Token No. 142 from Advance Department. This statement is of no value as it is heresay. K. P. Misra was not examined. Raja Ram Sah has deposed that he had received both the slip and the Token and had made the payment on August 28 to the person who had presented the slip and the token before him. The evidence discussed above does not point to the fact that Raja Ram Sah had pilfered the token. There is no reason for me to dis-believe his statement that he had received the token and slip and had made the payment.

34. The last charge, i.e., Charge (e) is that Raja Ram Sah himself misappropriated the sum of Rs. 6,000 on August 28 and made wrong entry in the Cash Book to cover up his crime. There is no evidence on the record in proof of this charge. R. L. Singh admitted in the domestic enquiry that he had no personal knowledge about it. Raja Ram Sah had denied the alleged mis-appropriation and has deposed that he had actually made payment to the person presenting the slip and the token. The learned counsel for the Bank, however, pressed that all the charges stand established on the basis of certain pieces of circumstancial evidence. Some of these have already been noticed in the earlier part of this award. A few that remain may now be noticed. The learned counsel's first contention is that it was the duty of Raja Ram Sah to enter the name of the person to whom he had

made the payment in the Cash Book on August 28 and his failure to do so would clearly indicate that he had fabricated the date, that he had retained the slip, that he had obtained the token and that he had made the payment to himself. I regret I cannot accept this contention as valid and tenable. He was bound to pay Rs. 6000 to the person who presented the slip and the token to him. This was the direction of R. L. Singh contained in the slip, namely, that payment should be made of a sum of Rs. 6,000 on the basis of Token No. 142. Raja Ram Sah carried out this direction. He did not know who will bring the slip or the token. He will naturally make the payment. He has deposed that after making payment he waited for sometime for the replacement voucher and when it did not come, he obtained Rs. 6,000 from K. P. Misra, Head Cashier to reimburse himself and then he closed the account and mentioned in the Cash Book that the disbursements made on August 28 amounted to Rs. 41,933.54 out of the total of Rs. 50,000 that had been given to him for anticipated disbursements and the balance in his hand was Rs. 8,066.46 and that was being transferred to the G. C. Book. This would be so only on the footing that he had taken Rs. 6,000 from K. P. Misra. Later, this entry was struck off under the direction of R. L. Singh and the total disbursement shown was Rs. 47,933.54 and the balance transferred was Rs. 2,066.46 after the sum of Rs. 6,000 had been allocated to the suspense account against Token No. 142. The name of the payee could have been ascertained by Raja Ram Sah but there was no system of taking his signature anywhere. Even on June 2, Madho Ram Sah's signature had not been obtained and only his name had been mentioned. The name of the payee would have been mentioned on August 28 also after the replacement voucher had been received. R. L. Singh himself admitted that the signature of the payee had not to be obtained on the slip itself. That being so, no suspecion arises against Raja Ram Sah if he did not obtain the signature of the payee on the Cash Book or on the slip. K. P. Misra should have been examined to controvert this story because he was physically present at the time of the disbursement and not R. L. Singh or anyone else. The second piece of circumstance is that there were clear directions that Raja Ram Sah was not authorised to make payments in excess of Rs. 5,000 but actually he did so on August 28 and therefore, it gives a clear indication of the fact that he had some foul design and it could be nothing else but making the payment to himself. R. L. Singh deposed in the Criminal Court that payment in excess of Rs. 5,000 could be made by the Cashier alone. However, he was made to admit that there was no such rule of the Bank regarding this. In the domestic enquiry, he repeated this statement but admitted that there was no office order to regulate the payment in excess of Rs. 5,000. He went on to depose that a plate was displayed infront of the counter of Raja Ram Sah that payment from Current Account upto Rs. 5,000 only would be made at that Counter. This plate is irrelevant because Rs. 6,000 was to be paid not from the Current Account of anyone but on the basis of a slip. Besides the Cash Book M-10 and M-11 show that Raja Ram Sah had been paying in excess of Rs 5,000 and such payments were made by him on May 7, 13, 14, 21, 30 (on two occasions), on June 3, 8, 12, 19 (on two occasions), and 25; on July 8, 23, 24, 27, 28; and on August 1 (on two occassions), 4 (on two occasions), 5, 8, 11, 12 and 24. I cannot, therefore, believe R. L. Singh when he says that Raja Ram Sah had no authority to make such payments.

35. On behalf of Raja Ram Sah, his learned counsel argued that possibly the new slip was issued by R. L. Singh on August 28 after he had directly obtained Token No. 142 and he sent that slip and the Token to Raja Ram Sah for disbursement of Rs. 6,000. A suggestion was made to R. L. Singh that he had issued a fresh slip but he denied that he had done so. In this connection, the learned counsel further argued that had the original slip been produced, he would have been able to demonstrate that Ext. M-9 and M-5 are not the photograph and photo-stat copy of the original and, therefore, a fresh slip was issued. He further argued that R. L. Singh himself admitted that he had obtained Token No. 142 on 28-8-59 but that Token Book has also not been produced and, therefore, I should infer that a fresh slip with Token No. 142 was issued by R. L. Singh on August 28, 1959. The circumstances are surely suspicious but not very certain and definite on the basis of which I can hazard the opinion that R. L. Singh did issue a fresh slip on August 28. The next contention of the learned counsel was that possibly someone connected with Ram Ratan Singh brought the slip and the token to Raja Ram Sah on August 28, and thereafter possibly that stranger passed on the sum of Rs. 6,000 to Ram Ratan Singh, Ram Ratan Singh admitted in his cross-examination in the Criminal Court (Ext. M-7/3) that he purchased a stamp of the value of Rs. 122 on December 18, 1959 for the purchase of land in the name of his wife Manni Debi and that land was actually purchased for a sum of Rs. 6,000. He further admitted that his salary in 1959 was Rs. 60 per months. He denied the suggestion that Rs. 6,000 was defalcated by him on August 28 and it was that money which was invested in December 1959 for the purchase of the land. He stated that he had borrowed a sum of Rs. 6,000 from his Provident Fund in the Bank for the purchase of that land. In the domestic enquiry, he was asked in cross-examination if he had purchased the land after August 28 for a sum of Rs. 6,000 in his wife's name; he was also asked as to wherefrom he had managed Rs. 6,000; he was then asked as to how much he had borrowed from his Provident Fund; and he was further asked as to whether his total contribution in the Provident Fund was Rs. 400 and he had already taken a loan Rs. 200 therefrom; and to all these questions he chose not to give direct answers and stated that his evidence in the Criminal Court may be looked into to ascertain the facts and that he had filed the necessary papers in the Criminal Court in proof of the fact that he had borrowed Rs. 6,000 from his Provident Fund. On an adjourned hearing in the domestic enquiry, Raja Ram Sah wanted to confront the witness with his statement in the Criminal Court but the Bank's prosecutor walked away from the place of hearing and the case had to be adjourned. On the adjourned hearing also, the witness either evaded or refused to answer questions. In the domestic enquiry, a report was called for with regard to his Provident Fund Accounts. The report submitted by the Bank revealed that a loan of Rs. 400 was granted to Ram Ratan Singh on 17-5-1959 but for a purpose other than the purchase of land. He was granted another loan of Rs. 425 on 2-2-60 out of which Rs. 206.58 was adjusted towards the previous loan. He was granted another loan of Rs. 575 on 7-4-61. The total balance (his contribution and the Bank's contribution) as on 31-12-59 was only Rs. 784.46. The Bank's report further clearly stated that no loan whatsoever was granted to Ram Ratan Singh for purchase of land in December, 1959 or near about. It is certain that Ram Ratan Singh purchased land for Rs. 6,000 in December 1959 only four months after August 28, 1959. It is not his case that he had Rs. 6,000 with him from his savings; and indeed, it could not have been so, looking to his meagre salary of Rs. 60 per month only. Nor is it his case that he had borrowed Rs. 6,000 from some friend or money lender for the purchase of the land. His definite case was that he had borrowed Rs. 6,000 from his Provident Fund for the purchase of the land and that fact is a palpable lie in view of the documentary evidence furnished by the Bank itself. It is on these facts that the learned counsel urged that it was Ram Ratan Singh who had cheated the Bank through someone known to him and since he used to bring all tokens from the strong room every day in the morning and since Token No. 142 must also have been brought by him and further since R. L. Singh had obtained Token No. 142 on August 28, the circumstances point the finger towards R. L. Singh and Ram Ratan Singh as the persons in conspiracy with each other for cheating both the Bank and Raja Ram Sah. I must say that the circumstances are highly suspicious but I am unable to come to a definite conclusion.

36. The learned counsel for Raja Ram Sah argued that the termination of his services was the direct result of unfair labour practice on the part of the Bank and that should be enough for the setting aside of that order. The main argument in this regard is that even though the police submitted a final report on May 25, 1960 the Bank went on to prosecute Raja Ram Sah by instituting a private complaints. Raja Ram Sah filed a Revision against the competency of the Criminal complaint but that Revision was dismissed on November 22, 1961 and thereafter the Bank submitted a chargesheet Ext. W-3 on February 8, 1962 requiring him to show cause as to why his services should not be dispensed with. Raja Ram Sah submitted his reply on March 2, 1962 and thereafter the Charge was dropped and no disciplinary proceedings were held. The complaint ended in acquittal on 15-2-63 and then Raja Ram Sah made an application Ext. W-6 on February 19, 1963 for permission to join his duty. The Bank then served the second chargesheet Ext. W-7 on

March 8, 1963. Raja Ram Sah submitted his reply Ext. W-8 on March 26, 1963 and again the charge was dropped and again no disciplinary proceedings were held. Instead the Bank filed an appeal against acquittal and this was dismissed on July 20, 1965. Raja Ram Sah then made an application Ext. W-10 on August 5, 1965 for permission to join duty. Then the third charge-sheet Ext. W-11 was served on him on August 30, 1965. He submitted his reply Ext. W-12 on October 5, 1965. The first Enquiry Officer retired from service on March 20, 1967 but the next Enquiry Officer was appointed after a delay of 8 months on November 24, 1967 and the Enquiry lasted from August 30, 1965 to March 25, 1968, which facts go to show that the Bank was not acting fairly towards him. It was further contended that false charges have been made and false evidence has been lead on account of unfair labour practice. I think that it would have been better if the Bank had started the disciplinary proceedings as soon as there was an acquittal by the Magistrate but merely because the Bank filed the appeal to the High Court and approached even the Supreme Court for Special leave to appeal, will not be conclusive to show that it was due to unfair labour practice. The Bank cannot be prevented from seeking such remedy as was legally open to it. It is true that the enquiry was a prolonged one and lasted practically two and a half years but Raja Ram Sah also obtained a large number of adjournments though the Bank obtained twice or thrice that number. It is again a fact that there was a long delay in appointing a second Enquiry Officer but that may have been due to unavoidable reasons. In short, I am satisfied that there is no case for unfair labour practice.

37. On the whole, I am of the view that since no charges have been established, the termination of service must be set aside. The question whether on setting aside the order terminating the service, Raja Ram Sah should be reinstated or directed to be paid compensation or no relief of such a nature at all should be accorded to him, are matters within the jurisdiction of the Tribunal. The general rule is that in the absence of any special circumstance, reinstatement should be ordered. The learned counsel for the Bank has taken two grounds why no reinstatement and no back wages can be allowed. The first contention is that under the last part of Paragraph 521, clause (10), sub-clause (c) of the Sastry Award, the Bank had full jurisdiction to pass the impugned order. The last part of sub-clause (c) says that "discharge may also be given where the evidence is found to be insufficient to sustain the charge and where the bank does not, for some reason or other, think it expedient to retain the employee in question any longer in service. Discharge in such cases shall not be deemed to amount to disciplinary action." The learned counsel for Raja Ram Sah has, on the other hand, contended that the above cited provision does not apply. A similar argument was raised before their lordships of the Supreme Court in State Bank of India Vs. R. K. Jain. AIR-1972 SC. 136 and their Lordship held that the contention was devoid of substance. Their Lordships observed that in the domestic enquiry, the finding recorded was that the charges had been established and on that basis the order of discharge had been passed and, therefore, the Bank had never proceeded on the basis that the service was being disponsed with on the ground that the management did not think it expedient to return the workman in its service, notwithstanding the fact that the evidence had been found to be insufficient to sustain the charges levelled against him. The ratio of that case is fully applicable in the instant case also and, therefore, this contention of the learned counsel cannot prevail.

38. The second argument advanced by the learned counsel for the Bank is that the State Bank of India is not liable to satisfy any claim of Raja Ram Sah in view of the amalgamation scheme which governs the State Bank in relation to acts of the erstwhile Bank of Bohar which had come into existence prior to the date of amalgamation.

39. On an application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of Section 45 of the Banking Regulation Act, 1949, (10 of 1949) the Central Government made, under sub-section (2) of the said section 45 an order of moraterium in respect of the Bank of Bohar on August 9, 1969 on the foot of notification No. F. 17(10)-BC/69, dated August 8, 1969. The Reserve Bank, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 45, prepared a scheme for the amalgamation of the Bank of Bohar with the State Bank of India and sent that Draft Scheme to the two Banks concerned, as directed by sub-section (6), and modified the scheme after consideration of the suggestions and objections made by the two concerned Banks and forwarded it to the Central Government for sanction. The Central Government, in exercise of its powers under sub-section (7), sanctioned the scheme subject to certain terms and conditions by notification No. F. 17(10)-BC/69 dated November 5, 1969.

40. Under the scheme, the Bank of Bohar has been designated as the "transferer bank" and the State Bank of India as the "transferee bank". Under clause (2) of the scheme, as from the prescribed date, all rights, powers, claims, demands, interests, authorities, privileges, benefits, assets and properties of the transferer bank, moveable and immovable, including premises subject to all incidents of tenure and to the rents and other sums of money and covenants reserved by or contained in the leases or agreements under which they are held, all office furniture, loose equipment, plant, apparatus and appliances, books, papers, stocks of stationery, other stocks and stores, all investments in stocks, shares and securities, all bill receivable in hand, and in transit, all cash in hand and on current or deposit account (including money at call or short notice) with banks, bullion, all book debts, mortgage debts and other debts with the benefit of securities, or any guarantee therefor, all other, if any, property rights and assets of every description including all rights of action and benefit of all guarantees in connection with the business of the transfer bank shall, subject to the other provisions of this scheme, stand transferred to, and become the properties and assets of, the transferee bank; and as from the prescribed date, all the liabilities, duties and obligations of the transferer bank shall be and shall become the liabilities, duties and obligations of the transferee bank to the extent and in the manner provided in the scheme. Under paragraph 4 of clause (2) of the scheme, if on the prescribed date, any suit, appeal or other legal proceedings of whatever nature by or against the transferer bank is pending, the same shall not abate, or be discontinued or be in any way prejudicially affected, but shall subject to the other provisions of this scheme, be prosecuted and enforced by or against the transferee bank, Clause (12) says that all the employees of the transferer bank other than those specified in the schedule referred to in the succeeding paragraph shall continue in service and be deemed to have been appointed by the transferee bank at the same remuneration and on the same terms and conditions of service as were applicable to such employees immediately before the 10th August 1969. There are two provisos to clause (12). The second proviso says that the transferee bank shall in respect of the employees of the transferer bank who are deemed to have been appointed as employees of the transferee bank be deemed also to have taken over liability for the payment of retrenchment compensation in the event of their being retrenched while in the service of the transferee bank on the basis that their service has been continuous and has not been interrupted by their transfer to the transferee bank. Clause (13) reads that the persons specified in the Schedule annexed to this scheme shall, on the prescribed date, cease to be the employees of the transferer bank and notwithstanding anything contained in any law for the time being in force or any agreement or contract, the persons so specified shall be entitled to and only to such pension, gratuity, provident fund and other retirement benefits as may be ordinarily admissible to them under the rules or authorisations of the transferer bank immediately before the 10th August 1969. Proviso 2 of clause (13) says that nothing herein shall be deemed to prevent the transferee bank from re-employing any person whose name has been specified in the schedule annexed to this scheme in such capacity and on such terms and conditions as the transferee bank may deem fit.

41. It is on the basis of the above provisions that the argument of the learned counsel has been advanced. I do not think that there is any substance in the contention of the learned counsel. Clause (2) definitely provides that, as from the prescribed date, all the liabilities, duties and obligations of the transferer bank shall be and shall become the liabilities, duties and obligations of the transferee bank. It is clear, therefore, that the State Bank of India became the successer-in-title of the Bank of Bohar and took all its assets, as also all its liabilities, duties and obligations. In case of re-instatement and direction for payment for full back wages, the liability to reinstate and the liability to pay full back wages on the part of the Bank of Bohar on and from the date of termination will become the liability of the State Bank of India. No doubt the liability is subject "to the extent and in the manner provided" in the subsequent clauses of the scheme, but to that I shall advert a little later. It is also clear that if any suit, appeal "or other legal proceedings of whatever nature" by or against the transferer bank is pending, the same shall not abate, or be discontinued or be in any way prejudicially affected but shall

subject to the other provisions of this scheme be prosecuted and endorced by or against the transferee bank." Even if the present reference be regarded as a proceeding, I do not understand why it will not be covered by the broad phraseology "other legal proceedings of whatever nature". An industrial dispute requiring adjudication by the Tribunal is certainly a legal proceeding. The reference was made by the Central Government on February 6, 1969 and was pending when the scheme came into force, i.e., on the prescribed date. This proceeding shall not abate; nor can it be discontinued; nor can it be allowed to prejudicially affect Raja Ram Sah; and it must be allowed to culminate in an award which can then be enforced against the transferee bank. There is no escape from that conclusion. Under clause (2), all the employees of the transferer bank, except these specified in the Schedule, and Raja Ram Sah is not so specified, shall continue in service and be deemed to have been appointed by the transferee bank at the same remuneration and on the same terms and conditions of service as were applicable to him immediately before the 10th August 1969. The services of Raja Ram Sah had been terminated with effect from April 6, 1968. If he is ordered to be reinstated with effect from that date, he will be an employee of the Bank of Bohar on that date and, as from the prescribed date, he will be deemed to have been appointed by the transferee bank at the same remuneration and on the same terms and conditions of service as would have been applicable to him immediately before the 10th August, 1969 had he continued to be an employee of the Bank of Bohar on August 9, 1969 which would be the fact if the order of termination is set aside and his reinstatement is ordered. His name does not appear in the Schedule and consequently clause (13) will have no application. It is true that his name could not be included in the Schedule because he was no longer in service with effect from April 6, 1969. But that will make no difference. The Tribunal cannot include his name in the Schedule; the State Bank can also not so without the concurrence of the Reserve Bank and the Central Government. It cannot be predicated as to what would be the final order which may be passed by the Reserve Bank and the Central Government. In any case, any order that can be passed will have effect from the date it is passed and cannot be passed retrospectively. The State Bank may take any action it likes. It may retrench him under the second proviso to Clause (12); it may include his name in the Schedule; by observance of the requirements of law, but with that the Tribunal is not concerned.

42. The learned counsel for the State Bank placed relience on an unreported judgment of the Delhi High Court in Civil Writ No. 1413 of 1970. In that case the first proviso to Clause (4) of the scheme, which corresponds to the second proviso to Clause (13) of the scheme before me, came up for interpretation and it was held that the proviso does not confer a right on the employee to demand that he must be re-employed and it only gives the power to the Bank to employ or not to employ. This decision is not applicable to the present case. Raja Ram Sah's name is not in the Schedule and he is not seeking any remedy under proviso 2 to Clause (13). The learned counsel then placed reliance upon another unreported decision of the Patna High Court in C.W.J.C. No. 1304 of 1972. In that case, Section 9 of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, 1972 came up for interpretation to determine the question whether the Government undertaking, namely, the Bharat Coking Coal Limited had become the successor-in-interest of the former owners of the collieries so as to become liable for the liabilities of that owner in relation to their workmen, which liabilities had accrued prior to the appointed day. To counter that argument, reliance was placed on the decision of their lordships of the Supreme Court in Bihar State Road Transport Corporation Vs. State of Bihar, AIR 1970 SC. 1217. Their Lordships of the Supreme Court had interpreted the notification in that case and had observed that the powers and functions of the Transport authority were to carry on and conduct the transport undertaking and for that purpose its principal function would be the administration and management of that undertaking which would necessitate the employment of an adequate staff of employees. Their Lordships further held that in that event, if the termination of the service ordered by the Raj Transport was invalid, it would never become operative and an employee would be deemed to have continued in the service of the Raj Transport authority and would thus become an employee of the Corporation which would be the successor-in-title of the authority and would be liable to pay the wages of the employee. This case was distinguished by the Patna High Court and it was observed that under section 9 of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, the Bharat Coking Coal Limited could not be regarded as the successer-in-title of the former owners because of Section 9. This decision of the Hon'ble High Court is not at all applicable to the facts of the instant case. Firstly, the interpretation of a particular section in one statute cannot be applied to the interpretation of a different section in a different statute, or for that matter, to the interpretation of a clause of a scheme prepared under a different statute. Secondly, as I have earlier stated, the State Bank stepped into the shoes of the Bank of Bohar not only in respect of its assets but also in respect of its liabilities and any award that can be made, will bind it.

43. This brings me to the question as to what direction can be issued. It has been seen that no charge has been established against Raja Ram Sah. The domestic enquiry was quashed by the Han'ble High Court. It issued the direction that I should decide the matter on merits on the basis of the materials on record. On that basis, I have came to the conclusion that the termination was wholly unjustified. Raja Ram Sah was making request after request for permission to join his duties but it was being persistently refused. The Bank was at fault throughout. It did not feel satisfied with the final report made by the police after investigation; it was not content with the order of acquittal passed by the Magistrate; it felt aggrieved by the order of the Hon'ble High Court dismissing the appeal; it even went upto the Supreme Court. No judgment of Court, even of the Supreme Court, was acceptable to it. It indulged in the luxury of a domestic enquiry which was unduly prolonged, it has failed before the Tribunal also; for 19 years the matter has been agitated from Court to Court and from place to place; and I think for no fault of the workman, and therefore, I direct that the order of termination must be set aside and his reinstatement ordered with full back wages.

44. My award is that termination of service of Raja Ram Sah was unjustified and he is entitled not only to reinstatement but also to full back wages.

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer.

[F. No. 23/128/68-LRIII/DIIA Pt]

R. P. NARULA, Under Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110006, 1976.